राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 एआई वीडियो में ट्रंप को देख झांसे में आया कर्नाटकका वकील......
यह परमाणु युद्ध की तैयारी; गोल्डन डोम प्रोजेक्ट को लेकर अमेरिका....... 12

वर्ष : 16 | अंक : 23 | नई दिल्ली, बुधवार, 28 मई, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने कुवैती नेताओं से की मुलाकात

● भारत के आतंकवाद विरोधी रुख पर डाला प्रकाश

कुवैत सिटी/नई दिल्ली, एजेंसी

कुवैत सिटी/नई दिल्ली। भाजपा सांसद बैजयंत जय पांडा के नेतृत्व में भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने कुवैती सिविल सोसाइटी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद से लड़ने और भारत-कुवैत के साझा संकल्प पर प्रकाश डाला। भारतीय दूतावास और थिंक टैंक रिकोनिसेंस रिसर्च ऑफ कुवैत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में कुवैती सिविल सोसाइटी के प्रमुख लोग शामिल हुए।

इनमें शाही परिवार के सदस्य, पूर्व मंत्री, वरिष्ठ संपादक, थिंक टैंक विशेषज्ञ, विचारक और प्रभावशाली व्यक्ति शामिल थे। कुवैत में भारतीय दूतावास ने कहा, ह्यभारत-कुवैत की मजबूत रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप की हालिया स्थिति और सीमा पार आतंकवाद की ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए भारत के ह्यनए सामान्यह्न दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिभागियों ने इस बात पर एकमत थे कि आतंकवाद मानवता के खिलाफ है और इसका हर संभव तरीके से मुकाबला किया जाना चाहिए। पांडा ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट किया, आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख स्पष्ट और अटल है,

हम इसका सामना करेंगे, चाहे वह कहीं भी हो। कुवैत में भारतीय दूतावास और रिकोनिसेंस रिसर्च द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कुवैती सिविल सोसाइटी संग एक ह्यजीवंत दिवानिया शैलीह्न चर्चा में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुआ, जिसमें आतंकवाद से लड़ने के लिए भारत-कुवैत की साझा प्रतिबद्धता पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

इससे पहले सोमवार को प्रतिनिधिमंडल ने कुवैत में भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत की। उन्होंने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के न्यू नॉर्मल, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता, आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रीय सहमति और राष्ट्रीय हित के मामलों में भारतीय प्रवासियों के समर्थन पर जोर दिया। भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रतिनिधियों ने कुवैत की सबसे बड़ी मस्जिद, ग्रैंड मस्जिद का भी दौरा किया, जिसका निर्माण 4 दशक पहले हुआ था। ग्रैंड मस्जिद के सागौन की लकड़ी के दरवाजे भारत के साथ इसके संबंध की बात करते हैं।

मौसम

अधिकतम तापमान 32.0°C

न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार

सोना	80,405
चांदी	1,1000
सेंसेक्स	80,220
निफ्टी	24,472

संक्षिप्त खबरें

मिजोरम हथियार तस्करी में तीन और आरोपियों पर चार्जशीट

नई दिल्ली। मिजोरम में हथियार व गोला-बारूद की तस्करी के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दो और आरोपियों पर चार्जशीट दाखिल की है। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार जांच में सामने आया कि इन तीन आरोपियों ने आतंकी गतिविधियों में सहयोग व हिंसा को भड़काने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी पहचान वनलालादईलोवा, लालमुआनपुईया और लालरिनछुंगा के रूप में हुई। तीनों मिजोरम के रहने वाले हैं और उन्हें दिसंबर 2024 में गिरफ्तार किया गया था। अब इस मामले में इन तीनों पर भी चार्जशीट दाखिल की गई है।

हमने कोरोना से लेकर प्राकृतिक आपदा तक झेली, तब बने दुनिया के चौथे नंबर की अर्थव्यवस्था : मोदी

गांधीनगर, एजेंसी

गांधीनगर। गांधीनगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की यात्रा पर बात की। उन्होंने विरोधियों को कठघरे में खड़ा करते हुए विशाल जनसमूह को उस दबाव के बारे में बताया जिससे ढेर सारी उम्मीदें जुड़ी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, कल (सोमवार) 26 मई थी और 2014 में 26 मई को मुझे पहली बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने का अवसर मिला। उस समय, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें स्थान पर थी। हमने कोरोना से लड़ाई लड़ी, पड़ोसियों से भी मुसीबतें झेलीं, प्राकृतिक आपदा भी झेली, इसके बावजूद इतने कम समय में हम 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से चौथे नंबर की अर्थव्यवस्था बने। क्योंकि हम विकास चाहते हैं, प्रगति चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि हमने अब जापान को पीछे छोड़ दिया है। मुझे आज भी याद है कि जब हम छठे से पांचवें स्थान पर पहुंचे थे, तो पूरे देश में उत्साह था, खासकर युवाओं में। कारण स्पष्ट था, भारत ने ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया था, वही देश जिसने हम पर 250 साल तक राज किया। हमारा लक्ष्य है कि 2047 में हिंदुस्तान को विकसित होना ही चाहिए। हम आजादी के 100 साल ऐसे मनाएंगे कि दुनिया में विकसित भारत का झंडा फहरता रहेगा। पीएम मोदी ने कहा, मुझ पर जो दबाव बनने वाला है, जो बनना शुरू भी हो गया है कि मोदी ठीक है, हम अर्थव्यवस्था में 4 नंबर पर तो पहुंच गए, अब बताओ कि 3 नंबर पर कब पहुंचेंगे। इसका एक समाधान आपके पास है। हमारे जो ग्रोथ सेंटर हैं, वे अर्बन एरिया हैं, हमें अर्बन बॉडीज को इकोनॉमी के ग्रोथ सेंटर बनाने का प्लान करना होगा। जनसंख्या के कारण वृद्धि होती चले, ऐसे शहर नहीं हो सकते हैं। शहर आर्थिक गतिविधि के तेजतर्रार केंद्र होने चाहिए। पीएम मोदी ने गुजरात का जिक्र करते हुए कहा, मैं गुजरात का ऋणी हूं। इस धरती ने मुझे बड़ा किया है। यहां मुझे जो शिक्षा और सबक मिले, आप सबके बीच रहकर मैंने जो सीखा, आपने मुझे जो मार्गदर्शन दिया, आपने जो सपने मुझे सौंपे, मैं उन्हें देश की जनता के हित में लागू करने का प्रयास कर रहा हूं। मुझे खुशी है कि आज गुजरात सरकार ने शहरी विकास वर्ष के 20 साल पूरे होने का जश्न मनाया, जिसकी शुरूआत 2005 में हुई थी। प्रधानमंत्री ने कहा, जब 2035 में गुजरात 75 वर्ष पूरे करेगा, तो मेरा मानना है कि हमें अगले 10 वर्षों के लिए अभी से योजना बनानी शुरू कर देनी चाहिए। हमें एक विजन तय करना होगा कि तब तक गुजरात उद्योग, कृषि, शिक्षा और खेल के क्षेत्र में कहां पहुंच जाएगा। हमें आज ही दृढ़ संकल्प लेना होगा और जब गुजरात 75 वर्ष का हो जाएगा, यानी ठीक एक साल बाद, ओलंपिक आयोजित किए जाएंगे। देश की इच्छा है कि ओलंपिक भारत में आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में हमें टूरिज्म पर बल देना चाहिए। गुजरात ने कमाल कर दिया है। कोई सोच सकता है कि कच्छ के रेगिस्तान में जहां कोई जाने का नाम नहीं लेता था, आज वहां जाने के लिए बुकिंग नहीं मिल रही है। चीजों को बदला जा सकता है। यहां तक कि वडनगर में भी उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है। काशी की तरह वडनगर भी सभ्यता का प्राचीन केंद्र है। यहां 2,800 साल से भी ज्यादा पुराने इतिहास के प्रमाण मौजूद हैं।

गांधीनगर में पीएम मोदी बोले, कटनी चाहिए थी जंजीरें, लेकिन 1947 में काट दी गईं भुजाएं

गांधीनगर। गुजरात दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांधीनगर पहुंचे। यहां उन्होंने गुजरात शहरी विकास योजना के 20वीं वर्षगांठ समारोह में हिस्सा लिया। प्रदेश को करोड़ों की सौगात दी और एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाने के लिए सेना के शौर्य की प्रशंसा की। उन्होंने आजादी के समय हुई गल्तियों का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं दो दिन से गुजरात में हूं। कल वडोदरा, दाहोद, भुज, अहमदाबाद और आज गांधीनगर में हूं। मैं जहां-जहां गया, वहां गर्जना करता सिंदूरिया सागर और लहराता तिरंगा जन-जन के हृदय में मातृभूमि के प्रति अपार प्रेम और देशभक्ति का ज्वार देखने को मिल रहा है। ये दृश्य सिर्फ गुजरात में नहीं हैं, हिंदुस्तान के कोने-कोने में हैं, हर हिंदुस्तानी के दिल में हैं। पीएम मोदी ने पाकिस्तान का जिक्र करते हुए कहा, जब भी पाकिस्तान के साथ युद्ध हुआ, तीनों बार भारतीय सशस्त्र बलों ने उन्हें निर्णायक रूप से हराया। यह महसूस करते हुए कि वह प्रत्यक्ष युद्ध नहीं जीत सकता, पाकिस्तान ने छद्म युद्ध का सहारा लिया। उसने आतंकवादियों को प्रशिक्षित करना और उन्हें भारत में भेजना शुरू कर दिया। इन प्रशिक्षित आतंकवादियों ने निर्दोष, निहत्थे नागरिकों, यात्रा करने वाले लोगों, होटलों में बैठे लोगों या पर्यटकों के रूप में आने वाले लोगों को निशाना बनाया। उन्होंने 1947 के दर्द को बयां किया। कहा, 1947 में मां भारती के टुकड़े हुए। कटनी चाहिए थी जंजीरें, लेकिन काट दी गईं भुजाएं। देश के तीन टुकड़े कर दिए गए और उसी रात पहला आतंकी हमला कश्मीर की धरती पर हुआ। मां भारती का एक हिस्सा आतंकवादियों के बलबूते पर मुजाहिदीनों के नाम पर पाकिस्तान ने हड़प लिया।

विदेशी अंशदान पाने वाले एनजीओ समाचार सामग्री प्रकाशित नहीं कर सकेंगे : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र ने कहा है कि प्रकाशन संबंधी गतिविधियों में लगे और विदेशी अंशदान प्राप्त करने वाले गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) कोई समाचार पत्र प्रकाशित नहीं कर सकेंगे और उन्हें भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक से यह प्रमाण पत्र लेना होगा कि वे कोई समाचार सामग्री प्रसारित नहीं करते हैं। केंद्र ने कहा है कि विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकरण चाहने वाले एनजीओ को नए नियमों का पालन करना होगा। गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा है कि उसने एफसीआरए के तहत बनाए गए नियमों में संशोधन किया है और अब से विदेशी धन प्राप्त करने की अनुमति मांगने वाले एनजीओ को यह हलफनामा देना होगा कि वे वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) के अच्छे आचरण संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करेंगे। एफएटीएफ आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन पर वैश्विक निगरानी संस्था है। गृह मंत्रालय ने कहा कि ऐसे निकाय या गैर सरकारी संगठन, जो पंजीकरण चाहते हैं, उन्हें पिछले तीन वित्तीय वर्षों के वित्तीय विवरण और लेखा परीक्षा रिपोर्ट संलग्न करनी होगी, जिसमें परिसंपत्तियों और देनदारियों का विवरण, प्राप्तियां और भुगतान खाता, तथा आय और व्यय खाता शामिल होगा। यदि लेखापरीक्षा रिपोर्ट और वित्तीय विवरण में पिछले तीन वित्तीय वर्षों के गतिविधि-वार व्यय शामिल नहीं हैं, तो एनजीओ द्वारा गतिविधि-वार व्यय की गई राशि को निर्दिष्ट करने वाला चार्टर्ड अकाउंटेंट का प्रमाण पत्र, आय और व्यय खाते और प्राप्ति और भुगतान खाते के साथ विधिवत मिलान किया जाना चाहिए। यदि एसोसिएशन या एनजीओ प्रकाशन संबंधी गतिविधियों में शामिल है या यदि प्रकाशन गतिविधियां इसके उद्देश्यों में शामिल हैं, जैसा कि एसोसिएशन के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन या ट्रस्ट डीड में कहा गया है, तो एफसीआरए, 2010 के अनुपालन के संबंध में मुख्य पदाधिकारी से एक शपथ पत्र अवश्य लिया जाना चाहिए। गृह मंत्रालय ने कहा कि यदि एसोसिएशन का प्रकाशन भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के पास पंजीकृत है, तो उसे भारत के समाचारपत्रों पंजीयक से समाचारपत्र नहीं होने संबंधी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। यदि एनजीओ पहले एफसीआरए के तहत पंजीकृत था, तो उसे पंजीकरण प्रमाणपत्र की समाप्ति या रद्द होने के बाद विदेशी अंशदान की प्राप्ति और उपयोग के संबंध में एक हलफनामा प्रस्तुत करना होगा। इसमें कहा गया है कि यदि पिछले तीन वित्तीय वर्षों में लक्ष्यों और उद्देश्यों पर व्यय 15 लाख रुपये से कम है, तो पूंजी निवेश को शामिल करने के संबंध में एक हलफनामा प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

कोई योग्य नहीं मिला, नया मनुवाद है : राहुल

गांधीनगर, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि सरकारी पदों की भर्तियों में नॉट फाउंड सूटेबल (कोई योग्य नहीं मिला) की श्रेणी नया मुनवाद है। कहा कि यह अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के युवाओं को शिक्षा और नेतृत्व से दूर रखने की साजिश है। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह के साथ संवाद में यह दावा भी किया कि केंद्र सरकार शिक्षा रूपी हथियार को कुंद करने में लगी हुई है। उन्होंने गत 22 मई को दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया था और छात्रों से बातचीत की थी। इस बातचीत का वीडियो उन्होंने मंगलवार को अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। वीडियो में उन्हें यह दावा करते दिखाया गया है कि एससी/एसटी/ओबीसी के योग्य उम्मीदवारों को जानबूझकर अयोग्य ठहराया जा रहा है। राहुल के मुताबिक, बाबासाहेब आंबेडकर ने कहा था कि शिक्षा बराबरी के लिए सबसे बड़ा हथियार है, लेकिन केंद्र उस हथियार को कुंद करने में जुटा है। सामाजिक न्यास के साथ धोखा : राहुल ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में 60 प्रतिशत से ज्यादा प्रोफेसर और 30 प्रतिशत से ज्यादा एसोसिएट प्रोफेसर के आरक्षित पदों को नॉट फाउंड सूटेबल बताकर खाली रखा गया है। आईआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हर जगह यही साजिश चल रही है। यह संविधान पर हमला और सामाजिक न्याय के साथ धोखा है। हिंदुत्व पर निशाना साधा कांग्रेस नेता ने कहा कि यह सिर्फ शिक्षा और नौकरी की नहीं बल्कि हक सम्मान और हिस्सेदारी की लड़ाई है। अब हम सब मिलकर भाजपा/आरएसएस की हर आरक्षण-विरोधी चाल को संविधान की ताकत से जवाब देंगे। दावा किया कि हिंदुत्व प्रोजेक्ट का मकसद दलित, आदिवासी और ओबीसी के इतिहास को मिटाना है। आरोप लगाया कि निजीकरण का असली मतलब है संस्थाओं से दलितों और ओबीसी को अलग रखना।

तृणमूल सांसदों ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया। तृणमूल सांसदों ने पत्र में कहा कि सरकार को संसद का विशेष सत्र बुलाकर पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद से निपटने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में लोगों को जानकारी देनी चाहिए। संविधान सदन (पुराना संसद भवन) के केन्द्रीय कक्ष में तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों की बैठक हुई, जिसमें यह मांग की गयी। बैठक के बाद राज्यसभा में पार्टी की उपनेता सागरिका घोष ने कहा, हम सभी ने प्रधानमंत्री को संबोधित एक पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें अनुरोध किया गया है कि पांच जून को सांसदों के प्रतिनिधिमंडलों के विदेश यात्रा से वापस लौटने के बाद संसद का एक विशेष सत्र आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने आतंकवाद के खिलाफ भारत का संदेश देने के लिए विदेश भेजे गए बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों का समर्थन किया है, लेकिन देश के लोग भी सरकार के कदमों के बारे में जानने के हकदार हैं। घोष ने कहा, तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि हमने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मुद्दे पर उसे बेनकाब करने के उद्देश्य से बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों को विदेश भेजने में भारत सरकार के साथ पूरा सहयोग किया है।

सोनिया ने शांति वन जाकर नेहरु को पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी आज देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करने शांति वन पहुंचीं। उन्होंने इस मौके पर पंडित नेहरू को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि देश के भविष्य को आकार देने में पंडित नेहरू की महत्वपूर्ण भूमिका है। कांग्रेस के एक्स अकाउंट में साझा की गई सूचना के अनुसार, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की 61वीं पुण्यतिथि पर दिल्ली में उनके स्मारक शांति वन में पुष्पांजलि अर्पित की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पंडित जवाहर लाल नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा, भारत को शून्य से शिखर तक पहुंचाने वाले, आधुनिक भारत के निमार्ता, लोकतंत्र के निर्भीक प्रहरी, भारत को वैज्ञानिक, आर्थिक, औद्योगिक व विभिन्न क्षेत्रों में विकासशील बनाने वाले, देश को निरंतर विविधता में एकता का संदेश देने वाले, हमारे प्रेरणास्रोत, पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के योगदान के बिना 21वीं सदी के भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी पंडित नेहरू को याद किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन। सशक्त और समावेशी भारत का सपना लिए, नेहरू जी ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से स्वतंत्र भारत की मजबूत नींव रखी। सामाजिक न्याय, आधुनिकता, शिक्षा, संविधान और लोकतंत्र की स्थापना में उनका योगदान अमूल्य है। हिंद के जवाहर की विरासत और उनके आदर्श सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

उद्घाटन सत्र | **सभी संस्थाओं का केंद्र राष्ट्रीय विकास, राष्ट्रीय कल्याण, सार्वजनिक कल्याण, पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्ठा है**

राष्ट्रहित को राजनीतिक हितों से ऊपर रखें : धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि संस्थानों की तरह ही राजनीतिक दलों की भी राष्ट्रीय उद्देश्य के प्रति नैतिक जिम्मेदारी होती है और राष्ट्रीय सुरक्षा तथा आर्थिक प्रगति जैसे विषयों पर सभी दलों को राष्ट्रहित को अपने राजनीतिक हितों से ऊपर रखना चाहिए। श्री धनखड़ ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति निवास में राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम चरण सात के उद्घाटन सत्र में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश की सोच को पूरी तरह बदल दिया है। समाज पहले से कहीं अधिक राष्ट्रवादी हो गया है। सभी राजनीतिक दलों ने मिलकर विदेशों में भारत का शांति और आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज को एकजुट रहना और मजबूत बनना होगा। संस्थानों की तरह ही राजनीतिक दलों की भी राष्ट्रीय उद्देश्य के प्रति नैतिक जिम्मेदारी होती है, क्योंकि सभी संस्थाओं का केंद्र राष्ट्रीय विकास, राष्ट्रीय कल्याण, सार्वजनिक कल्याण, पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्ठा है। राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक प्रगति जैसे विषयों पर सभी दलों को राष्ट्रहित को अपने राजनीतिक हितों से ऊपर रखना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं सभी राजनीतिक वर्गों से अपील करता हूँ कि वे गहन चिंतन करें और इस निष्कर्ष पर पहुँचें कि इन विषयों पर सहमति होनी चाहिए। कभी-कभी राजनीति राष्ट्रवाद और सुरक्षा जैसे विषयों पर बहुत तेज हो जाती है। इसे हमें पार करना होगा। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्वदेशी शक्ति की आवश्यकता पर बल देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि युद्ध से सबसे अच्छा बचाव तब होता है जब हम शक्ति की स्थिति में हों। उन्होंने कहा, शांति तब सुनिश्चित होती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहें। शक्ति केवल तकनीकी क्षमता या पारंपरिक हथियारों से नहीं आती, बल्कि यह जनता से भी आती है। नागरिकों को उनके कर्तव्यों के पालन की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि संतुलन बनाए रखना जरूरी है। केवल अपने मौलिक अधिकारों की बात की जाती है और मौलिक कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह उदासीन रहते हैं। मौलिक कर्तव्यों का सार राष्ट्रीय कल्याण को प्राथमिकता देना, लोक व्यवहार, अनुशासन, सार्वजनिक संवाद, पर्यावरण और जीवन में भलाई आदि में योगदान देना। उन्होंने कहा कि स्वदेशी का विचार आर्थिक राष्ट्रवाद से जुड़ा हुआ है। आर्थिक राष्ट्रवाद का मतलब है कि हम स्वदेशी वस्तुओं का उपभोग करें। वोकल फॉर लोकल को अपनाएं। यह कारीगरों को प्रेरित करेगा कि वे हमारी आवश्यकताओं को पूरा करें। श्री धनखड़ ने कहा कि भारतीय संसद एक साधारण विधायी निकाय नहीं है। यह आज 140 करोड़ लोगों की इच्छा का प्रतिबिंब है। यह एकमात्र वैधानिक संवैधानिक मंच है जो जनता की वास्तविक इच्छा को प्रकट करता है। इसलिए संसद कानून बनाने की अंतिम संस्था है। यह कार्यपालिका को उत्तरदायी ठहराती है। संसद बहस, संवाद, चर्चा और विमर्श का सर्वोच्च मंच है। सहयोग और सहमति के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि संविधान निमार्ताओं ने ज्वलंत मुद्दों और अत्यंत संवेदनशील विषयों को सहयोग, समन्वय और सहमति के साथ सुलझाया।

न्यायालय ने 1995 के वक्फ कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को वक्फ अधिनियम, 1995 के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली एक याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब तलब किया। प्रमुख न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने केंद्र और अन्य को नोटिस जारी कर उनसे जवाब तलब किया। पीठ ने, साथ ही, इस याचिका को इसी मामले में दायर अन्य याचिकाओं के साथ संबद्ध कर दिया। याचिकाकर्ता निखिल उपाध्याय की ओर से अदालत में पेश अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने पीठ को बताया कि याचिका में वक्फ अधिनियम, 1995 के कुछ प्रावधानों को चुनौती दी गई है। उन्होंने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने से संबंधित शीर्ष अदालत के 17 अप्रैल के आदेश का हवाला दिया। उपाध्याय ने कहा कि उस आदेश में अदालत ने कहा था कि 1995 के कानून और 2013 में इसमें किए गए संशोधनों को चुनौती देने वाली याचिकाओं को अलग से वाद सूची में दिखाया जाएगा। न्यायमूर्ति गवई ने पूछा, ह्यह्यवर्ष 1995 के अधिनियम को 2025 में चुनौती देने की अनुमति क्यों दी जानी चाहिए?ह्नह्न उन्होंने यह भी पूछा कि देरी के आधार पर याचिका को क्यों खारिज नहीं किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि याचिका में 2013 में किए गए संशोधनों को चुनौती दी गई है। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत 2020 में दायर उन याचिकाओं पर भी सुनवाई कर रही है, जिनमें पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 के प्रावधानों को चुनौती दी गई है। पीठ ने याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई और इसे पहले से लंबित याचिकाओं के साथ जोड़ दिया।

संक्षिप्त समाचार

तमंचे के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

पथरी, एजेंसी। पुलिस ने तमंचा लेकर घूम रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। कोर्ट में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष मनोज नौटियाल ने बताया कि रविवार देर रात पुलिस टीम गश्त कर रही थी। तभी इक्कड़ कलां के पास रेलवे अंडरपास के समीप संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए आरोपी धीरज निवासी इक्कड़ कलां को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके पास से तमंचा बरामद हुआ। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। सोमवार को आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। रानीपुर कोतवाली क्षेत्र से संदिग्ध परिस्थितियों में एक किशोरी लापता हो गई। पुलिस ने एक युवक के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया है। रानीपुर निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत देकर बताया कि 21 मई की सुबह उसकी नाबालिग बेटी अचानक घर से गायब हो गई।

मेला और महिला अस्पताल में शिफ्ट होगा जिला अस्पताल

हरिद्वार, एजेंसी। ध्वस्तीकरण के बाद जिला अस्पताल को मेला और महिला अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा। जिला अस्पताल प्रबंधन की ओर से ध्वस्तीकरण और शिफ्टिंग के आदेशों का इंतजार किया जा रहा है।

जर्जर हालत में पहुंच चुके जिला अस्पताल के भवन को ध्वस्तीकरण को मंजूरी मिल चुकी है। लेकिन, ध्वस्तीकरण के आदेश जिला अस्पताल में नहीं पहुंचा है। जिला अस्पतालों को कभी भी गिराया जा सकता है, इसलिए प्रबंधन ने जिला अस्पताल को शिफ्ट करने की तैयारी शुरू कर दी है। जिला अस्पताल की ओपीडी को महिला अस्पताल और मेला अस्पताल में शिफ्ट करने की योजना बना ली गई है। इसकी तैयारियां भी अस्पताल प्रबंधन की ओर से शुरू कर दी गई हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर अस्पताल में तुरंत शिफ्ट किया जा सके।

दो अस्पतालों में शिफ्ट होने से मरीजों को भी चक्कर काटने पड़ेंगे। उन्हें कभी मेला तो कभी महिला अस्पताल में जाना पड़ेगा। तब जाकर वह अपना उपचार करा सकेंगे।

बीएससी छठे सेमेस्टर जंतु विज्ञान की परीक्षा स्थगित

धनौरी, एजेंसी। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में बीएससी छठे सेमेस्टर के जंतु विज्ञान विषय की परीक्षा स्थगित कर दी गई है। अब यह परीक्षा बाद में कराई जाएगी। पेपर के आउट ऑफ सिलेबस आने की वजह से यह निर्णय लिया गया है। सोमवार को शाम की पारी में तीन से 6ः00 बजे बीएससी छठे सेमेस्टर की जंतु विज्ञान विषय की परीक्षा थी। छात्र-छात्राओं के हाथ में जैसे ही प्रश्न पत्र आया तो उन्होंने बताया कि यह पेपर आउट ऑफ सिलेबस आया हुआ है। छात्र-छात्राओं की शिकायत पर महाविद्यालयों के परीक्षा अनुभाग की ओर से इसकी सूचना विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक को दी गई। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर सीएस नेगी ने बताया कि महाविद्यालयों की ओर से सूचना प्राप्त होने के बाद 26 मई को शाम की पाली में आयोजित होने वाली परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है। परीक्षा की नई तिथि बाद में घोषित की जाएगी।

एचटी लाइन पर बिजली गिरी, दो दिन से 12 गांवों की बिजली गुल

रूड़की, एजेंसी। हाईटेंशन लाइन पर बिजली गिरने से 12 गांवों की बिजली दो दिन से गुल है। 20 हजार लोगों को पानी के लिए भी परेशान होना पड़ रहा है। हैंडपंप पर पानी भरने के लिए लाइन लगी है। ऊर्जा निगम के अधिकारी और कर्मचारी लाइन का फाल्ट तलाशने में जुटे हैं।

इकबालपुर के पास बेहडेकी गांव में विद्युत सब स्टेशन पर रुड़की से हाईटेंशन की विद्युत लाइन आ रही है। रविवार सुबह तेज बारिश के दौरान इस लाइन पर बिजली गिर गई थी। इससे पूरे विद्युत सब स्टेशन की आपूर्ति ठप हो गई थी। ऊर्जा निगम के अधिकारी व कर्मचारी लाइन के फाल्ट को खोजने में लगे हुए हैं लेकिन ट्रायल करते ही ट्रिपिंग हो रही है।

विधायकों ने भी माना मनरेगा मजदूरों से भी कम प्रवक्ताओं का मानदेय

हल्द्वानी, एजेंसी। स्नातक से लेकर पीएचडी तक 12 वर्ष का संघर्ष। शिक्षण और शोध सहित भविष्य के अध्यापक तैयार करने की निपुणता। पात्रता का पैमाना भी असिस्टेंट प्रोफेसर के समान लेकिन नितांत अस्थायी का ठप्पा लगाकर सेल्फ फाइनेंस बीएड में प्रवक्ता पद भरने की कवायद हो रही है।

मनरेगा मजदूरों को 252 रुपये और मिस्त्री तक को 420 रुपये दिहाड़ी मिल रही है। उच्च शिक्षा विभाग में संबंधित कोर्स के अस्थायी प्रवक्ताओं को 250 रुपये प्रति पीरियड देने का प्रविधान है। विधायक यह बात भी मान रहे हैं कि ऐसे प्रवक्ताओं का मानदेय श्रमिक कामगारों से भी कम है।

कुमाऊं के सबसे बड़े एमबीपीजी कालेज ने स्ववित्तपोषित बीएड पाठ्यक्रम में विज्ञान और समाज विज्ञान के दो नितांत अस्थायी प्रवक्ता रखने को बीते दिनों विज्ञप्ति जारी की थी। 250 रुपये प्रति क्लास या 15 हजार रुपये मासिक मानदेय देने का उल्लेख किया था।

इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति पर सोमवार को भाजपा विधायकों और सांसद से भी राय जानी। जनप्रतिनिधियों ने फोन पर हुई बातचीत के दौरान नितांत अस्थायी प्रवक्ताओं के लिए तय मानदेय पर हैरानी जताई है। पुनर्विचार के लिए शासन स्तर पर विषय रखने की बात भी कही।

सांसद अजय भट्ट ने कहा कि बीएड में अस्थायी प्राध्यापकों के मानदेय का विषय संज्ञान में नहीं था। पीएचडी व नेट करके आने वाला शिक्षा के उच्च पैमाने में आते हैं। 250 रुपये प्रति पीरियड मानदेय तो कम है। हालांकि, पूर्व में जब भी व्यवस्था बनी हो तब तत्कालीन परिस्थितियों को देखा गया होगा। कई बार विषय सामने नहीं आते हैं, लेकिन हमारी सरकार हमेशा से ही जनभावनाओं के साथ रही है। पुराने आदेश रिवाइज भी होते है। जो उचित और नियम मे होगा सरकार जरूर करेगी। मैं स्वयं भी विषय रखूंगा।

कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने कहा कि स्ववित्तपोषित बीएड में अस्थायी प्रोफेसरों को 250 रुपये प्रति वादन में रखने का विषय उनके संज्ञान में नहीं था। केंद्र और राज्य सरकार युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। श्रमिकों से भी कम मानदेय पर अस्थायी प्राध्यापक रखे जाने का विषय शासन स्तर पर रखा जाएगा। जो उचित प्रयास होंगे किए जाएंगे।

कुआं विधायक डॉ मोहन सिंह बिष्ट ने माना कि स्नातक से पीएचडी करने तक विद्यार्थी को काफी संघर्ष करना पड़ता है। उसमें 250 रुपये प्रतिवादन मानदेय तो योग्यता के तो कम है। डॉ बिष्ट ने कहा कि एमबीपीजी कालेज की ओर से जारी विज्ञप्ति का विषय उनके संज्ञान में नहीं था। भाजपा सरकार जनहितों के अनुसार काम करती है। नियमानुसार पारिश्रमिक मिले यह बात रखी जाएगी।

भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने कहा कि मनरेगा श्रमिक का न्यूनतम मानदेय निर्धारित है। बीएड में अस्थायी प्रवक्ताओं को 250 रुपये प्रति वादन दिया जाना वर्तमान समय के अनुसार काफी कम है। समाज को मार्ग दिखाने वाले शिक्षकों को योग्यता अनुसार राशि मिलनी चाहिए। हमारी सरकार युवाओं के साथ हमेशा खड़ी रही है। संबंधित विषय सीएम और शिक्षा मंत्री के समक्ष रखेंगे।

गैरसैंण पुलिस ने दिल्ली से किया 15 लाख की धोखाधड़ी के आरोपी को अरेस्ट, एक साल से था फरार

गैरसैंण, एजेंसी। अपराध चाहे जितना भी बड़ा या पेचीदा हो, कानून के हाथ लंबे होते हैं, यह चमोली की गैरसैंण पुलिस ने साबित कर दिखाया है. 15 लाख रुपये की ठगी के मामले में एक साल से फरार चल रहे आरोपी को गैरसैंण पुलिस ने देश की राजधानी दिल्ली के सफदरजंग इलाके से गिरफ्तार किया.

गैरसैंण पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गैरसैंण निवासी मनवर सिंह ने थाना गैरसैंण में साल 2024 में एक लिखित तहरीर दी थी कि उन्हें तकनीकी जानकारी कम होने के कारण वह अक्सर अपने मोबाइल से रुपए ट्रांसफर करने के लिए सुरेंद्र सिंह पुत्र रघुवीर सिंह निवासी सारिंग गांव, बच्छुवाबाण, गैरसैंण को मोबाइल देते थे. वहीं जब उन्होंने अपनी पासबुक प्रिंट करवाई तो वह हैरान रह गए. पता चला कि सुरेंद्र सिंह ने उनके खाते से अलग-अलग खातों में करीब 15 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए थे.

शिकायत के आधार पर थाना गैरसैंण में पुलिस द्वारा विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई. मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही आरोपी सुरेंद्र सिंह लगातार फरार चल रहा था और अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए ठिकाने बदल रहा था. मामले को लेकर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश और गिरफ्तारी के लिए एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया.

पुलिस द्वारा बताया गया कि विभिन्न माध्यमों से जानकारी जुटाने और सर्विलांस की सहायता से आरोपी के संभावित ठिकानों का पता लगाना शुरू किया गया.

स्कूटी की डिकी में भरे मिले शराब के पव्वे और बोतलें

हल्द्वानी, एजेंसी। स्कूटी की डिकी में अंग्रेजी शराब के 50 पव्वे और पांच बोतलें भरकर ले जा रहे युवक को नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने पकड़ लिया। बाद में आबकारी विभाग के अफसरों को सौंप दिया। आबकारी एक्ट में मुकदमा दर्ज कराया है। शुक्रवार को नगर आयुक्त टीम के साथ नैनीताल रोड पर

निरीक्षण कर रही थीं। करीब चार बजे बाजार की ओर से स्कूटी लेकर आ रहा युवक नगर निगम की टीम को देख घबराकर लौटने लगा। नगर आयुक्त की नजर उस पर पड़ी तो रोक लिया। डिकी खुलवाई तो उसमें अंग्रेजी शराब के अलग अलग ब्रांड के पव्वे और बोतलें मिलीं। पूछताछ के दौरान युवक ने नगर आयुक्त को बताया कि वह मंगलपड़ाव के समीप स्थित दुकान से ये पव्वे और बोतलें लेकर आया था। उसे जजी के पास एक दुकान में देना था।

सीएचसी सेंटर की आड़ में चल रहा था साइबर फ्रॉड की राशि के लेनदेन का खेल

जसपुर, एजेंसी। सीएससी सेंटर की आड़ में साइबर फ्राड का पैसा ट्रांजेक्शन करने का खेल पकड़ गया। स्थानीय पुलिस की सहायता से चेन्नई की साइबर क्राइम टीम ने गैंग के दो सदस्यों को दबोचा लिया। दोनों युवक जसपुर के रहने वाले हैं।

इन्होने 1.50 प्रतिशत कमीशन के लालच में 12.43 लाख रुपये खाते से निकाल कर अन्य युवकों को नकद दे दिए। बदले में 18,645 रुपये का कमीशन प्राप्त कर लिया।

एसपी काशीपुर अभय सिंह ने बताया कि बीते दिनों चेन्नई (तमिलनाडु) की साइबर क्राइम की पांच सदस्य टीम डीएसपी विनयागामूर्ति के नेतृत्व में जसपुर आई थी।

टीम ने बताया कि मोहल्ला नई बस्ती चांद मस्जिद निवासी मोहम्मद वसीम (32) ने अपनी साली सानिया परवीन के एक्सिस बैंक खाते में इंटरनेशनल साइबर स्कैमर गैंग के सदस्यों के जरिये 12.43 लाख रुपये ट्रांसफर कराए थे।

वसीम मोहल्ले में ही सीएससी सेंटर चलाता है। उसने इन पैसों को साली के खाते से अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए और डेढ़ प्रतिशत कमीशन मोहम्मद दाउद एवं तरुण भारद्वाज को दे दिया। इन्होंने ने यह पैसा साइबर गैंग के अन्य सदस्य गोगा उर्फ गांधी, प्रियांशु अरोरा, नितिन अटवाल एवं मोनिस सैफी को दे दिए।

एसपी ने बताया कि वसीम, दाऊद और तरुण भारद्वाज ने पिछले कुछ महीनों में लगभग 50 से 60 लाख रुपये साइबर फ्राड के माध्यम से अलग-अलग कस्टमर के खाते से प्राप्त किए हैं।

उन्होंने बताया कि बीते दिन स्थानीय पुलिस की मदद से चेन्नई पुलिस ने आरोपित मो. वसीम एवं मो. दाऊद को गिरफ्तार किया और सोमवार को टीम उन्हें अपने साथ चेन्नई ले गई।

यह था मामला- डीएसपी विनयागामूर्ति ने बताया कि धानुश्री नामक एक महिला ने चेन्नई के इंजीनियर पीके पार्थसारथी को तमिल मेट्रोमोनियल साईट पर दोस्ती के जरिये प्रेम जाल में फंसाया था। उसने आनलाइन ट्रेडिंग में इनवेस्ट करने का लालच देकर इंजीनियर के 1.39 करोड़ रुपये साइबर फ्राड के माध्यम से अलग-अलग खातों में ट्रांस्फर कर लिए।

इस घटना के पीछे इंटरनेशनल साइबर स्कैमर गैंग का हाथ है। पीड़ित की ओर से साइबर पुलिस स्टेशन चेन्नई में बीएसएन की धारा 318(2),), 319(2) तथा 66 डीआईटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसी मामले की छानबीन के लिए चेन्नई पुलिस जसपुर आई थी।

वन नेशन-वन इलेक्शन से भारत बनेगा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, हरिद्वार पहुंचे पूर्व राष्ट्रपति

हरिद्वार, एजेंसी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने कहा कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' केवल एक चुनावी सुधार नहीं, बल्कि राष्ट्र की आर्थिक और प्रशासनिक क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाला परिवर्तनकारी कदम है। इस व्यवस्था के लागू होने से देश की विकास दर में तेजी से वृद्धि होगी और भारत निकट भविष्य में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित हो सकता है।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द सोमवार को हरिद्वार में कनखल स्थित हरिहर आश्रम में अपने दो दिवसीय प्रवास पर पहुंचे हैं। आश्रम में उन्होंने जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि से भेंटकर आशीर्वाद लिया और गंगा आरती में भी शामिल हुए।

इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनकी अध्यक्षता में गठित वन नेशन, वन इलेक्शन समिति

ने अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप दी है, जिसे सरकार ने स्वीकार कर लिया है। इस पर संसद में विधेयक भी लाया गया है और फिलहाल वह संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष विचाराधीन है। उन्हें विश्वास है कि जब यह व्यवस्था लागू होगी, तो देश की विकास दर में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, कि समिति की ओर से लिए गए आर्थिक विशेषज्ञों के मतानुसार, इस नीति के लागू होने से भारत की जीडीपी में 1 से 1.5 प्रतिशत की वृद्धि संभव है। अभी हाल में ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि भारत अब विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और उसने जापान को पीछे छोड़ दिया है। हमसे आगे अब केवल अमेरिका, चीन और जर्मनी हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आने वाले दो वर्षों में भारत तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने कहा कि देश को उनके रूप में एक निष्ठावान, कर्मठ और दूरदर्शी नेता मिला है, जो 24 घंटे राष्ट्र की सेवा में तत्पर रहते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री की दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना भी की।

वेतन वृद्धि के एरियर, पेंशन और ग्रेज्युटी का 90 दिन के अंदर भुगतान, अधिकरण का कृषि विभाग को आदेश

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड लोक सेवा अधिकरण ने कृषि विभाग के एक सेवानिवृत्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की वेतन और पेंशन पुनः निर्धारण से संबंधित याचिका को स्वीकार करते उसे करीब 40 वर्ष की सेवा के दौरान की वेतन वृद्धि के एरियर, पेंशन और ग्रेज्युटी का भुगतान 3 माह के भीतर ब्याज सहित करने के निर्देश दिए हैं. अधिकरण ने इस कर्मचारी के प्रत्यावेदन को निरस्त करने संबंधी प्रमुख सचिव कृषि के 9 नवंबर 2022 के आदेश को रद्द कर दिया है.

याचिकाकर्ता चंद्र शेखर जोशी, जो कृषि विभाग में 1964 से 2005 तक चतुर्थ श्रेणी पद में सेवा में रहे, ने दावा किया था कि 1965 में उनके वेतन निर्धारण में त्रुटि हुई थी. उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी मूल वेतन वृद्धि 74 रुपए के स्थान पर 69 रुपए की गई. जिससे उन्हें जीवन भर कम वेतन और पेंशन मिली. जोशी ने आरटीआई के माध्यम से 2010 में तथ्यों की जानकारी प्राप्त की और सालों बाद 2022 में औपचारिक प्रतिनिधित्व किया. अधिकारियों द्वारा गठित समिति ने उनके दावे को खारिज कर दिया. जिसे उन्होंने ट्रिब्यूनल में चुनौती दी.

न्यायिक पीठ उपाध्यक्ष (न्यायिक) राजेंद्र सिंह और उपाध्यक्ष (प्रशासनिक) एएस रावत की खंडपीठ में विभाग की ओर से कहा गया कि, याचिकाकर्ता ने सेवा के दौरान कभी भी वेतन विसंगति पर आपत्ति नहीं जताई और दशकों बाद उठाया गया मुद्दा प्रस्तावना की सीमा से परे है.

दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद अधिकरण ने माना कि चपरासी के पद पर प्रारंभिक वेतनमान 27-1/2-32 रुपए स्वीकार्य वेतनमान होना चाहिए. उसके बाद पदोन्नति और वेतनमान के संशोधन के प्रत्येक चरण और समयमान आदि प्रदान किए जाने पर वेतन निर्धारण किया जाना चाहिए. इसलिए विभाग को प्रत्येक चरण पर स्वीकार्य वेतन की पुनर्गणना करनी होगी और तदनुसार सेवानिवृत्ति के समय अंतिम वेतन पर पहुंचना होगा.

यदि प्रारंभिक नियुक्ति से सेवानिवृत्ति तक प्रत्येक चरण पर वेतन में अंतर है, तो याचिकाकर्ता को अंतर राशि का भुगतान किया जाना होगा. अधिकरण ने प्रमुख सचिव कृषि का नवंबर 2022 का आदेश निरस्त करते हुए प्रतिवादियों को निर्देश दिया है कि वे संपूर्ण सेवा अवधि के लिए विभिन्न चरणों के वेतनमान का पुनर्निर्धारण करें और निर्णय की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत किए जाने पर याचिकाकर्ता को अंतर राशि का भुगतान तीन माह के भीतर करें.

सीएम धामी ने 10 हजार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का रखा लक्ष्य : मेयर

रुद्रपुर, एजेंसी। नगर निगम की ओर से गांधी पार्क के पास संचालित नगर आजीविका केंद्र में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 15 दिवसीय प्रशिक्षण चल रहा है। इसमें महिलाएं जूट के बैग, ऐपण कला, गुलदस्ता बनाना सीख रही हैं।

मेयर विकास शर्मा व नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल ने शुक्रवार को इसका शुभारंभ किया। उन्होंने केंद्र में व्यवस्थाओं का जायजा लिया और महिलाओं की उत्पादित वस्तुओं को भी देखा। मेयर शर्मा ने कहा कि सीएम धामी ने 10 हजार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा है।

उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यू कॉस्ट) की ओर से साई इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल डेवलपमेंट के सहयोग से नगर निगम के आजीविका केंद्र में जूट के बैग, ऐपण कला, गुलदस्ता बनाने सहित अन्य स्वरोजगार आधारित 15 दिवसीय प्रशिक्षण चलाए जा रहे हैं। इनमें 20-20 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इसमें तकनीकी प्रशिक्षण के साथ ही व्यावहारिक ज्ञान व उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। वहां उपनगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडेय, यूकॉस्ट एवं साई इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष संजीव भटनागर, ममता आर्य, रेनू शर्मा, रंजना सक्सेना, ममता, निर्मला, उमा सकलानी, दीपा आदि रहीं।

पनार नदी में डूबने से जैंती के किशोर की मौत, चार साथियों के साथ गया था नहाने

अल्मोड़ा, एजेंसी। चार दोस्तों के साथ एक किशोर पनार नदी में नहाने गया था। इस दौरान नदी के तेज भंवर में फंस गया और डूबकर उसकी जान चली गई।

स्थानीय पनार नदी में चार साथियों के संग नहाने गए किशोर की नदी में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरा। इसके बाद शव को मोर्चरी में रखवा दिया।

तहसील मुख्यालय जैंती के निकटवर्ती कुटौली निवासी ललित कुमार, दीपक कुमार, महेंद्र कुमार, संजय कुमार गांव के ही योगेश सिंह की आल्टो कार को बुक कर सोमवार को दोपहर 12 बजे नहाने के लिए स्थानीय पनार नदी के लिए रवाना हुए। पनार पुल के पास कार खड़ी कर चारों पुल से लगभग 100 मीटर नीचे गहरे तालाब में नहाने उतरे। नहाने के दौरान संजय कुमार (17) नदी के भंवर में फंस गया। संजय काफी देर तक बाहर नहीं निकला तो साथी बचाओ-बचाओ की आवाज देकर मदद की गुहार लगाने लगे। इसी बीच वहां से स्थानीय निवासी कमलेश राणा अपने घर की ओर जा रहे थे। उनकी मदद की गुहार सुनकर वह नदी में उतर गए, लेकिन वह भी किशोर को बचा नहीं पाए। कमलेश राणा ने घटना की जानकारी तत्काल जैंती स्थित पुलिस चौकी में दी। सूचना मिलने के तुरंत बाद चौकी प्रभारी दिनेश परिहार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों की मदद से भंवर में फंसे युवक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरा। इसके बाद शव को मोर्चरी में रखवा दिया।

कमलेश राणा ने घटना की जानकारी कुटौली के पूर्व प्रधान बची सिंह बिष्ट को दी। बची सिंह ने परिजनों को सूचना दी तो परिवार में कोहराम मच गया। बची सिंह परिजनों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे।युवक के नदी में डूबने से मौत की खबर गांव में फैलने से वहां मातम पसर गया।

भाजपा के चार इंजनों ने मात्र 100 दिनों में दिल्लीवालों का बुरा हाल कर दिया : केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, दिल्ली में चार इंजन की भाजपा सरकार से दिल्लीवाले महज 100 दिन में ही परेशान हो गए हैं। केजरीवाल सरकार में कभी बिजली के बिल नहीं आते थे, लेकिन अब बिल आने लगे हैं। कभी बिजली कटौती नहीं होती थी, अब घंटों पावर कट लग रहे हैं, लोगों को पानी की कमी नहीं होती थी, लेकिन अब पानी के लिए रात-रात भर इंतजार करना पड़ रहा है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को दिल्लीवालों की इस पीड़ा को बताता एक वीडियो को एक्स पर साझा किया और चंद दिनों में ही दिल्लीवालों की भारी दुर्दशा पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि इनके चार इंजनों ने मात्र 100 दिनों में ही दिल्लीवालों का क्या हाल कर दिया? अरविंद केजरीवाल ने दिल्लीवालों से इस वीडियो को खूब शेयर करने की अपील भी की है। उधर, आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक बड़े अखबार में इन्वर्टर खरीदने को प्रोत्साहित करने वाले छपे पूरे पेज के विज्ञापन को एक्स पर साझा किया और भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने एक्स पर कहा कि मुबारक हो दिल्ली। चार इंजन की सरकार का चमत्कार देखिए, जहां इन्वर्टर की दुकानें बंद हो गई थीं, अब उस दिल्ली में का इन्वर्टर फुल पेज विज्ञापन छप रहा है। अरविंद केजरीवाल द्वारा एक्स पर साझा की गई वीडियो में दिल्लीवाले कह रहे हैं कि आम आदमी पार्टी की सरकार में कभी उनके बिजली का बिल नहीं आता था, लेकिन भाजपा की सरकार बनने के बाद से बिजली के बिल आने लगे हैं। भाजपा सरकार ने बिजली की कीमतें भी बढ़ा दी है। पिछले एक महीने से पानी की किल्लत से परेशान हैं। पानी ही नहीं आ रहा है। सिर्फ आधे घंटे पानी आता है। सबको पानी नहीं मिल पाता है। आप सरकार के दौरान हमेशा पानी आता था। अब पानी की बहुत ज्यादा दिक्कत हो रही है। भाजपा की सरकार बनने के बाद से दिल्ली के लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है। दिल्ली की महिलाओं का कहना है कि भाजपा के सारे वादे झूठे हैं। वह अपना एक भी वादा पूरा नहीं करेगी। भाजपा सरकार से उनको अब कोई उम्मीद नहीं है। हम तो यही चाहते हैं कि हमारा अरविंद केजरीवाल वापस आ जाए। अरविंद केजरीवाल की सरकार में बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की कोई दिक्कत नहीं थी। अब तो पानी के इंतजार में दिन-रात बैठना पड़ता है। अब गर्मी है, लोगों को ज्यादा पानी चाहिए। एक घंटा भी सही से पानी नहीं आता है। लोग रात-रात भी पानी के इंतजार में बैठे रहते हैं और जब पानी आता है तो पहले पानी भरने की होड़ में लोग आपस में झगड़े तक कर लेते हैं। एक महिला का कहना है कि पिछले महीने उसके बिजली का बिल 800 रुपए और इस महीने 600 रुपए का आया है, जबकि पहले नहीं आता था। भाजपा ने 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा किया था, लेकिन एक यूनिट मुफ्त नहीं दे रही है। मोदी जी ने गरीबी हटाओ नहीं, बल्कि गरीबों को हटाने को बोला था और अब वो गरीबों को हटा रहे हैं। महिलाओं ने कहा कि चुनाव के समय वोट मांगने के लिए भाजपा नेताओं से पूरी गली भरी रहती है। खूब वादे करते हैं, लेकिन कुछ नहीं करते हैं। जब अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने खूब काम किया। सड़कें बनवाई, नाली बनवाया, पानी की कभी कमी नहीं हुई, लेकिन आज पानी खरीद कर पी रहे हैं। सिलेंडर में भी पैसे बढ़ गए।

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश, चार गिरफ्तार

दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

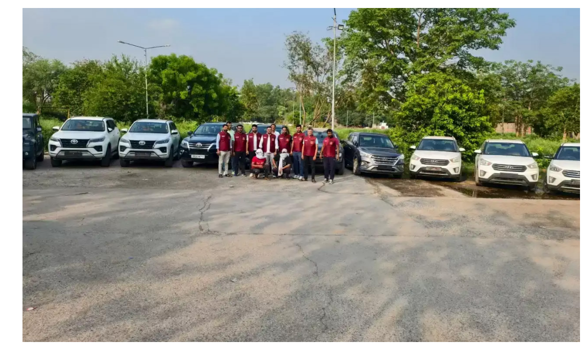

नई दिल्ली,। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन और किडनैपिंग सेल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। इस ऑपरेशन के तहत पंजाब से चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है, जो देशभर में चोरी की गई लग्जरी कारों को खरीदकर उन्हें फर्जी दस्तावेजों के सहारे पंजाब में बेचते थे। पुलिस ने आरोपितों के पास से कुल 21 महंगी लग्जरी कारें बरामद की हैं। जिनमें टोयोटा फॉर्च्यूनर, महिंद्रा थार, किया, क्रेटा और अन्य गाड़ियां शामिल हैं। क्राइम ब्रांच की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम को 7 मई को सूचना मिली थी कि आरोपित अवतार सिंह उर्फ सनी अरोड़ा अपने साथी हरप्रीत सिंह उर्फ हनी के साथ चोरी की गई मारुति बलेनो कार में डीएनडी फ्लाईओवर के रास्ते पंजाब जा रहा है। पुलिस ने जाल बिछाकर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया। गाड़ी की जांच करने पर पाया गया कि उस पर नकली नंबर प्लेट लगी थी और रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट भी फर्जी था। मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि वे दिल्ली और आसपास के इलाकों से चोरी की गई लग्जरी कारों को पंजाब लाकर बेचते हैं। कारों की चेसिस और इंजन नंबर में हेराफेरी कर फर्जी आरसी तैयार की जाती थी। इन कारों को ये लोग 4 से 5 लाख में खरीदते और कई गुना कीमत पर आगे बेचते थे। उनकी निशानदेही पर अमृतसर, तरनतारण, लुधियाना और फिरोजपुर में छापेमारी कर दो और आरोपित परमदीप उर्फ लोटे और मनप्रीत को गिरफ्तार किया गया। डीसीपी के अनुसार गिरफ्तार आरोपित अवतार सिंह उर्फ सनी अरोड़ा (40) अमृतसर का रहने वाला है। वह पहले प्रॉपर्टी डीलर और अब सब्जी बेचता है। वह वाहन चोरी के चार मामलों में शामिल रहा है। वहीं हरप्रीत सिंह उर्फ हनी (32) बीसीए डिग्रीधारी है। इसी क्रम में परमदीप (42) लुधियाना का रहने वाला है। वह पहले ऑटो पार्ट्स फैक्ट्री मालिक था। वहीं मनप्रीत उर्फ बाऊ (29) फिरोजपुर का रहने वाला है। डीसीपी के अनुसार बरामद बरामद 21 गाड़ियों में मारुति बलेनो, ह्युंडई क्रेटा, किया, महिंद्रा थार, टोयोटा फॉर्च्यूनर, मारुति स्विफ्ट, ब्रेजा और अन्य वाहन शामिल हैं। इन वाहनों में से कुछ हरियाणा और उप्र से भी चोरी की गई थीं।

संक्षिप्त खबरें

चावड़ी बाजार में कांग्रेस नेताओं का दौरा

नई दिल्ली,। कांग्रेस नेताओं ने मंगलवार को चावड़ी बाजार का दौरा किया। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव सहित दिल्ली कांग्रेस के प्रभारी काजी निजामुद्दीन और अन्य स्थानीय नेता मौजूद रहे। इस मौके पर नागरिकों ने उनके सामने सड़क, सफाई, सीवर, जल निकासी और बाजार की बदहाल व्यवस्था को लेकर चिंता जताई। दुकानदारों और निवासियों ने कहा कि चावड़ी बाजार, जो दिल्ली की सबसे पुरानी व्यावसायिक जगहों में से एक है, वहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। पूर्व पार्षद अशोक जैन ने कहा कि इलाके की हालत सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि हमने दिल्ली के हर इलाके में जाकर जनता की बात सुनी है। आने वाले समय में कांग्रेस एक स्पष्ट रोडमैप लेकर जनता के सामने आएगी, जिसमें स्थानीय समस्याओं का स्थायी समाधान शामिल होगा।

हिट एवं ड्रैग मामले में आरोपी को जमानत

नई दिल्ली,। तीस हजारी अदालत ने नांगलोई क्षेत्र में वर्ष 2024 में हुए हिट एवं ड्रैग मामले के आरोपी को जमानत दे दी है। मामले में नांगलोई थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोपी को 29 सितंबर, 2024 को गिरफ्तार किया गया था। घटना में दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल संदीप मलिक की मृत्यु हो गई थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हमेराज की अदालत ने मामले की दलीलों और तथ्यों पर विचार करने के बाद आरोपी रजनीश उर्फ सिट्टो को जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि जांच अधिकारी ने उसे गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए, जिससे उसकी गिरफ्तारी अवैध हो गई। अदालत ने आरोपी को एक लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के दो जमानतदारों के साथ जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। बचाव पक्ष की दलील और अभियोजन का विरोध रजनीश की ओर से पेश हुए अधिवक्ता आशुतोष भारद्वाज ने दलील दी कि उनका मुवक्किल पिछले साढ़े सात महीने से न्यायिक हिरासत में है। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपपत्र पहले ही दाखिल किया जा चुका है और सह-आरोपी धर्मेंद्र को 19 मई को जमानत मिल गई थी। उन्होंने आगे दलील दी कि यह एक सड़क दुर्घटना का मामला था, जो सीसीटीवी फुटेज से स्पष्ट है।

नौकरी जाने पर करने लगा ठगी का काम, आरोपी असम से गिरफ्तार

नई दिल्ली,। पूर्वी जिले के साइबर थाना पुलिस ने इंस्टाग्राम के जरिये ठगी करने वाले ठग को असम से गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान हिजबुल बारी के रूप में हुई है। पुलिस को जांच में पता चला है ठग ने चार से पांच लोगों के साथ ठगी की वारदात की है। आरोपित 15 से 25 हजार रुपये ठगता था। उसे लगता था इतनी रकम की ठगी छोटी होती है, पीड़ित इतनी रकम को लेकर पुलिस के पास नहीं जाएंगे। जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि मयूर विहार फेज-एक में रहने वाली कौसर जहा ने पुलिस को ठगी की शिकायत दी। पीड़िता ने बताया कि वह इंस्टाग्राम का इस्तेमाल करती है। उसे इंस्टाग्राम पर महंगे कपड़ों के ब्रांड का एक पेज मिला। उसने कपड़े बुक कर लिए। कंपनी के एक कर्मचारी ने पीड़िता को कॉल करके कहा ऑनलाइन 11.5 हजार रुपये मंगवा लिए। तय समय पर डिलीवरी नहीं हुई तो महिला ने उस नंबर पर संपर्क किया तो फोन बंद था। पीड़िता को ठगी का एहसास होने पर उसने ठगी का केस दर्ज करवाया। एसआइ तलविंदर की देखरेख हेड कॉन्स्टेबल राहुल की एक टीम बनाई। मोबाइल नंबर व जिस खाते में ठगी की रकम गई थी, उनकी जांच करते हुए पुलिस असम में ठग तक जा पहुंची। आरोपित ने पुलिस को बताया कि वह वह जियो स्टोर में नौकरी करता था।

गोरक्षपीठाधीश्वर परम पूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज के जन्मदिवस पर प्रदेशों को सेवाकार्य निर्देशन राष्ट्रीय संगठन महामंत्री योगी तेजपाल सिंह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली। विश्व हिन्दू महासंघ भारत दिल्ली प्रदेश के सह सचिव (सोशल मीडिया प्रकोष्ठ) श्री संतोष मिश्रा जी ने बताया कि विश्व हिंदू महासंघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष कालका पीठाधीश्वर महंत सुरेन्द्रनाथ अवधूत महाराज के निर्देशन में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री योगी तेजपाल सिंह ने गोरक्षा प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश के प्रदेश मिडिया प्रभारी दीपक त्रिपाठी को दिए वर्चुअल साक्षात्कार में। गोरक्षपीठाधीश्वर परम-पूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज के जन्मदिवस पर प्रदेशों को सेवाकार्य निर्देशन जारी किया है। उन्होंने बताया कि गोरक्षपीठाधीश्वर परम-पूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज के जन्मदिवस 05 जून 2025 के पावन अवसर पर विश्व हिंदू महासंघ भारत संगठन की ओर से उन्हें सच्ची श्रद्धा और शुभकामनाएँ अर्पित करते हुए हमें समाजसेवा के माध्यम से इस दिन को विशेष बनाना है। इस उपलक्ष्य में आपसे आग्रह है कि आप अपने-अपने प्रदेशों में निम्नलिखित सेवाकार्य योजनाबद्ध रूप से आयोजित करें। सामूहिक सुंदरकांड पाठ से आध्यात्मिक ऊर्जा और राष्ट्रकल्याण की भावना उपदेशित करें। रक्तदान शिविर से जरूरतमंदों को जीवनदान देने की पुनीत पहल करें। जल वितरण से गर्मी के मौसम में प्यासों की सेवा करें। भंडारा सेवा से भूखों को अन्नदान कर पुण्य अर्जित करें। आदि सेवा कार्य से स्थानीय जरूरतों के अनुसार अन्य सेवाएं जैसे पौधारोपण, चिकित्सा शिविर आदि पूर्ण करें। उन्होंने बताया कि सेवा ही सच्चा जन्मदिन उत्सव है, और जनकल्याण ही सच्चा सम्मान है। उन्होंने कहा कि निवेदन है कि इन कार्यक्रमों की जानकारी विश्व हिंदू महासंघ भारत राष्ट्रीय संगठन महामंत्री योगी तेजपाल सिंह तथा राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी/राष्ट्रीय प्रवक्ता विक्रम गोस्वामी को 30/05/2025 तक सूचित कर दें ताकि संगठन स्तर पर इसका समुचित संकलन किया जा सके। धर्म, राष्ट्र और सेवा ही हमारा पथ है और गोरक्षपीठाधीश्वर परम-पूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज हमारे प्रेरणास्तंभ हैं।

भारत की आत्मनिर्भरता के लिए वोकल फॉर लोकल को दें बढ़ावा : सुनील सिंघी

- राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड चेयरमैन सुनील सिंघी संग व्यापारियों ने ली वोकल फॉर लोकल को बढ़ाने की शपथ
- व्यापारी व आम जन का संकल्प ही बन सकता है भारत की तरक्की का सबसे बेहतर विकल्प : सुनील सिंघी
- मोदी जी के स्वच्छता मिशन को सार्थक करने हेतु सरकार की टीम में लिए जाएं इसी क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोग : राजीव शर्मा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

पूर्वी दिल्ली : ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले हालातों से निपटने में व्यापारियों और आम जनमानस की भूमिका को लेकर दिल्ली की विभिन्न इंडस्ट्रीज एवं मार्किट एसोसिएशन द्वारा पूर्वी दिल्ली के आई पी एक्सटेंशन स्थित आईपैक्स भवन में शपथ वोकल फॉर लोकल कार्यक्रम का आयोजन किया किया गया । हालांकि इस कार्यक्रम के संयोजन में फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल की अहम भूमिका रही । व्यापारियों के इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के चेयरमैन सुनील सिंघी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। इस मौके पर व्यापार मंडल के राष्ट्रीय महामंत्री आर के गौड़ , राष्ट्रीय प्रवक्ता सी ए राजेश्वर पैन्यूली, दिल्ली स्टेट महामंत्री राजीव शर्मा , कपिल कंसल , व्यापारी नेता सुरेश बिंदल , राजकुमार बिंदल , नीरज शर्मा व राजू सचदेवा (निगम पार्षद) सहित काफी संख्या में अन्य व्यापारी , इंडस्ट्रलिस्ट और मार्किट एसोसिएशनो के लोग मौजूद रहे । इस अवसर पर उपस्थित सभी व्यापारियों व अन्य लोगों को वोकल फॉर लोकल ह्ल को बढ़ावा देने की शपथ दिलाते हुए राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन सुनील सिंघी ने कहा कि व्यापारी व आम जन का संकल्प ही बन सकता है भारत की तरक्की का सबसे बेहतर विकल्प , अतः भारत की आत्मनिर्भरता के लिए सभी वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा दें । आतंकवाद समर्थक तुर्की , पाकिस्तान व अजरबैजान जैसे देशों के उत्पादों का बहिष्कार करें और भारतीय व्यापार को प्रोत्साहन दें सुनील सिंघी ने इस मौके पर यह भी कहा कि वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में यह स्पष्ट हो चुका है कि साथ-साथ नहीं चल सकते । वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सशक्त नेतृत्व में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब आतंक के विरुद्ध केवल बोलता नहीं, बल्कि निर्णायक कदम भी उठाने कि क्षमता रखता है। अब समय आ गया है कि हम अन्य देशों से व्यापारिक संबंधों पर विराम लगाएं, और उनके स्थान पर अंतर-राज्यीय व्यापार को बढ़ावा दें इस मौके पर फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के दिल्ली प्रदेश महामंत्री राजीव शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने मन की बात के 122 वें एपिसोड में वेस्ट रीकवर्ड पेपर की अनुपयोगिता के कारण बढ़ते कूड़े के संदर्भ में चिंता व्यक्त करी और इस समस्या का समाधान करने में जुटे व्यवसायियों की सराहना भी करी ।

दिल्ली सरकार देगी 125 सिख दंगा पीड़ितों को सरकारी नौकरी, 19 को बांटे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने 1984 के सिख दंगों के 125 पीड़ितों को सरकारी नौकरी देने जा रही है। इनमें से 19 लोगों को आज दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे। नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने सिख पीड़ितों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि 1984 के दंगों के पीड़ितो को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने कभी भी अधिकार नहीं दिए। पिछली सरकारों ने पीड़ितों को किसी प्रकार का सहयोग नहीं दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कारण ही पीड़ित सिखों को सहायता राशि भी मिल पायी है। गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार पीड़ित सिख परिवारों के साथ खड़ी है। दिल्ली सरकार पीड़ित सिख परिवारों के 125 सदस्यों को नौकरियां देने जा रही है। वहीं कोविड-19 की स्थिति और तैयारियों पर रेखा गुप्ता ने कहा कि तत्काल कोई चिंताजनक स्थिति नहीं है। कोविड-19 के नए वेरिएंट में अभी तक सिर्फ खासी, जुखाम जैसा एक मौसमी वायरस ही सामने आया है। दिल्ली के लोगों को चिंता करने की कोई जरुरत नहीं है। गुप्ता ने कहा कि सरकार ने अस्पतालों को एक स्वास्थ्य सलाह भेजी है। जिसमें उन्हें किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा गया है। यह सिर्फ एक एहतियाती कदम है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना
(ई–टेंडरिंग द्वारा)

निविदा संख्या: 558-Sig-16-M-TENDER-1435 दिनांक : 26.05.2025

कार्य का नाम तथा स्थान	प्रोविजन ऑफ डुअल डिटेक्शन फॉर ऑटोमैटिक सेक्शन इन बिटविन SZM-SNP एंड PNP-BBDE सेक्शन।
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	Rs. 2,06,83,803.81/-
धरोहर राशि (₹)	Rs. 2,53,400/-
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता–C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055
निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय	निविदा प्रपत्र अपलोड करने का समय 26.05.2025 / निविदा खुलने का दिनांक 17.06.2025 15:00 बजे तक
वेब साइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है	उत्तर रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें या देखें नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055

1558/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा (ई–प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में ई–निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम	सहायक मंडल अभियंता/नई दिल्ली के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/कार्य/आनंद विहार के अनुभाग में आनंद विहार में सेवा भवन, स्टेशन भवन की मरम्मत के लिए पीई 30.06.2026 के लिए जोन कार्य।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	₹ 98,86,288.14 (रुपये अट्ठानवे लाख छियासी हजार दो सौ अठासी और चौदह पैसे मात्र)।
3	बयाना राशि (रुपये)	₹ 1,97,700/– (रुपये एक लाख सत्तानवे हज़ार सात सौ मात्र)।
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	₹ 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	18.06.2025 को 15:00 बजे तक।
6	वेबसाइट विवरण जहाँ निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।
7	आवंटन	04-400-32

• ठेकेदारों को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं.: 128–W/280/ई–निविदा सूचना/10–2025–26/W–3 दिनांक: 26.05.2025
1554/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अवैध रूप से रह रहे 92 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, 12 साल से कर रहे थे ये काम

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 92 बांग्लादेशी नागरिकों को मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। इस कार्रवाई के बाद जिले में 26 दिसंबर 2024 से अब तक हिरासत में लिए गए बांग्लादेशी नागरिकों की कुल संख्या 142 हो गई है। दक्षिण-पश्चिम जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों का पता लगाने और उन्हें हिरासत में लेने के लिए 10 दिवसीय विशेष अभियान शुरू किया गया था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) सुरेंद्र चौधरी के मुताबिक, स्थानीय मुखबिरों की मदद से खुफिया सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए और कई संवेदनशील इलाकों में घर-घर जाकर लोगों का सत्यापन किया गया। अभियान के दौरान सरोजिनी नगर, किशनगढ़, सफदरजंग एनक्लेव, वसंत कुंज (उत्तर और दक्षिण), कापसहेड़ा, पालम गांव, दिल्ली छावनी और सागरपुर जैसे इलाकों से 88 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि हिरासत में लिए गए बांग्लादेशी नागरिक भारत में रहने के संबंध में कोई वैध दस्तावेज पेश करने में विफल रहे। साथ ही कईयों के पास उनके बांग्लादेशी नागरिक होने के दस्तावेज पाए गए। उनके दावों को सत्यापित किया गया और अवैध रूप से रहने की बात स्थापित होने पर उन्हें आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए हिरासत में ले लिया गया है। इन लोगों ने अवैध मार्गों से भारत में प्रवेश करने की बात स्वीकार की है। जिनमें कुछ ने भारत-बांग्लादेश सीमा को नदियों के रास्ते जबकि अन्य ने सीमा पर बाड़बंदी के बीच अंतराल के माध्यम से घुसपैठ की बात स्वीकारी है। गौरतलब है कि अधिकांश कई वर्षों से दिल्ली में रह रहकर दिहाड़ी मजदूर और घरेलू सहायक के रूप में काम करते थे। वहीं, एक अलग पुलिस अभियान में दिल्ली छावनी क्षेत्र से पुलिस ने एक बांग्लादेशी दंपति और उसके दो बच्चों को गिरफ्तार किया। मामले में डीसीपी ने कहा कि उनकी पहचान मोहम्मद असद अली (44), उसकी पत्नी नसीमा बेगम (40), बेटे मोहम्मद नईम खान (18) और बेटी आशा मोनी (13) के रूप में हुई है। यह परिवार पिछले 12 सालों से दिल्ली छावनी क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहा था। बता दें कि दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने पिछले साल दिसंबर से अब तक 142 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है।

बेटी के कैंसर के इलाज के लिए पिता बना सेंधमार

नेताजी सुभाष प्लेस पुलिस ने किया गिरफ्तार, लाखों के गहने बरामद

नई दिल्ली,। उत्तरी-पश्चिमी जिले की सुभाष प्लेस थाना पुलिस ने एक सेंधमार को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से पुलिस ने एक लैपटॉप, एक कैमरा, दो मोबाइल फोन, पांच एटीएम कार्ड, दो चार्जर और 4,500 रुपये बरामद किए हैं। आरोपी की पहचान ई-ब्लॉक, शकूरपुर निवासी मनोज चौहान के रूप में हुई है। उसकी गिरफ्तारी से सेंधमारी के दो मामलों का खुलासा हुआ है। उत्तरी पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि 21 मई को इलाके में चोरी की शिकायत मिली। शिकायतकर्ता गुलाबी बाग के संजय नगर निवासी मनीष कांगड़ा ने बताया कि पीतमपुरा इलाके में स्थित एक निजी कंपनी में वह बतौर मैनेजर के पद पर कार्यरत है। वह शाम के समय करीब 7 बजे कार्यालय बंद कर घर आ गए थे। अगली सुबह वह करीब 9 बजे कार्यालय पहुंचे। उन्होंने देखा कि उसके कार्यालय का पिछला दरवाजा टूटा हुआ है। कार्यालय से कीमती सामान गायब है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करने के बाद सेंधमारी का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने मुखबिरों की सूचना पर पुलिस ने रविवार को शकूरपुर इलाके में दबिश देकर मनोज को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने वारदात में शामिल होने की बात कबूल कर ली। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर लाखों रुपये के कीमती सामान बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने एक और सेंधमारी की वारदात को अंजाम देने की बात कबूल कर ली। बेटी के कैंसर के इलाज के नहीं थे पैसे उसने बताया कि वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश, जिला चंदौली का रहने वाला है।

12 साल से अवैध रूप से रह रहे चार बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली,। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की एएटीएस टीम ने पिछले 12 साल से अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी परिवार को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में मोहम्मद असद अली उसकी पत्नी नसीमा बेगम, बेटा मोहम्मद नईम खान और बेटी आशा मोनी शामिल हैं। आरोपियों के पास से पुलिस ने बांग्लादेशी पहचान दस्तावेज बरामद किए गए। पुलिस ने सभी कोडल औपचारिकताओं के बाद चारों को उनके देश भेजने के लिए निर्वासन केंद्र में भेज दिया गया। पुलिस उपायुक्त सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि इंस्पेक्टर राम कुमार की टीम अवैध रूप से जिले में रह रहे अवैध प्रवासियों का डाटा तैयार कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम को पता चला कि एक परिवार पिछले 12 साल से अवैध रूप से दिल्ली कैंट इलाके में रहता है।पुलिस ने सूचना को पुख्ता करने के बाद इलाके में तलाशी अभियान चलाया और मोहम्मद असद अली के परिवार को ढूंढ निकाला। मोहम्मद असद अली ने शुरूआती पूछताछ में खुद को बंगाली बताया कि लेकिन वह बंगाल के पहचान संबंधित दस्तावेज नहीं दिखा सका। तलाशी लेने पर आरोपियों के पास से बांग्लादेशी नागरिका के दास्तावेज बरामद किए गए। जिससे पता चला कि मोहम्मद असद अली और उसका परिवार फारूक बाजार अजवातारी, पी.ओ. गोंगरहाट, फुलबारी कुरीग्राम, बांग्लादेश का रहने वाला है। पुलिस टीम ने जरूरी कार्रवाई के बाद आरोपियों को बांग्लादेश वापस भेजने के लिए निर्वासन केंद्र भेज दिया गया है।

CATVISION LIMITED

(CIN: L92111DL1985PLC021374)
Regd Office: H-17/202, 2nd Floor, Vikas Marg, Delhi-110092
Website: www.catvisionindia.com
E-mail: catvision@catvisionindia.com
Toll Free No: 7669300112, 18001037032

STATEMENT OF AUDITED STANDALONE AND CONSOLIDATED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND YEAR ENDED MARCH 31, 2025

The Board of Directors of the Company, at their Meeting held on 27th May 2025, approved the Audited Standalone and Consolidated Financial Results of the Company for the quarter and year ended 31st March 2025.

The results, along with the Auditors' Report, have been posted on the Company's website at www.catvisionindia.com and can be accessed by scanning the QR code

Place: Noida
Date: May 28, 2025

For Catvision Limited
Sd/-
Syed Athar Abbas
Managing Director
DIN: 00770259

Note:
1. The above intimation is in accordance with Regulation 33 read with Regulation 47(1) of the SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015

जमानत के बदले काश घोटाला: कोर्ट कर्मचारी को जमानत देने से इनकार, जानें दिल्ली हाई कोर्ट ने मामले में क्या कहा

अलहमद मुकेश कुमार ने कहा - विशेष न्यायाधीश को फंसाने की साजिश है

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) की ओर से दर्ज रिश्वतखोरी मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने अलहमद (कोर्ट कर्मचारी) मुकेश कुमार को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण की मांग को ठुकराते हुए न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने कहा कि बहुत ही गंभीर आरोप हैं और साक्ष्य रिकार्ड में आ चुके हैं। पीठ ने कहा कि हमारे अपने स्टाफ का एक व्यक्ति ऐसे आरोप में हो, यह बहुत गंभीर बात है। अदालत ने अग्रिम जमानत याचिका पर एसीबी को नोटिस जारी कर स्थिति रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया। अलहमद ने कहा- विशेष न्यायाधीश को फंसाने की साजिश है राउज एवेन्यू कोर्ट से एक विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) को उत्तर-पश्चिम, रोहिणी में स्थानांतरित कर दिया गया। मुकेश कुमार ने न्यायाधीश को फंसाने की साजिश का आरोप लगाया है। अदालत ने मामले की सुनवाई 29 मई के लिए स्थगित कर दी। इसी तारीख पर मुकेश कुमार की प्राथमिकी को रद करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई है। जिस एसीबी अधिकारी के खिलाफ दी थी शिकायत, उसे ही दी जांचः वकील मुकेश कुमार की तरफ से पेश हुए वकील मोहित माथुर और मनिंदर सिंह ने कहा कि जिस एसीबी अधिकारी के खिलाफ मुकेश कुमार ने जनवरी में शिकायत की थी, उसे ही मामले में जांच अधिकारी बनाया गया है। वकीलों ने कहा, ऐसे में निष्पक्षता की उम्मीद कैसे की जा सकती है। दिल्ली पुलिस की तरफ की तरफ से पेश अतिरिक्त स्थायी वकील संजय भंडारी ने कहा कि मुकेश कुमार रिश्वतखोरी में सीधे तौर पर शामिल था। मोहित माथुर ने तर्क दिया कि मुकेश कुमार फरवरी से कम से कम सात बार जांच में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि कई शिकायतें हैं। एसीबी ने 16 मई को अलहमद पर दर्ज की थी एफआईआर एसीबी ने 16 मई को मुकेश कुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (पीसी) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 7/13 के तहत मामला दर्ज किया था। आरोप है कि अलहमद ने कुछ आरोपितों से उनकी जमानत सुनिश्चित करने के लिए रिश्वत मांगी और प्राप्त की। एसीबी ने जनवरी-2025 में कानून सचिव को पत्र लिखकर न्यायाधीश की जांच करने की अनुमति मांगी थी। विशेष न्यायाधीश और एसीबी अधिकारी से बातचीत के दस्तावेज पेश किए सुनवाई के दौरान अदालत को सूचित किया गया कि मुकेश कुमार ने विशेष न्यायाधीश और एसीबी अधिकारी के बीच बातचीत के अतिरिक्त दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं। दस्तावेज के अनुसार न्यायाधीश ने एसीबी अधिकारी से पूछा था कि उन्हें क्यों फंसाया जा रहा है? जवाब में एसीबी अधिकारी ने न्यायाधीश के प्रतिकूल आदेशों का हवाला दिया। एसीबी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने पीठ को बताया कि ट्रायल जज ने मुकेश कुमार को आडियो क्लिप दी है।

दो बाईकों की भिड़ंत में एक की मौत, दो घायल

प्रात: किरण संवाददाता

बछरायूं। थाना क्षेत्र में दो बाईकों की आमने सामने की भिड़ंत में एक महिला की मौत हो गई व दो लोग घायल हो गए। घायलों को सी एच सी से भर्ती कराया गया मंगलवार को तहसील क्षेत्र के गांव सुजमना निवासी शीलू अपनी पत्नी विमला के साथ बाईक पर सवार होकर तिगरी में गंगा नहाने जा रहा था। जब वह गंगा नहाकर वापस जोगीपुर के समीप पहुंचा तो सामने से आ रही एक बाईक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें बाईक पर बैठी महिला विमला की मौके पर मौत हो गई। और महिला का पति शीलू गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं दिल्ली जा रहा दूसरा बाईक सवार राहुल निवासी ग्राम बेगराजपुर थाना नहटौर भी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना पाकर बछरायूं पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को धनौरा नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया। वहीं विमला की मौत से उसके परिजनों में कोहराम मच गया।

मकोका मामला: पूर्व विधायक बाल्यान की अदालत ने दूसरी बार खारिज की जमानत याचिका

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। राउज एवेन्यू अदालत से आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान को झटका लगा है। अदालत ने बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी है। यह मामला महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) से जुड़ा हुआ है। यह उनकी दूसरी जमानत याचिका थी। बाल्यान को सुनवाई के दौरान वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेश किया गया था। विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह की अदालत ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि कि राहत देने के लिए कोई पर्याप्त आधार नहीं है। अदालत ने तीन जून से आरोप तय करने की बहस प्रतिदिन चलाने का निर्देश दिया है। साथ ही सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत भी बढ़ा दी गई है। अदालत ने पुलिस को आरोपी विकास गहलोत की जांच भी जल्द पूरी करने का निर्देश दिया है। मई की शुरूआत में दायर किया था आरोप पत्रः बता दें कि दिल्ली पुलिस ने मई की शुरूआत में साहिल उर्फ पोली, विजय उर्फ कालू, ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा और बाल्यान समेत चारों आरोपियों के खिलाफ मकोका की धाराओं के तहत पूरक आरोपपत्र दायर किया था। सभी आरोपियों को गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू द्वारा कथित रूप से संचालित एक संगठित अपराध सिंडिकेट से संबंधित मामले में गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली पुलिस की ओर से विशेष लोक अभियोजक अखंड प्रताप सिंह ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि बचाव पक्ष की दलीलों को पूर्व में अदालत खारिज कर चुकी है। जमानत मांगने के लिए कोई नया आधार नहीं है।

रील बनाने के चक्कर में नहर में डूबा युवक, तलाश जारी

मंडी धनौरा। थाना क्षेत्र में एक युवक रील बनाते वक्त नहर में डूब गया पुलिस ने गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक युवक को रील बनाना भारी पड़ गया मंगलवार को पिंकू पुत्र शेर सिंह उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम पृथ्वीपुर थाना नौगांवा सादात धनौरा थाना क्षेत्र के गांव शाहपुर में अपने मौसा धर्मेंद्र के घर आया था। पिंकू दोपहर के वक्त गादी खेड़ा गांव के समीप नहर पर रील बनाने के लिए चला गया। रील बनाते वक्त युवक रामगंगा पोषक नहर में डूब गया। युवक के डूबने की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। और स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक को ढूंढने का प्रयास करने लगी लेकिन युवक का कोई सुराग नहीं लगा। मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि रील बनाते वक्त युवक नहर में डूबा है एस डी आर एफ की टीम को रिपोर्ट भेजी जा रही है। एस डी आर एफ टीम की मदद ली जाएगी खबर लिखे जाने तक युवक की तलाश जारी थी।

त्रिवेणी शुगर मिल मे दी भविष्य निधि, पेंशन एवं बीमा संबंधी योजनाओं की जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

हसनपुर। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के निधि आपके निकट.2.0 के तहत जनसंपर्क कार्यक्रम अमरोहा जिला में त्रिवेणी इंजीनियरिंग & इंडस्ट्रीज लिमिटेड, चन्दनपुर, अमरोहा में प्रतिष्ठान के वाईस प्रेसिडेंट अमोद कुमार शर्मा एवं अमेज सिंह, एच. आर. हेड के सहयोग से मंगलवार(27 मई) को आयोजित किया गया। इस अवसर पर अनिल कुमार, क्षेत्रीय आयुक्त/प्रभारी अधिकारी एवं मनोज कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय आयुक्त-क्क ने भविस्य निधि कार्यालय के टीम प्रशांत श्रीवास्तव प्रवर्तन अधिकारी एवं सहायक के साथ कैंप लगाकर पी एफ से जुड़ी शिकायत एवं जिज्ञासाओं का स्थल पर ही समाधान किया और साथ ही पेंशन योजना के तहत पेंशनरों को मौके पर ही पेंशन भुगतान आदेशो की प्रतियाँ प्रदान की गयीं ।इस कार्यक्रम मे भारत सरकार द्वारा घोषित रोजगार संबंधित प्रोत्साहन योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई और आग्रह किया की सभी कर्मचारी अपना अपना यूएएन शीघ्र एक्टीवेट कर ले ताकि उन्हें ई एल आई स्कीम का लाभ प्राप्त हो सके। इसके साथ ही सभी पेंशनरों को जीवन प्रमाणन हेतु कार्यालय द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबरों (0581 2510832, 9410686028, 05812510628, 0591 2488188) की जानकारी दी ताकि जिन पेंशनरों की पेंशन रुकी हुई है वह अपनी पेंशन शुरू करवाने में कार्यालय से मदद ले सकें साथ ही यह निवेदन किया कि जिन पेंशनरों की मृत्यु हो चुकी है उसकी सूचना भविष्य निधि कार्यालय बरेली को संबंधित व्यक्ति देने का कष्ट करें। इस अवसर पर कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की ओर से चलाई जा रही है भविष्य निधि, पेंशन एवं बीमा संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई साथ ही सभी प्रतिष्ठानों से यह आग्रह किया गया कि वे सभी पात्र कर्मचारियों का भविष्य निधि अंशदान समय से जमा करें और सभी का ई नॉमिनेशन सुनिश्चित करवाए ताकि उन्हें भविष्य निधि लाभों से संबंधित त्वरित सेवा दी जा सके साथ ही यह अपील की कि अगले निधि आपके निकट कैंप में जिन भी पेंशनर्स की पेंशन रुकी हुई है वह जाकर अपना जीवन प्रमाण पत्र करवा लें या बताए गए अन्य माध्यमों से भी जीवन प्रमाण पत्र करवा सकते हैं यह भी बताया गया की वर्तमान में अब पेंशनर अपना पेंशन किसी भी बैंक के किसी भी शाखा से प्राप्त कर सकते हैं।

मोबाइल चोरी और झपटमारी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 3 आरोपियों को दबोचा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दक्षिणी जिले के अंबेडकर नगर थाना पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी और झपटमारी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने जहांपनाह वन से तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर इनके पास से चोरी के नौ मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विनोद उर्फ सूरज, सोनू उर्फ बच्चा और फतेह खान उर्फ साहिल के रूप में हुई है। आरोपित पहले से कई आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि सोमवार को एक सूचना मिली थी कि तीन शातिर चोर जहांपनाह वन में आने वाले हैं। इस पर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर आनंद स्वरूप के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने जहांपनाह वन में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस टीम को तीन व्यक्ति संदिग्ध हालत में दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो वे लोग भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ करने पर आरोपितों की पहचान देवली गांव निवासी विनोद उर्फ सूरज, आया नगर निवासी सोनू उर्फ अजय उर्फ बच्चा और संगम विहार निवासी फतेह खान उर्फ साहिल के रूप में हुई। इनके तलाशी लेने पर पुलिस को इनके पास से चोरी के नौ मोबाइल फोन बरामद हुए। बरामद फोन थाना अंबेडकर नगर, थाना कालकाजी और थाना बदरपुर क्षेत्र से चोरी किए गए थे। पूछताछ के दौरान आरोपितों ने बताया कि वे नशे के आदी हैं और अपनी लत को पूरा करने के लिए बसों, बस स्टाप और बाजार में मोबाइल फोन छीनने या चुराने की वारदातों को अंजाम देते थे। गिरफ्तार विनोद दिल्ली के विभिन्न थानों में डकैती, झपटमारी और चोरी के आठ मामले दर्ज हैं। इसी तरह सोनू के खिलाफ 10 और फतेह खान के खिलाफ 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपितों से पूछताछ करने में जुटी है।

जनसेवा की जीवंत मिसाल बना यमुना विहार का स्वास्थ्य शिविर

निःस्वार्थ सेवा, चिकित्सा सहयोग और संवेदना की त्रिवेणी में नहाया आयोजन

प्रात : किरण मनोज जैन

यमुना विहार स्थित महावर धर्मशाला में मानव संरक्षण कल्याण संगठन द्वारा आयोजित विशाल स्वास्थ्य जांच व नेत्र शिविर ने जनकल्याण का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया। भारत माता, भगवान पार्श्वनाथ और आचार्य विद्यासागर महाराज के चित्र अनावरण तथा राष्ट्रगान के साथ आरंभ हुए इस भव्य कार्यक्रम में कुल 485 रोगियों का पंजीकरण हुआ, जिनमें से 38 युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर सेवा का संकल्प निभाया। खेकड़ा स्थित डी.के. जैन आई हॉस्पिटल के वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. संजय शर्मा की टीम ने मोतियाबिंद से ग्रसित मरीजों को निःशुल्क ऑपरेशन हेतु चिन्हित किया, जबकि लगभग 250 बुजुर्गों को निःशुल्क दृष्टिदान स्वरूप चश्मे प्रदान किए गए। तरुण मित्र परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि परिषद दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम अंग, ऑर्थोर्शूज, कैलिपर्स जैसी सहायक सामग्री उपलब्ध करवाती है। जरूरतमंद जन संगठन से संपर्क कर इस सेवा का लाभ उठा सकते हैं। कार्यक्रम में परिषद द्वारा श्रवणहीन बुजुर्गों को श्रवणयंत्र भी प्रदान किए गए, जिससे वे सामाजिक संवाद की धारा में पुनः सम्मिलित हो सकें। यह निःस्वार्थ सेवा कार्य केवल चिकित्सा सहायता नहीं, बल्कि जीवन में आशा का संचार था। इस जनहितैषी आयोजन की गरिमा को और बल मिला जब विधायक अजय महावर, शाहदरा नॉर्थ-ईस्ट जोन के चेयरमैन प्रमोद गुप्ता और रानी बाग थानाध्यक्ष प्रभांशु जैसे विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित हुए। आयोजन की सफलता में मानव संरक्षण कल्याण संगठन के बंदिश, अमन, पंकज, रुचिन, अंकुर जैन, मनोज जैन (एटा) एवं तरुण मित्र परिषद के सहसचिव आलोक जैन की निष्ठापूर्ण भूमिका सराहनीय रही। यह शिविर केवल एक चिकित्सा शिविर नहीं था, बल्कि सेवा, संवेदना और समर्पण की प्रेरणादायक कथा बन गया।

दिल्ली का हर इलाका होगा अतिक्रमण मुक्त अफसरों को सिफारिशें न सुनने का आदेश

नई दिल्ली,। शाहदरा उत्तरी जोन के चेयरमैन प्रमोद गुप्ता का कहना है कि दिल्ली नगर निगम लगातार अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। इलाके को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। निगम हर इलाके को कार्रवाई के दायरे में लाने का प्रयास कर रहा है। लोगों को अतिक्रमण से राहत दिलाने के लिए कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों को स्पष्ट आदेश दिए गए हैं कि वे किसी की सिफारिश न सुनें। अगर कार्रवाई करनी है, तो करनी होगी। चेयरमैन ने कहा कि दुकानदारों को हिदायत दी जा रही है कि वे दुकानों के बाहर अतिक्रमण न करें। ठेले व्यवस्थित तरीके से लगाएं। सड़कों पर अवैध पार्किंग न करें।

ड्रग्स तस्करी के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली,। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स यूनिट ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। युनिट ने लंबे समय से फरार चल रहे ड्रग तस्कर विजय उर्फ डैनी को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि ऑपरेशन की शुरूआत इस साल 5 जनवरी को दिलशाद गार्डन से हुई थी। यहां लल्ला बाबू को 502 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि लल्ला नशा विजय और जितेश को सप्लाई कर रहा था। जितेश को गिरफ्तार करने पर उसके पास से 125 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। वहीं विजय मौके से फरार हो गया। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस ने गिरोह के मुख्य स्त्रोत निजामुद्दीन उर्फ निजाम को दबोचा और विजय की आई-20 कार से 99 ग्राम हेरोइन बरामद की । विजय के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर नंद नगरी क्षेत्र से विजय उर्फ डैनी को गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि वे नंद नगरी थाने का घोषित बदमाश है। उसके खिलाफ हत्या, झपटमारी, मादक पदार्थ अधिनियम और आबकारी अधिनियम सहित करीब 50 आपराधिक मामले दर्ज हैं। डीसीपी के अनुसार विजय का पूरा परिवार आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहा है और उसके भाई भी घोषित अपराधी हैं।

दिल्ली पुलिस ने लद्दाख से दो ठगों को दबोचा

नई दिल्ली,। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर साइबर अपराधियों को लद्दाख स्थित सारचू इलाके से गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 800 किलोमीटर से अधिक की रियल-टाइम पीछा करते हुए की गई, जिसमें झारखंड से लेकर हिमाचल और लद्दाख तक का सफर शामिल है। इस ऑपरेशन में एक नई और चौंकाने वाली ठगी का खुलासा हुआ है। इसमें मजदूरों के बैंक खाते साइबर फ्रॉड के लिए इस्तेमाल किए जा रहे थे। यह कार्रवाई एक महिला की शिकायत के बाद शुरू हुई। जिसके बैंक खाते से 69,953 की अवैध निकासी हुई थी। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार जांच के दौरान दिल्ली पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और वित्तीय लेन-देन की कड़ियों को जोड़ते हुए यह पाया कि उक्त राशि झारखंड के दुमका और गोड्डा जिलों के ग्रामीण मजदूरों के खातों में स्थानांतरित की गई थी। पुलिस की टीमों की जमीनी स्तर पर की गई जांच में पाया गया कि ये खाते मजदूरों से उनके ठेकेदारों ने खुलवाए गए थे और एटीएम व पासबुक अपराधियों के पास रहते थे। डीसीपी के अनुसार दो मजदूरों रामजीत और बद्री राय की गिरफ्तारी से यह साफ हुआ कि उनके खाते क्रमश 20,005 और 69,953 रुपये की साइबर ठगी में इस्तेमाल हुए थे। इन खातों को मंसूर अंसारी और इमरान अंसारी नामक दो अपराधियों द्वारा नियंत्रित किया जा रहा था, जो गिरफ्तारी से बचने के लिए हिमाचल के रास्ते लद्दाख भाग रहे थे। पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को लद्दाख के ऊंचाई वाले क्षेत्र सारचू से गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि वे झारखंड के गरीब और अनपढ़ मजदूरों को निशाना बनाकर उनके नाम पर खाते खुलवाते थे और फिर उनका दुरुपयोग साइबर ठगी में करते थे। ये ठग लेन-देन के बाद खुद को छुपाने के लिए लद्दाख जैसे दुर्गम इलाकों में चले जाते थे, जिससे पुलिस की पकड़ से

लाल क्वार्टर मार्केट में अतिक्रमण के खिलाफ ऐतिहासिक कार्रवाई

60 फुट की सड़क पहली बार दिखी पूरी चौड़ाई में, जहाँ दमकल और एंबुलेंस को नहीं मिलता था रास्ता, वहाँ आज दौड़ीं गाड़ियां बेझिझक, नगर निगम की सौ कार्रवाइयों पर भारी पड़ी दो पुलिसकर्मियों की तैनाती,क्या यह बदलाव स्थायी होगा या फिर लौटेगा पुराना अराजक मंजर

प्रात : किरण मनोज जैन

पूर्वी दिल्ली के शाहदरा जिले की कृष्णा नगर विधानसभा के अंतर्गत आने वाली लाल क्वार्टर मार्केट में सोमवार को वह दृश्य सामने आया, जिसे देखकर वर्षों से जूझ रही जनता ने राहत की सांस ली। वर्षों से अतिक्रमण और अव्यवस्था के प्रतीक बन चुके इस क्षेत्र में सड़क आज अपनी असली 60 फुट की चौड़ाई में नजर आई। न ठेले वाले, न फल-सब्जी की रेहड़ियां, न चाय-पानीपताशे के खोमचे और न ही फुटपाथ पर पसरे सामान की कतारें। सड़क पर बेझिझक गाड़ियां दौड़ रही थीं, लोग सलीके से चल रहे थे और कहीं कोई धक्का-मुक्की या जाम जैसी स्थिति नहीं थी। यह बदलाव इतना चौंकाने वाला था कि वहां से गुजरने वाला हर नागरिक ठहरकर तस्वीरें ले रहा था, मानो किसी अजूबे को देख रहा हो। इस अनुशासन और बदलाव के पीछे न कोई बड़ी प्रशासनिक मशीनरी थी, न ही कोई विशेष बल का प्रयोग हुआ। यह सब संभव हुआ मात्र दो पुलिसकर्मियों की नियमित तैनाती और क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर अनिल गोयल की सीधी निगरानी के चलते। विधायक स्वयं सुबह बाजार पहुंचे, प्रमुख व्यापारियों और मार्केट प्रतिनिधियों को साथ लेकर बिना किसी टकराव के अतिक्रमण हटवाया। यह वही बाजार है जहां नगर निगम सैकड़ों बार कार्रवाइयां कर चुका है, लेकिन कुछ ही घंटों में हालात फिर पुराने जैसे हो जाते थे। परंतु आज, दिनभर सड़क पर कोई अस्थायी दुकान नहीं दिखी, कोई ठेला दोबारा लगाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। यह व्यवस्था इतनी प्रभावी रही कि शाम तक सड़क उतनी ही खुली और व्यवस्थित रही, जितनी सुबह दिखाई दी थी। इस बदलाव का सबसे अहम पक्ष यह रहा कि वह सड़क जो अक्सर दमकल, एंबुलेंस, और पुलिस वाहनों के लिए भी असुलभ बनी रहती थी, आज बिना किसी अड़चन के चालू रही। आम दिनों में जहाँ सड़क केवल नाममात्र की रह जाती थी, आज वहां पूरी गति से यातायात चलता रहा। दुकानें फुटपाथ के भीतर सिमटी रहीं, और व्यापारी खड़े-खड़े केवल यही देखते रहे कि पुलिस कब जाएगी और वे दोबारा पुराने ढर्रे पर लौट सकें। पहली बार यह स्थान ह्यबाजारह्न से अधिक एक संगठित व्यापारिक परिसर जैसा प्रतीत हुआ। नागरिकों ने खुले शब्दों में कहा कि अगर यह दृश्य स्थायी रूप से बना रहता है, तो यह दिल्ली के अन्य बाजारों के लिए भी मिसाल बन सकता है। अब प्रश्न यही है कि क्या यह व्यवस्था केवल एक दिन की थी, या इसे नियमितता दी जाएगी। क्या डॉ. अनिल गोयल इस पहल को साप्ताहिक निगरानी और स्थानीय सहयोग से मजबूती देंगे, या यह भी अन्य कार्रवाइयों की तरह बीते कल की खबर बनकर रह जाएगी। लोगों को उम्मीद है कि यह बदलाव टिकेगा, लेकिन अनुभव यही कहता है कि जब तक कड़ी निगरानी और स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं होगी, तब तक लाल क्वार्टर जैसे बाजारों में स्थायी परिवर्तन संभव नहीं। आज की कार्रवाई अवश्य ऐतिहासिक रही, लेकिन जनता यह देखने को उत्सुक है कि क्या कल भी सड़क ऐसी ही चौड़ी, साफ और निर्बाध दिखेगी।

साकेत में जमकर चला बुलडोजर, कार्रवाई के चंद घंटों बाद ही फिर शुरू हुआ अतिक्रमण

नई दिल्ली,। दक्षिणी दिल्ली के साकेत इलाके में स्थानीय लोगों की कई शिकायतों के बाद अतिक्रमण के खिलाफ चलाए गए अभियान से चंद घंटे की ही राहत मिल पाई। सोसाइटी के बाहर सोमवार सुबह अभियान चलाकर फुटपाथ से अतिक्रमण हटाया गया था। इसके कुछ घंटों बाद ही फिर से रेहड़ी-पटरी वालों ने अतिक्रमण कर लिया है। इस बारे में आरडब्ल्यूए ने मंगलवार को पुलिस-प्रशासन से शिकायत कर स्थायी समाधान दिलाने की मांग उठाई है। जिससे कि स्थानीय लोगों को राहत मिल सके। दरअसल, साकेत इलाके के मुख्य मार्गों पर सड़क किनारे और फुटपाथ पर अतिक्रमण से लोग परेशान हैं। इस बारे में स्थानीय लोगों और आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों की ओर से कई बार शिकायत की जा चुकी है। लोगों का आरोप है कि फुटपाथ पर खाने-पीने और सामान बेचने वाले रेहड़ी-पटरी वालों का कब्जा है। इसकी वजह से खासी चौड़ी सड़कों पर भी सुबह-शाम जाम के हालात बने रहते हैं। पुलिस ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर सोमवार सुबह 10 बजे फुटपाथ खाली भी कराया था।

द्वारका कोर्ट ने हत्या के प्रयास मामले में दो आरोपियों को दी जमानत

गंभीर रूप से घायल पीड़ित गवाह के दर्ज नहीं हो सके बयान

नई दिल्ली,। द्वारका जिला अदालत ने हत्या के प्रयास के मामले में दो आरोपियों को जमानत दे दी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अजय सिंह शेखावत की अदालत ने संदेह का लाभ देते हुए दोनों आरोपी विषेक व आर्यन को 50 हजार रुपये की राशि के जमानत बांड और इतनी ही राशि के दो जमानती प्रस्तुत करने पर कुछ शर्तों के साथ जमानत दी। अदालत ने जमानत की शर्त रखते हुए कहा कि दोनों आरोपी साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ नहीं करेंगे। शिकायतकर्ता व गवाहों से संपर्क करने या उन्हें प्रभावित करने का प्रयास नहीं करेंगे। अदालत ने माना कि पीड़ित गवाह अनिल के बयान की संभावना कम है। ऐसे में आरोपियों को जेल में रखने का कोई लाभ नहीं है। आरोपियों की ओर से पेश हुए वकील रवि दराल ने कहा कि आरोपियों को मामले में झूठा फंसाया गया है। वे दोनों गिरफ्तारी के बाद से न्यायिक हिरासत में हैं। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, तीनों घायल व्यक्ति नशे की हालत में थे जब उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एमएलसी की रिपोर्ट से भी पता चलता है कि वे नशे की हालत में थे। मामले में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि दोनों आरोपियों ने उसके भाई को बाइक से गिरा दिया था। इस दौरान आरोपियों ने शिकायतकर्ता को भी लाठी-डंडों से पीटा।

संक्षिप्त खबरें

कमला राणा साइंस कॉलेज को तीनों संकायों के सभी विषयों में मिला स्थाई संबंधन

पुरैनी (मधेपुरा) कमला राणा साइंस कॉलेज प्रशांत नगर सपरदह पुरैनी को राज्य सरकार और भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय मधेपुरा द्वारा स्थायी संबंधन मिल गया है। स्थायी संबंधन मिलने पर महाविद्यालय प्रबंधन सहित शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में उत्साह है। महाविद्यालय के संस्थापक प्रशांत कुमार ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा कमला राणा साइंस कॉलेज, प्रशांत नगर सपरदह को स्नातक कला (समाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय) विज्ञान एवं वाणिज्य संकायों में शैक्षणिक सत्र 2025-29 से स्थायी संबंधन प्रदान की गयी है। महाविद्यालय को स्थायी संबंधन मिलने से सुदूर ग्रामीण इलाके के बच्चों को डिग्री स्तर की शिक्षा प्राप्त करने में सहूलियत होगी। उन्होंने कुलपति व कुलसचिव के प्रति आभार प्रकट किया है। वहीं कमला राणा साइंस कॉलेज की प्राचार्या अनुप्रिया राज ने बताया कि महाविद्यालय को सभी तीनों संकायों के सभी विषयों में स्थाई संबंधन प्राप्त हो चुका है। उन्होंने बिहार सरकार शिक्षा विभाग, भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय मधेपुरा के कुलपति, कुलसचिव, डीएसडब्ल्यू सहित सभी अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि हम लोगों के लिए यह अत्यंत गौरव वाला क्षण है।

मंत्री सुमित सिंह और जिलाधिकारी ने प्रस्तावित बरनार जलाशय योजना का किया स्थल निरीक्षण, दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई सोमवार 26 मई को अपराह्न 4:00 बजे जिले के सोनो प्रखण्ड अन्तर्गत ग्राम कटहराटौंड के निकट बरनार नदी पर प्रस्तावित बरनार जलाशय योजना का माननीय मंत्री विज्ञान एवं प्रावैधिक विभाग, बिहार सरकार श्री सुमित कुमार सिंह एवं जिलाधिकारी, श्रीमती अभिलाषा शर्मा द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया। स्थल निरीक्षण के समय प्रस्तावित कार्य स्थल पर कार्यपालक अभियन्ता, सिंचाई प्रमंडल, झाझा, संबंधित सहायक अभियन्ता, कनीय अभियन्ता एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी यथा उप विकास आयुक्त-सह-अपर समाहर्ता, सुभाषचंद्र मंडल,एस०डी०एम०, तथा डी०सी०एल०आर०, भी कार्य स्थल पर मौजूद थे। सर्वप्रथम प्रस्तावित कार्यस्थल पर माननीय मंत्री महोदय का जिला पदाधिकारी महोदया, द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। माननीय मुख्यमंत्री महोदय, बिहार द्वारा 07 फरवरी 2025 को जिले के प्रगति यात्रा के दौरान जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा की उपस्थिति में बरनार जलाशय योजना का गहन समीक्षा किया गया तथा उक्त योजना को नये सिरे से डी०पी०आर० बनाने हेतु उद्घोषणा की गयी जिसे कालान्तर में बरनार जलाशय योजना का केबिनेट से दिनांक 25 फरवरी 2025 को स्वीकृति प्रदान गयी जिसे जल संसाधन विभाग का पत्रांक 393 दिनांक 27 फरवरी 2025 के द्वारा रू0 2579.3785 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गयी। प्रस्तावित कार्यस्थल पर जिला पदाधिकारी महोदया द्वारा माननीय मंत्री महोदय को जलाशय के संबंध में जानकारी दी गयी कि बरनार जलाशय के निर्माण हो जाने पर जमुई जिले के चार प्रखण्डों यथा सोनो, झाझा, गिद्धौर एवं खैरा के सूखाग्रस्त भू-भाग में लगभग 22000 हे0 में सिंचाई की सुविधा प्रदत्त होगी। इस जलाशय के निर्माण हेतु नई तकनीक को अपनाया गया है जैसेः जलाशय का निर्माण पूर्णतः कंक्रीट होगा जिसकी लम्बाई लगभग 285 मी० एवं ऊँचाई 74 मी० होगी तथा पानी पूर्व से निर्मित दायों एवं बायाँ मुख्य नहर से होते हुए बिहार भूमिगत पाईपलाईन नियम 2011 के तहत पाईप लाईन के माध्यम से किसानों के खेतों में सिंचाई की सुविधा प्रदत्त की जायेगी जो अपने आप में एक नई तकनीक एवं नई पहल है। अभी तक बिहार में कोई भी कंक्रीट डैम नहीं है। यह बिहार का सर्वप्रथम कंक्रीट डैम होगा। जलाशय के सिंचाई क्षेत्र में पड़ने वाले भू-भाग के वर्तमान में हो रहे जलस्तर की कमी की समस्या से भी निदान मिल सकेगा, यह जलाशय सिंचाई के लिए जमुई जिले के किसानों के लिए वरदान के साथ-साथ हरित क्रांति साबित होगी। बरनार जलाशय योजना जमुई जिले का एक अतिमहत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना का आरंभ सन 1976 ई० में ही किया गया था. जिसमें नहर निर्माण, भू-अर्जन, नहर से संबंधित संरचनाएँ इत्यादि कार्य वर्षों पूर्व किया गया था एवं वर्ष 1988 में डैम निर्माण हेतु मे० गैमन इंडिया को कार्य आवंटित किया गया था, किन्तु वन भूमि अपयोजन की कार्रवाई लंबित एवं अन्य कारणों के कारण बरनार जलाशय योजना का कार्य वर्ष 1991 से ही पूर्णतः बन्द हो गयी। माननीय मंत्री महोदय श्री सुमित कुमार सिंह द्वारा उपस्थित पदाधिकारियों एवं प्रेस मीडिया के सम्मुख यह बताया गया कि वर्षों से जो बरनार जलाशय योजना उपेक्षित पड़ा था तथा मेरे दादाजी के स्वप्न को साकार करने का कार्य वर्तमान में जिला पदाधिकारी महोदया, जमुई श्रीमती अभिलाषा शर्मा के कुशल नेतृत्व, दृढ़ ईच्छा शक्ति एवं कार्य कुशलता के साथ-साथ अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर बरनार जलाशय योजना से संबंधित जटिलताओं को पार करते हुए योजना को धरातल पर लाने का पूर्ण श्रेय जाता है तथा यथाशीघ्र ही बरनार जलाशय योजना का निविदा आमंत्रण की जायेगी।

जमुई में होमगार्ड भर्ती शुरू , पहले दिन 700 में 509 अभ्यर्थियों ने कराया पंजीयन

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई जिला मुख्यालय में स्थित श्रीकृष्ण सिंह स्टेडियम में होमगार्ड बहाली की प्रक्रिया सोमवार को अहले सुबह शुरू हुई। पहले दिन 700 में से 509 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया और शारीरिक जांच परीक्षा के प्रथम पायदान अर्थात दौड़ में शामिल हुए। दौड़ में कुल 74 ने बाजी मारी जबकि 435 पिछड़ गए। गाइडलाइंस के मुताबिक दौड़ में सफल अभ्यर्थियों ने ऊंची कूद , लंबी कूद और गोला फेंक में दम दिखाया। साथ ही सभी तरह की जांच प्रक्रिया के प्रतिभागी बने। श्रीकृष्ण सिंह स्टेडियम में होमगार्ड के अभ्यर्थियों की शारीरिक जांच परीक्षा को लेकर अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं। सोमवार को अहले सुबह से अभ्यर्थियों का पंजीयन शुरू हुआ। बाद में सुपात्रों को मैदान में प्रवेश दिलाया गया। गृह रक्षा वाहिनी में स्वच्छ नामांकन को लेकर सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गयी है। जिला कलेक्टर अभिलाषा शर्मा ने बहाली प्रक्रिया का मुआवना करने के बाद बताया कि पहले दिन की बहाली प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। पूरी प्रक्रिया के लिए नवीनतम तकनीक और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। पहले दिन शारीरिक दक्षता जांच परीक्षा में कुल 509 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इनमें 74 अभ्यर्थी दौड़ में सफल हुए। दौड़ में सफल अभ्यर्थियों को ही ऊंची , लंबी कूद और गोला फेंक और सीना की माप आदि में शामिल किया गया। प्रत्येक अभ्यर्थियों को ऊंची कूद , लंबी कूद और गोला फेंक में तीन मौका दिए जाने का प्रावधान है। अभ्यर्थी निर्धारित तिथि और तय समय पर उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। डीएम ने बताया कि स्वच्छ , निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से शारीरिक दक्षता परीक्षा लेने की व्यवस्था की गई है।

लखीसराय पुलिस ने फरार हार्डकोर नक्सली मंटू सदा को किया गिरफ्तार,गिरफ्तार नक्सली पर कई संगीन मामले हैं दर्ज

एसएसबी ने संयुक्त अभियान चलाकर फरार नक्सली को दबोचा

प्रात: किरण संवाददाता

लखीसराय! बीती रात को 16वीं सशस्त्र सीमा बल डी कंपनी कजरा के कम्पनी कमांडर निरीक्षक झ सुबीर देबनाथ के नेतृत्व में पुलिस थाना खैरा (जमुई), रळत्रऔर अभियान दल पीरी बाजार, चीता-11 बसुआचक की सयुंक्त गश्त पार्टी द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर पीरी बाजार थाना के गाँव घोघी बरियारपुर से नक्सली मंटू सदा,पिता-शंकर सदा निवासी झ घोघी बरियारपुर, थाना झपीरी बाजार (लखीसराय) को गिरफ्तार किया गया है। उक्त वादी जमुई जिले के खैरा थाना में क्ढड, विशिष्ट पदार्थ अधिनियम एवं वअड अधिनयम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत गैर कानूनी कार्य करना, संविधान के द्वारा स्थापित सत्ता के विरुद्ध आक्रमण करने तथा उसकी संप्रभुता को खंडित करने, बारूद से भरा हुआ केन स्टील बम बनाने तथा रासायनिक द्रव इकठ्ठा करने जैसे आरोपों में प्रतिवेदित था' बीते कई सालों से यह फरार चल रहा था तथा सुरक्षा बलों को लम्बे समय से इसकी तलाश थी। उपरोक्त सयुंक्त अभियान में रस्ड के निरीक्षक सुबीर देबनाथ,उप निरीक्षक दिवाकर, रळत्रलखीसराय के उप निरीक्षक,भगवत कुमार पासवान और सतेन्द्र कुमार चौधरी तथा अन्य कर्मी शामिल थे।

जन जागरूकता के लिए अनुसूचित जातियों के बीच नुकड़ नाटक कार्यक्रम सम्पन

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह के निर्देश के आलोक में नशा मुक्ति, बाल विवाह, दहेज उन्मूलन, गर्म हवाएँ, लू से बचाव के उपायों को अपनाने, वज्रपात, आगलगी के प्रति जन-जागरूकता हेतु अनुसूचित जातियों के लिए विगत 10 मई से विभिन्न प्रखंडों में लगातार कराए जा रहे नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आज समापन हो गया। इस क्रम में आज असरगंज प्रखंड में श्रीमंत कला संचार सांस्कृतिक दल द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। सांस्कृतिक दल के कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशा मुक्ति, बाल विवाह एवं दहेज उन्मूलन, गर्म हवाएँ, लू से बचाव के उपायों को अपनाने, वज्रपात, आगलगी से सुरक्षा एवं उससे बचाव की जानकारी दी गई, जिससे आमजन जागरूक हों और इसे अमल में लाएं।

लालू यादव द्वारा तेज प्रताप को पार्टी और परिवार से अलग करना जनता को भ्रमित करने का राजनीति खेला : मनोज रघु

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। जिला जनता दल यू के जिला प्रवक्ता मनोज कुमार रघु ने प्रेस बयान जारी कर बताया की राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के द्वारा अपने बड़े बेटा तेज प्रताप यादव को पार्टी एवं परिवार से अलग करना एक राजनीतिक खेल है।प्रवक्ता मनोज कुमार रघु ने कहा कि असली खेल तो ऐश्वर्या राय के द्वारा तलाक केस में 36 करोड रुपए की मुआवजे की मांग है ,लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अनुष्का यादव के साथ रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में है उन्होंने सोशल मीडिया पर अनुष्का यादव के साथ अपने रिश्ते का खुलासा करते हुए फेसबुक अकाउंट से एक पोस्ट शेयर करके राजद परिवार में भूचाल ला दिया है,प्रवक्ता रघु ने बताया कि तेज प्रताप यादव की निजी जिंदगी पहले से भी चर्चा में रही है जब उन्होंने 2018 में ऐश्वर्या राय से शादी की थी लेकिन कुछ महीने बाद ही तलाक की अर्जी दी जो अभी अदालत में लंबित है अब अनुष्का यादव के साथ उनके संबंधों को लेकर उठे सवालों ने एक बार फिर उन्हें विवाद के घेरे में ला दिया है लालू यादव ने आनन फानन में तेज प्रताप पर सख्त एक्शन लेते हुए उन्हें पार्टी नहीं बल्कि घर से बाहर का रास्ता दिखा दिया है,जिला प्रवक्ता मनोज कुमार रघु ने लालू यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लालू प्रसाद द्वारा तेज प्रताप को पार्टी और परिवार से अलग करना केवल जनता को भ्रम में डालने का राजनीति खेल है इसके पीछे ऐश्वर्या राय द्वारा तलाक केस में 36 करोड रुपए के मुआवजे की मांग भी सम्मिलित है। प्रवक्ता मनोज रघु ने कहा इस साल विधानसभा का चुनाव है इसलिए यह दिखावे की कार्रवाई की गई है, लालू यादव परिवार को जब तेज प्रताप और अनुष्का के संबंधों के बारे में पूरे परिवार को मालूम था तो फिर ऐश्वर्या राय से शादी क्यों करवाई गई बिहार के प्रतिष्ठित परिवार के महिला का इस तरह का बेज्जती करना सरासर गलत है, प्रवक्ता मनोज कुमार रघु ने कहा जब ऐश्वर्या राय को राबड़ी देवी मारपीट कर के घर से बाहर निकाल दिया था तो उस समय लालू प्रसाद यादव का सामाजिक न्याय कहां गया था लालू यादव परिवार के द्वारा क्यों ऐश्वर्या राय की जिंदगी को बर्बाद किया ।लालू यादव परिवार एवं राष्ट्रीय जनता दल महिलाओं को सिर्फ अपमानित करने का काम करते आ रहे हैं, इन लोगों के द्वारा घोषित माई बहन योजना महिलाओं के सम्मान के लिए नहीं महिलाओं के अपमान के लिए घोषणा किया गया है ।

केंद्र स्तर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिभागियों के बीच प्रमाण पत्र किया गया वितरण

प्रात: किरण संवाददाता

संग्रामपुर(मुंगेर)। बिहार सरकार के आदेशानुसार केंद्र स्तर पर खेल प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया जाना था जिसको लेकर के आज प्लस टू उच्च विद्यालय माँझगांय संग्रामपुर के प्रांगण में प्रभारी प्रधानाध्यापक मोहम्मदी खानम के अध्यक्षता में प्रतिभागियों के बीच प्रमाण पत्र किया गया। प्रभारी प्रधानाध्यापक मोहम्मदी खानम ने बताया कि बिहार सरकार के आदेशानुसार पिछले दिन विद्यालय स्तर एवं संकुल संसाधन केंद्र के स्तर पर खेल प्रतियोगिता का किया गया था । आयोजन जिसका का की आज सफल प्रतिभागियो के बीच प्रमाण पत्र एवं मैडल का वितरण किया किया गया हैं। जिसमें क्रिकेट बॉल थ्रो साइकिलिंग कबड्डी वालीबाल 100 मीटर की दौड़ 600 मीटर की दौड़ लंबी कूद कबड्डी फुटबॉल वॉलीबॉल जैसे खेल का आयोजन किया गया जिस में की संकुल संसाधन केंद्र स्तर पर कबड्डी में अंकिता शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया 60 मीटर दौड़ में लक्ष्य कुमार एवं कुमकुम कुमारी 600 मीटर की दौड़ में देवेश चौधरी सुगंधा कुमारी लंबी कूद में आशीष कुमार पुर्णिमा कुमारी क्रिकेट बॉल थ्रो में गुड्डू कुमार भव्या कुमारी एवं रजनी कुमारी कबड्डी में छात्र प्रिंस कुमार राजा कुमार रोहित कुमार दिलखुश कुमार कबड्डी में छात्रा मनीषा कुमारी अंजली कुमारी साक्षी कुमारी फुटबॉल में बादल कुमार सुमन कुमार किशन कुमार वॉलीबॉल में रितेश कुमार दिवाकर कुमार सुधांशु कुमार इत्यादि लोगों ने खेल में शामिल हुआ वही इस मौके पर संकुल संसाधन केंद्र के संचालक चंदन कुमार चौधरी अभिषेक कुमार दिलीप राय सुबोध कुमार गुप्ता संतोष कुमार झा , एबं सभी विद्यालय के शिक्षक मौजूद थे।

महिला संवाद कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाएं खुलकर अब अपनी क्षेत्र के विकास का मुद्दा रखने लगी है

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेरः महिला सशक्तिकरण की दिशा में महिला संवाद कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाएं खुलकर अब अपने क्षेत्र के विकास का मुद्दा रखने लगी हैं। पिछले पिछले 40 दिनों से मुंगेर जिले में महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाएं बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहीं हैं और ग्रामीण क्षेत्र में विकास को लेकर नई तस्वीर खींच रही है। बरियारपुर प्रखंड के झौआ बहियार पंचायत के शुभलक्ष्मी जीविका महिला ग्राम संगठन के क्षेत्र में महिला संवाद कार्यक्रम किया गया। संचालन क्षेत्रिय समन्वयक अमित कुमार द्वारा किया गया। अनुभव साझा करते हुए साहिल समूह की सदस्य संगीता देवी द्वार बताया गया कि जीविका में जुड़ने के बाद ऋण लेकर पति को पूंजी देकर रोजगार से जोड़े हैं, जिससे आज उनका घर परिवार अच्छे से चल रहा है। जीविका मित्र उर्वशी दीदी ने कहा कि जीविका की राशि निकासी करने के लिए अभी हमे गंगा और गंडक नदी पार कर बैंक जाना पड़ता है। उन्होंने पीपा पुल बनाने की मांग की। गीता दीदी द्वारा सामुदायिक शौचालय, और सामुदायिक भवन की मांग गई। तारापुर प्रखंड के खैरा पंचायत में शीतल जीविका महिला ग्राम संगठन के क्षेत्र में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें इस कार्यक्षेत्र की आकांक्षा एवं मुद्दा को रखा गया। ममता देवी ने पंचायत स्तर पर बच्चों को पढ़ने के लिए पुस्तकालय की मांग की। खाकों देवी द्वारा वृद्धा या विधवा पेंशन की राशि को बढ़ाने की बात कही गयी। संग्रामपुर प्रखंड के कुण्डी गांव में सहारा जीविका महिला ग्राम संगठन के क्षेत्र में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 230 दीदियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में सरकार की योजनाओं से लाभान्वित कुछ दीदियों ने अपना अनुभव साझा करते हुए सरकार का आभार व्यक्त किया। सीता दीदी ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम के तहत 1800000 का ऋण मिला है, जिससे वो अपना रोजगार कर आर्थिक रूप से सबल हो रही हैं। मीना दीदी, सुकनी देवी, रेशमी दीदी के परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजन, शौचालय का लाभ मिला है। वही मनीषा हांसदा, मीना कुमारी, अनिता हांसदा को छात्र वृति, योजनाओ का लाभ प्राप्त हुआ है। 45 दीदियों को सतत जीविकोपार्जन योजना का लाभ मिलने पर खुशी व्यक्त किया गया। कुछ दीदियों ने अपनी आकांक्षाएं व्यक्त करते हुए ग्राम संगठन भवन, सड़क, नाले, जल की व्यवस्था की मांग की गई। धरहरा प्रखंड के अमारी पंचायत में राज जीविका महिला विकास स्वाबलंबिक सहकारी समिति लिमिटेड के क्षेत्र में महिला संवाद कार्यक्रम किया गया, जिसमें कार्यक्रम की शुरूआत समुदाय समन्वयक पुष्पलता कुमारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आकांक्षा एवं मुद्दों को रखते हुए दीदियों ने छठ पूजा के लिए एक तालाब निर्माण का मांग किया। दीदियों ने सामूहिक मांग किया की जीविका दीदी का बीमा मुफ्त किया जाए।

कांग्रेस महिलाओं के सम्मान एवं रक्षा के लिए प्रतिबद्ध : जितेश मिश्रा

प्रात: किरण संवाददाता

सुपौल । कोसी का इलाका होने की वजह कर सुपौल विकास के पैमाने को छू नहीं सका । दशकों से लाखों की आबादी बाढ़ और बरसात से तबाह है, ऐसे में कांग्रेस महागठबंधन के द्वारा माई बहन योजना कोसी प्रभावित क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उक्त बातें कहना है कांग्रेस नेता सह सुपौल विधानसभा से प्रत्याशी रहे मिन्नत रहमानी का । सदर प्रखंड के सुखपुर पंचायत के विभिन्न गाँवों में जन संपर्क के दौरान ह्यमाई बहन मानह्ल योजना चौपाल को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव के बाद महागठबंधन की सरकार बनती है, तो राज्य के सभी वर्गों की महिलाओं को माई बहन मान योजना के तहत हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी । कार्यक्रम में मौजूद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सुपौल पर्यवेक्षक जितेश कुमार मिश्रा एवं श्रीमती ज्योति खन्ना ने केंद्र और राज्य की एनडीए सरकारों पर आरोप लगाया कि वे महिलाओं की भलाई को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं हैं। वहीं, कांग्रेस और महागठबंधन की पार्टियां महिलाओं के हक में ठोस कदम उठाना चाहती हैं । हम महिलाओं के आर्थिक तौर पर मजबूत बनाने हेतु प्रतिबद्ध हैं । पर्यवेक्षक द्वय ने आरोप लगाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की हालत बेहद खराब है और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन सरकार चुप है । पंचायती राज के जिला अध्यक्ष पीताम्बर पाठक ने कहा कि सुपौल का इलाका कोसी प्रभावित क्षेत्र है और यहाँ से बड़ी संख्या में लोग पलायन करने को मजबूर रहते है। रोजगार का कोई विकल्प नहीं है । महिलाएँ पूरी तरह से प्रदेश से बाहर कमा रहे परिवार के सदस्य पर आश्रित हैं जबकि इस क्षेत्र में यदि सरकार की इच्छा शक्ति मजबूत होती तो महिलाओं के लिए भी रोजगार के बहुत अवसर पैदा किए जा सकते हैं । कांग्रेस नेता नीतीश कुमार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष पप्पू वर्मा, सुनील सिंह, मनोज झा, संजय झा, अनिता देवी, रामपुकार सिंह, ललितेश्वर सिंह, किशोर सिंह, साकिब इकबाल, महेश यादव, कुंदन यादव समेत दर्जनों कार्यकर्ता एवं सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे ।

राज्यसभा सांसद प्रो मनोज कुमार झा ने मुख्यमंत्री से मिलकर चौसा को अनुमंडल का दर्जा दिलाने की बात कही

प्रात: किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) राज्यसभा सांसद प्रो मनोज कुमार झा ने सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर भागलपुर और पूर्णिया सीमा पर अवस्थित पिछड़ा बाढ़ग्रस्त और अविकसित मधेपुरा जिला का एकमात्र आकांक्षी प्रखंड चौसा को अनुमंडल का दर्जा दिलाने की बात कही है। प्रो झा ने ज्ञापन में कहा है कि कोसी का यह सीमावर्ती प्रखंड अनुमंडल की सभी मापदंड पूरा करती है, बावजूद वर्षों से सपना अधूरा है। उन्होंने कहा कि चौसा को अनुमंडल का दर्जा मिलने से कोसी की विभीषिका और गरीबी से जूझ रहे इलाके के लाखों लोगों को मुख्य धारा से जुड़ने का अवसर मिलेगा। चौसा को अनुमंडल बनाए जाने को लेकर वहां के ग्रामीण, बुद्धिजीवी एवं गणमान्य लोग वर्षों से संघर्षरत हैं इस बात को लेकर लोगों में खुशी की सुगबुगाहट शुरू हो गई है।

लखीसराय में इंडिया महागठबंधन जिला इकाई समन्वय समिति की हुई बड़ी बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

लखीसराय। शहर के पुरानी बाजार संतर मुहल्ला स्थित जिला कम्युनिस्ट कार्यालय में मंगलवार को इंडिया महागठबंधन जिला इकाई समन्वय समिति की बैठक संयोजक जितेंद्र कुमार के नेतृत्व व माकपा नेता मोती साव के अध्यक्षता में हुई। जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी व जिला के विभिन्न विभाग में व्यापक भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन की रणनीति पर चर्चा किया गया। बैठक की जानकारी देते हुए भाकपा नेता सह अधिवक्ता रजनीश कुमार ने बताया कि क्षेत्रीय समस्या जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, नली-गली, पानी, बिजली एवं आवास घोटाला की निष्पक्ष जांच और आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग के लिए सड़क पर उतरने का निर्णय लिया गया। जिला समाहरणालय पर एक विशाल धरना दिया जाएगा। दिन और समय 7 जून को महागठबंधन के बैठक में तय किया जाएगा। डीएम द्वारा शिक्षा माफिया के विरुद्ध की गई कार्रवाई पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि गठबंधन का प्रतिनिधिमंडल डीएम से मिलकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराएगा। बैठक में मुख्य पूर्व विधायक सह राजद नेता फुलेना सिंह, कांग्रेस जिलाध्यक्ष अमरेश कुमार अनिश, भाकपा जिला सचिव हर्षित यादव, भाकपा माले नेता चन्द्रदेव यादव एवं बराजद जिला उपाध्यक्ष प्रेम सागर यादव शामिल थे। नेताओं ने एक स्वर में बिहार सरकार को अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार बताया और मुख्यमंत्री को मानसिक रूप से असंतुलित करार बताया। आरोप लगाया कि राज्य सरकार के मंत्री एवं अधिकारी योजना संचालन के नाम पर फर्जी प्राक्कलन एवं मापी पुस्तिका के माध्यम से कमीशन वसूली में लिप्त है। लखीसराय और सूर्यगढ़ा विधानसभा के प्रतिनिधि पर भी सीधे भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि निर्धारित समय सीमा में संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई तो जिला प्रशासन का संचालन ठप्प कर दिया जाएगा।

कुमारी विनीता भारती में तेजस्वी यादव के पिता व लालू यादव के दादा बनने के खुशी में मधेपुरा में बांट रही है मिठाई

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा राष्ट्रीय जनता दल की प्रदेश उपाध्यक्ष कुमारी विनीता भारती बिहार विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के दोबारा पिता बनने के खुशी में और लालू यादव व राबड़ी देवी के दादा - दादी बनने के खुशी में मधेपुरा में महादलित बस्ती में पहुँचकर मिठाई बाटकर खुशियाँ मना रही है। मौके पर मौजूद कुमारी विनीता भारती ने कही की आज समूचे बिहार वासियों के लिए खुशियाँ का माहौल है जहाँ तेजस्वी दोबारा पिता बने हैं। इस बार बाल गोपाल का रूप धारण कर हनुमान जी के रूप में पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई है यह साल पुत्र की प्राप्ति मतलब राजयोग की प्राप्ति है। इस साल हर कार्य शुभ ही शुभ हो रहे हैं। आज हम सब राष्ट्रीय जनता दल के साथी खुशियाँ मना रहे हैं आज समूचे बिहार में खुशियाँ का माहौल है। विनीता भारती ने मधेपुरा नगर परिषद अंतर्गत वार्ड 2 के महादलित बस्ती में बच्चें - बूढ़े गार्जियन स्वरुप ईश्वर रुपी जनता को मिठाई खिलाकर खुशियाँ मना रही है।

कांग्रेसियों ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का मनाया पुण्यतिथि

प्रात: किरण संवाददाता

लखीसराय ! शहर के पुरानी बाजार चितरंजन रोड केएसएस कॉलेज स्थित कांग्रेस जिला कार्यालय में मंगलवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का 61वां पुण्यतिथि कांग्रेस जिलाध्यक्ष अमरेश कुमार अनीश के अध्यक्षता में मनाया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ता ने पंडित नेहरू के तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कर उन्हें नमन करते हुए देश के विकास व उत्थान में उनके गीत द्वारा किए गए कार्य का स्मरण किया। जिलाध्यक्ष अमरेश कुमार अनीश ने कहा कि आज हम सब यहां एक महान स्वतंत्रता सेनानी, दूरदर्शी नेता और बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू को याद करने के लिए इकट्ठा हुए हैं ।पंडित नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री व नेता थे जिनका सपना था। मजबूत आधुनिक और शिक्षित भारत का निर्माण। उन्होंने आजादी के बाद देश को दिशा दिया। विज्ञान, शिक्षा और लोकतंत्र की नींव को मजबूत किया। नेहरू जी कहते थे बच्चे आज का भारत हैं और भारत का भविष्य भी। इसलिए उन्हें बच्चे बहुत प्यारे थे। इसीलिए हम उन्हें चाचा नेहरू के नाम से भी जानते हैं। उनकी पुण्यतिथि पर हम संकल्प लें कि हम उनके दिखाए रास्ते पर चलेंगे, सच्चाई, मेहनत और सेवा को अपनाएंगे। भारत को एक बेहतर देश बनाने में अपना योगदान देंगे। चाचा नेहरू चले गए लेकिन उनके विचार, उनके सपने और उनका प्यार आज भी हमारे साथ है। उनकी पुण्यतिथि पर हमसब मिलकर उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं और उनके सपने को पूरा करने का संकल्प लेते हैं। मौके पर जयकिशोर यादव, प्रेम कुमार, बिरेन्द्र सिंह, भरत राम चंद्रवंशी, मधेश्वर सिंह, सदर प्रखंड अध्यक्ष महेस प्रसाद सिंह, राजकुमार पासवान, प्रदेश अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ महासचिव सुबीन वर्मा, अलखनिरंजन सिंह, दिनेश सिंह, अजय सिंह, विजय सिंह, संटू यादव एवं दयानंद दास सहित अन्य लोग मौजूद थे।

होटल प्रबंधन संस्थान में करियर निर्माण सीमाओं को तोड़कर परिवर्तन की नयी राह

नयी ऊर्जा से भरपूर वैश्विक आतिथ्य उद्योग के विस्तार के साथ भारत आतिथ्य के क्षेत्र में कुशल पेशेवर कर्मियों का शक्ति केंद्र बनने के लिए तैयार हो रहा है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाले होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) इस सिलसिले को आगे बढ़ाने में सबसे आगे हैं। इन संस्थानों को बहुत लंबे समय से उत्कृष्टता, व्यावहारिक प्रशिक्षण और विश्व स्तरीय पेशेवरों को तैयार करने की प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। इन संस्थानों में अब आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश शुरू हो गए हैं। ऐसे में इच्छुक छात्रों के लिए आतिथ्य के क्षेत्र में संतोषजनक करियर बनाने पर विचार करने का इससे बेहतर कोई और समय नहीं हो सकता है। होटल प्रबंधन संस्थान की विरासत पद्म श्री संजीव कपूर, शेफ मंजीत गिल, पुनीत चटवाल, रंजू एलेक्स, पद्म श्री शेफ दामू जैसी शख्सियतों से समृद्ध है। वास्तव में, अनुभवी और अपने क्षेत्र के दक्ष लोगों की यह सूची बहुत लंबी है। इसे और भी बढ़ाया जा सकता है और इसमें कई विख्यात मिशेलिन-सितारों और हस्तियों को शामिल किया जा सकता है। यह शानदार सूची आतिथ्य के क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान करने के मामले में न केवल भारत बल्कि संपूर्ण विश्व में होटल प्रबंधन संस्थान की गहरी पहुंच और व्यापकता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। देश भर के होटल प्रबंधन संस्थान परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं ताकि वे राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक स्तर पर उद्योग जगत की मांगों की पूर्ति के अधिक करीब हो सकें। सरकारी दिशा-निर्देशों और उद्योग जगत की प्रतिक्रिया के आधार पर तेजी से लाए जा रहे परिवर्तनों के साथ इन संस्थानों में बेहतरीन रूप से प्रभावशाली शिक्षण वातावरण विकसित किया जा रहा है जिसमें न केवल छात्रों को शिक्षित किया जा सके बल्कि आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सक्षम होने हेतु प्रेरित भी किया जा सके। उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करना होटल प्रबंधन संस्थान आतिथ्य उद्योग के साथ संबंधों को मजबूत कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जो कुछ छात्रों को पढ़ाया और सिखाया जा रहा है उसमें उद्योग की अपेक्षाएं प्रदर्शित हों। इस तरह की साझेदारी से पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता बढ़ती है, छात्रों को उद्योग जगत का मूल्यवान अनुभव प्राप्त होता है और रोजगार के लिए उनका आसानी से प्लेसमेंट सुनिश्चित होता है। इस प्रयास में ताज, मैरियट, ओबेरॉय, आईटीसी जैसे होटल ब्रांड और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सक्रियता से सहयोग कर रहे हैं। वे इंटर्नशिप, भर्ती सहायता और मेंटरशिप के अवसर प्रदान कर रहे हैं। केंद्रीय होटल प्रबंधन संस्थानों और प्रमुख होटल श्रृंखलाओं के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर इस सहयोग को और मजबूत करता है जिससे छात्रों को सुव्यवस्थित तरीके से संकाय-उद्योग संपर्क, संयुक्त रूप से अनुसंधान और सीखने के व्यावहारिक अनुभव के लाभ मिल पाते हैं। पाठ्यक्रम अद्यतन करने के लिए कार्य बल एक समर्पित कार्य बल ने नए-नए विषयों को शामिल करने के लिए होटल प्रबंधन संस्थानों के पाठ्यक्रम को संशोधित किया है ताकि उन्हें भविष्य के लिए तैयार रहने योग्य बनाया जा सके। इसमें आतिथ्य के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग, डिजिटल मार्केटिंग, सतत पर्यटन से लेकर सांस्कृतिक विविधता प्रबंधन तक विभिन्न विषय शामिल किए गए हैं। इस तरह यह पाठ्यक्रम अब यह दर्शाता है कि 21वीं सदी में कार्य करने वाले कर्मियों की आवश्यकताएं क्या होंगी। छात्रों को न केवल मुख्य तौर पर होटल संचालन में बल्कि व्यवहार कुशलता, उद्यमिता और उभरती हुई तकनीकों में भी प्रशिक्षित किया जाता है। ये ऐसे कौशल हैं जो उन्हें बहुमुखी और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धा में शामिल होने के योग्य बनाते हैं। प्रवेश में वृद्धि के लिए उठाए गए कदम होटल प्रबंधन संस्थानों ने इस क्षेत्र में काम करने की अधिक सामर्थ्य और संभावना वाले छात्रों को आकर्षित करने की आवश्यकता की पहचान करते हुए प्रवेश में वृद्धि के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया है। इनमें शामिल हैं: विद्यालयों और कैरियर मेलों में जागरूकता अभियान। आतिथ्य शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने के लिए मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंच।

आतंक पर भारी है, बाड़मेर-सिंध बॉर्डर पर हिन्दू-मुस्लिम रिश्तों की मिसाल

जितेन्द्र कुमार सिन्हा,

21 मई को देशभर में आतंक विरोधी दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि आतंकवाद किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है और एकजुट समाज ही इसकी सबसे बड़ी ताकत होती है। इस मौके पर हम भारत-पाक सीमा पर स्थित एक ऐसे इलाके की बात कर रहे हैं, जो देश के लिए मिसाल है। यह इलाका है राजस्थान का बाड़मेर जिला, जो पाकिस्तान के सिंध प्रांत से सटा हुआ है। यहां हिन्दू और मुसलमानों के रिश्ते इतने मजबूत और गहरे हैं कि आतंकवाद यहां कभी जड़ें नहीं जमा पाया। 1947 में जब भारत का विभाजन हुआ, तो सिंध प्रांत पाकिस्तान में चला गया। लेकिन इसकी सांस्कृतिक डोर बाड़मेर, जैसलमेर और गुजरात के कच्छ क्षेत्र से अब भी जुड़ी हुई है। भारत में बाड़मेर और पाकिस्तान में सिंध के लोग आज भी रिश्तेदार, साझी विरासत और परंपराओं में बंधे हैं। यहां की खास बात यह है कि दोनों ओर के हिन्दू और सिंधी मुसलमानों में अब भी रोटी-बेटी का संबंध है। बाड़मेर के कई गांवों में मुसलमान अपने घर की गाय को ह्लअम्माह्व कहते हैं। वे हिन्दू त्योहारों में शरीक होते हैं, और हिन्दू परिवार ईद पर उनके घर जाते हैं। यह आपसी प्रेम ही है जो धर्म से ऊपर इंसानियत को रखता है, और आतंक की जहरीली सोच को यहां पनपने नहीं देता है। यहां के गांवों में हिन्दू और मुसलमान मिलकर होली, दीवाली, ईद और मोहर्रम मनाते हैं। जब किसी परिवार में शादी होती है तो पूरा गांव मेहमान बनता है, चाहे वह किसी भी धर्म का क्यों न हो। गफूर अहमद, बुरहान का तला गांव के बुजुर्ग, बताते हैं, ह्लहम गाय को अम्मा कहते हैं। हमारे गांव में किसी ने कभी सांप्रदायिक बात नहीं की। अगर कोई मुसाफिर रात में कहीं भी रुक जाए, तो हिन्दू और मुसलमान दोनों ही पहले उसे खाना और पानी देंगे। बाड़मेर और सिंध का अधिकतर इलाका रेगिस्तान है। यहां आबादी छितरी हुई है। ऊबड़-खाबड़ जमीन, तेज गर्मी और जल संसाधनों की कमी की वजह से यह क्षेत्र आतंकवादियों के लिए मुफीद नहीं है। सिंध प्रांत में पाकिस्तान के अन्य क्षेत्रों की तुलना में सबसे अधिक हिन्दू आबादी है। वहीं, बाड़मेर के मुसलमान राष्ट्रभक्त और जागरूक हैं। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की बार-बार कोशिशों के बावजूद उन्हें यहां कोई समर्थन नहीं मिला। सिंध क्षेत्र में भारत समर्थक कई हिन्दू परिवार रहते हैं, जिनके रिश्तेदार भारत में हैं। किसी भी असामान्य गतिविधि की जानकारी भारत तक जल्द पहुंचती है। 1965 में पाकिस्तान ने भारत पर युद्ध थोपने की कोशिश की थी। लेकिन बाड़मेर से भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया था। भारत की सेना सुंदरा तक घुस गई थी और दुश्मन को पीछे धकेल दिया था। 1971 में जब बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई के दौरान पाकिस्तान ने फिर भारत पर हमला किया था, तब भी भारतीय सेना ने बाखासर से कूच कर करीब 8000 वर्ग किलोमीटर सिंध की जमीन पर कब्जा कर लिया था। यह युद्ध भारत की निर्णायक जीत थी और इसमें बाड़मेर सीमा का विशेष योगदान रहा था। 1999 में जब कारगिल में पाकिस्तान ने गुपचुप घुसपैठ की, तब बाड़मेर सीमा पूरी तरह शांत रही। पाकिस्तान ने यहां बढ़ने की कोशिश तक नहीं की। यह भारत की सीमा सुरक्षा और स्थानीय आबादी की देशभक्ति का प्रमाण है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी क्रकने कई बार इस क्षेत्र में हेरोइन, हथियार और जासूसी नेटवर्क बनाने की कोशिश की। लेकिन हर बार भारत की एजेंसियों और स्थानीय लोगों ने मिलकर इन साजिशों को नाकाम कर दिया। सीमा पार से तस्करी का प्रयास करने वाले कई बार पकड़े गए हैं। बाड़मेर की इरत्रऔर स्थानीय पुलिस ने मिलकर कई ऑपरेशन चलाए, जिनमें तस्करों को जेल की हवा खानी पड़ी। यहां के सिंधी मुसलमान खुद पाकिस्तान की साजिशों के खिलाफ हैं। वे न सिर्फ इन गतिविधियों में शामिल नहीं होते, बल्कि सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट भी करते हैं बाड़मेर और सिंध के लोगों की साझी भाषा सिंधी है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव न सिर्फ बातचीत को सहज बनाता है, बल्कि दिलों को भी जोड़ता है। यहां के लोकगीतों में सरहदों के पार के रिश्तों की झलक मिलती है। विवाह, तीज-त्योहार और अन्य सामाजिक अवसरों पर लोकसंगीत से बंधा यह समाज अपने साझा अतीत को जीता है।

कई ओबीसी जातियों पर होगा क्रीमी लेयर और जाति गणना का प्रभाव

हाल ही में, केंद्र सरकार ने 2025 में होने वाली जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल करने की घोषणा की है। यह निर्णय सामाजिक न्याय और नीतिगत योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए लिया गया है। जाति जनगणना का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक जाति की जनसंख्या, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और शैक्षिक स्तर का सटीक डेटा एकत्र करना है। इससे सरकार को यह समझने में मदद मिलेगी कि कौन सी जातियां वास्तव में पिछड़ी हैं और किन्हें आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। क्रीमी लेयर और जाति जनगणना का संयुक्त प्रभाव भारत में ओबीसी आरक्षण नीति को नया आकार दे सकता है। यह प्रक्रिया कुछ प्रभावशाली ओबीसी जातियों के लिए चुनौतियां ला सकती है जिन्हें ओबीसी सूची से बाहर करने या क्रीमी लेयर के कारण लाभ से वंचित करने का दबाव बढ़ सकता है। दूसरी ओर, यह उन अति पिछड़ी जातियों के लिए अवसर प्रदान कर सकता है जो अभी तक आरक्षण के लाभ से वंचित रही हैं हालांकि इस प्रक्रिया में कई चुनौतियां हैं जिनमें आंकड़ों की विश्वसनीयता, राजनीतिक दुरुपयोग, और सामाजिक तनाव शामिल हैं।

संदीप सृजन

(लेखक)

भारत में जाति आधारित जनगणना का मुद्दा लंबे समय से राजनीतिक और सामाजिक बहस का केंद्र रहा है। 1931 के बाद, भारत में व्यापक जाति जनगणना नहीं हुई है। 2011 की जनगणना में सामाजिक-आर्थिक और जाति सर्वेक्षण (रएउउ) किया गया था लेकिन इसके आंकड़े पूरी तरह से सार्वजनिक नहीं किए गए। हाल ही में, केंद्र सरकार ने 2025 में होने वाली जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल करने की घोषणा की है। यह निर्णय सामाजिक न्याय और नीतिगत योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए लिया गया है। जाति जनगणना का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक जाति की जनसंख्या, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और शैक्षिक स्तर का सटीक डेटा एकत्र करना है। इससे सरकार को यह समझने में मदद मिलेगी कि कौन सी जातियां वास्तव में पिछड़ी हैं और किन्हें आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। क्रीमी लेयर और जाति जनगणना का संयुक्त प्रभाव भारत में ओबीसी आरक्षण नीति को नया आकार दे सकता है। यह प्रक्रिया कुछ प्रभावशाली ओबीसी जातियों के लिए चुनौतियां ला सकती है जिन्हें ओबीसी सूची से बाहर करने या क्रीमी लेयर के कारण लाभ से वंचित करने का दबाव बढ़ सकता है। दूसरी ओर, यह उन अति पिछड़ी जातियों के लिए अवसर प्रदान कर सकता है जो अभी तक आरक्षण के लाभ से वंचित रही हैं हालांकि इस प्रक्रिया में कई चुनौतियां हैं जिनमें आंकड़ों की विश्वसनीयता, राजनीतिक दुरुपयोग, और सामाजिक तनाव शामिल हैं। सरकार को इन चुनौतियों का सामना करने के लिए पारदर्शी और समावेशी नीतियां अपनानी होंगी। भारत में सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा देने के लिए आरक्षण नीति एक महत्वपूर्ण उपकरण रही है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण, जो सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े समुदायों को समर्थन प्रदान करता है, 1991 में मंडल आयोग की सिफारिशों के आधार पर लागू किया गया था हालांकि हाल के वर्षों में क्रीमी लेयर की अवधारणा और जाति आधारित जनगणना जैसे मुद्दों ने ओबीसी आरक्षण नीति पर गहरा प्रभाव डाला है। क्रीमी लेयर और प्रस्तावित जाति जनगणना कई ओबीसी जातियों को प्रभावित कर सकती है जिसमें कुछ जातियों को ओबीसी सूची से बाहर करने की संभावना है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) भारत सरकार द्वारा सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े समुदायों को वर्गीकृत करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक सामूहिक शब्द है। मंडल आयोग (1980) ने अनुमान लगाया था कि भारत की कुल आबादी का लगभग 52% हिस्सा ओबीसी समुदायों का है। ओबीसी को सरकारी नौकरियों और शैक्षिक संस्थानों में 27% आरक्षण प्रदान किया जाता है। इस वर्ग के भीतर असमानता को दूर करने के लिए ह्यक्रीमी लेयरह्ण की अवधारणा शुरू की गई। क्रीमी लेयर उन ओबीसी व्यक्तियों या परिवारों को संदर्भित करता है जो आर्थिक और सामाजिक रूप से अपेक्षाकृत समृद्ध हैं और इसलिए आरक्षण के लाभ के लिए प्राथमिकता के पात्र नहीं माने जाते। 1993 में सुप्रीम कोर्ट के इंद्रा साहनी मामले में दिए गए फैसले के बाद क्रीमी लेयर की पहचान के लिए मानदंड स्थापित किए गए। वर्तमान में, क्रीमी लेयर की आय सीमा 8 लाख रुपये प्रति वर्ष है, और इसमें उच्च सरकारी पदों पर कार्यरत व्यक्तियों के परिवार भी शामिल हैं। क्रीमी लेयर की अवधारणा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे जो वास्तव में सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हैं। इस नीति ने कई ओबीसी जातियों के बीच असंतोष पैदा किया है, खासकर उन जातियों में जो आर्थिक रूप से उन्नत हो चुकी हैं। क्रीमी लेयर की आय सीमा को समय-समय पर संशोधित किया जाता है। हाल के वर्षों में इसे 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये किया गया है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि जाति जनगणना के बाद क्रीमी लेयर के मानदंडों को और सख्त किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, आय के साथ-साथ शैक्षिक योग्यता, संपत्ति और सामाजिक स्थिति जैसे अन्य कारकों को भी शामिल किया जा सकता है। इस तरह के बदलाव उन ओबीसी जातियों को प्रभावित कर सकते हैं जो आर्थिक रूप से समृद्ध हो चुकी हैं।कुछ जातियों ने सरकारी नौकरियों में ओबीसी कोटे का बड़ा हिस्सा हासिल किया है। यदि क्रीमी लेयर के मानदंड सख्त होते हैं तो इन जातियों के कई परिवार आरक्षण के लाभ से वंचित हो सकते हैं। कई ओबीसी जातियों को सूची से बाहर करने या क्रीमी लेयर के कारण लाभ से वंचित करने का सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव भी हो सकता है। उत्तर भारत में, खासकर उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में, यादव और कुर्मी जैसी जातियां राजनीतिक रूप से प्रभावशाली हैं। यदि इन जातियों को ओबीसी सूची से हटा दिया जाता है तो यह उनके राजनीतिक प्रभाव को कम कर सकता है और क्षेत्रीय राजनीति में नए समीकरण पैदा कर सकता है। इसके अलावा यह कदम सामाजिक तनाव को भी बढ़ा सकता है। कुछ जातियां यह तर्क दे सकती हैं कि उन्हें सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है भले ही वे आर्थिक रूप से समृद्ध हों। जाति जनगणना और क्रीमी लेयर नीति से संबंधित कई चुनौतियां और विवाद हैं। जाति जनगणना एक जटिल प्रक्रिया है और इसके आंकड़ों की विश्वसनीयता पर सवाल उठ सकते हैं। 2011 के रएउउ में तकनीकी खामियां पाई गई थीं जिसके कारण इसके आंकड़े उपयोगी नहीं माने गए। कुछ आलोचकों का मानना है कि जाति जनगणना का उपयोग राजनीतिक दलों द्वारा वोट बैंक को मजबूत करने के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, कुछ दल प्रभावशाली ओबीसी जातियों को लाभ पहुंचाने के लिए नीतियों में बदलाव कर सकते हैं। जाति जनगणना से समाज में जातिगत आधार पर विभाजन बढ़ सकता है। यह सामाजिक एकता को नुकसान पहुंचा सकता है और सामाजिक तनाव को बढ़ा सकता है। यदि कुछ जातियों को ओबीसी सूची से हटाया जाता है तो यह कानूनी चुनौतियों को जन्म दे सकता है। प्रभावित समुदाय कोर्ट में जा सकते हैं, जिससे नीतिगत बदलाव में देरी हो सकती है। जाति जनगणना और क्रीमी लेयर नीति का भविष्य कई कारकों पर निर्भर करेगा। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि जनगणना के आंकड़े पारदर्शी और विश्वसनीय हों। साथ ही, क्रीमी लेयर के मानदंडों को इस तरह से संशोधित करना होगा कि यह सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को बढ़ावा दे। समाज को यह समझने की जरूरत है कि आरक्षण का उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा देना है। इसके लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं। जाति जनगणना और क्रीमी लेयर नीति पर सभी राजनीतिक दलों की सहमति जरूरी है। यह सुनिश्चित करेगा कि नीतियां दीर्घकालिक और प्रभावी हों।

पर्यावरण-चिंतन: अंधड़, बारिश और चेतावनी: बदलता मौसम, बिगड़ता संतुलन

एक ओर जहां लोगों को चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली, वहीं दूसरी ओर भीषण बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। मई महीने में जब उत्तर भारत 44-45 डिग्री सेल्सियस की झुलसाने वाली गर्मी के लिए जाना जाता है, ऐसे समय में अचानक ऐसे तूफान, तेज बारिश और ओलावृष्टि जैसे दृश्य आमतौर पर मानसून के चरम काल में भी दुर्लभ होते हैं। हालांकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस तूफान से पहले ही रेड अलर्ट जारी कर दिया था परंतु तूफान की तीव्रता और व्यापक प्रभाव ने पारंपरिक मौसमी पूवार्नुमानों को भी पीछे छोड़ दिया। रविवार की देर रात तेज हवाओं ने पूरे दिल्ली-एनसीआर में अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया। पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा से तेजी से बढ़ते तूफानी बादल महज कुछ ही घंटों में दिल्ली-एनसीआर की ओर आ गए। आसमान में अचानक तेज बिजली चमकने लगी, फिर गरज के साथ बारिश शुरू हुई और देखते ही देखते स्थिति एक शक्तिशाली तूफान में बदल गई।

24-25 मई की रात उत्तर भारत के लिए एक बार फिर ऐसी रात बनकर आई, जिसने न केवल दिल्ली-एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर भारत को झकझोरकर रख दिया। इस प्रचंड मौसमीय तांडव ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया बल्कि एक बार फिर यह संकेत दे दिया कि अब मौसम चक्रों में स्थायित्व नहीं रहा और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से हमारे सिर पर मंडरा रहा है। एक ओर जहां लोगों को चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली, वहीं दूसरी ओर भीषण बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। मई महीने में जब उत्तर भारत 44-45 डिग्री सेल्सियस की झुलसाने वाली गर्मी के लिए जाना जाता है, ऐसे समय में अचानक ऐसे तूफान, तेज बारिश और ओलावृष्टि जैसे दृश्य आमतौर पर मानसून के चरम काल में भी दुर्लभ होते हैं। हालांकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस तूफान से पहले ही रेड अलर्ट जारी कर दिया था परंतु तूफान की तीव्रता और व्यापक प्रभाव ने पारंपरिक मौसमी पूवार्नुमानों को भी पीछे छोड़ दिया। रविवार की देर रात तेज हवाओं ने पूरे दिल्ली-एनसीआर में अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया। पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा से तेजी से बढ़ते तूफानी बादल महज कुछ ही घंटों में दिल्ली-एनसीआर की ओर आ गए। आसमान में अचानक तेज बिजली चमकने लगी, फिर गरज के साथ बारिश शुरू हुई और देखते ही देखते स्थिति एक शक्तिशाली तूफान में बदल गई। हवा की रफ्तार इतनी अधिक थी कि कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए, ट्रैफिक सिग्नल गिर गए, बिजली के खंभे झुक गए और कई वाहनों को क्षति पहुंची। आईएमडी के अनुसार, इस दौरान हवा की गति 60 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच गई थी और कुछ स्थानों पर तो यह इससे भी अधिक रिकॉर्ड की गई। केवल दिल्ली ही नहीं, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे एनसीआर के प्रमुख शहरों में भी हालात कुछ अलग नहीं थे। गुरुग्राम में तेज हवा के कारण कई जगहों पर निमार्णाधीन साइटों की छतें उड़ गई जबकि नोएडा में एक निमार्णाधीन बिल्डिंग की क्रेन गिरने से दो लोग घायल हो गए। उत्तर भारत के अन्य भागों, जम्मू, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान में भी यह तूफान तबाही लेकर आया। जगह-जगह सैंकड़ों पेड़ उखड़ गए, जिससे कई जगहों पर सड़कों का संपर्क टूट गया। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बादल फटने की घटना भी सामने आई, जहां सात वाहन बह गए और कई अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। पंजाब में वर्षाजनित हादसों में कुछ लोगों की मौत की भी पुष्टि हुई। खेतों में काम कर रहे किसान तेज आंधी की चपेट में आ गए। इससे पहले 21 मई को भी शाम के समय अचानक दिल्ली-एनसीआर का मौसम बदल गया था और अचानक बदले मौसम के बीच भीषण आंधी-तूफान और ओलावृष्टि ने जमकर तबाही मचाई थी। तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि नोएडा, गाजियाबाद सहित देश के कई राज्यों में लोगों के लिए मुसीबत बन गया था। उस दौरान हुए हादसों में 7 लोगों की जान चली गई थी और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि देशभर में करीब 26 लोगों की मौत होने की सूचना मिली थी। इस साल मई महीने की शुरूआत ही इसी प्रकार के अप्रत्याशित मौसमी बदलावों के साथ हुई थी। 2 मई की सुबह दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में तेज आंधी, बारिश और तूफान जैसी स्थिति बनी थी। दिल्ली में उस दिन 78 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चली थी और बारिश के साथ भारी नुकसान हुआ था। पेड़ उखड़ गए थे, बिजली की आपूर्ति बाधित हुई थी और तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि उस समय भी लोगों को थोड़ी राहत महसूस हुई थी लेकिन इस बार मई के अंत में आया यह तूफान कहीं अधिक गंभीर और व्यापक प्रभाव वाला था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब केवल सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं हैं बल्कि जलवायु परिवर्तन के गहरे संकेत हैं। दिल्ली सहित समूचे उत्तर भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यावरणीय असंतुलन अब मौसम चक्रों को अस्थिर कर रहा है। ह्यशहरी हीट आइलैंडह्ण प्रभाव के चलते रात के तापमान में गिरावट नहीं होती और वातावरण की ऊष्मा बढ़ती जाती है। कंक्रीट, एस्फाल्ट और अन्य मानव निर्मित सतहें सूरज की ऊष्मा को अवशोषित कर लेती हैं और धीरे-धीरे उसे छोड़ती हैं, जिससे रात में भी वातावरण गर्म बना रहता है। 2 मई की सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि सामान्यतः ऐसी बारिश के बाद तापमान 18-20 डिग्री तक गिर जाता है। मौसम विभाग ने इस बार के तूफान के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली नम हवाओं के संगम को कारण बताया है। आमतौर पर पश्चिमी विक्षोभ नवंबर से अप्रैल के बीच सक्रिय रहता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह मई-जून में भी सक्रिय रहने लगा है, जो वैश्विक तापमान वृद्धि का संकेत है। यह संकेत स्पष्ट करता है कि पारंपरिक मौसम चक्रों में अब स्थायित्व नहीं रहा और मौसम की गतिविधियां अधिक अनियमित और अस्थिर होती जा रही हैं। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं जब पश्चिमी विक्षोभ से टकराती हैं तो वह एक संगठित मौसमी प्रणाली का निर्माण करती हैं, जिससे उत्तर भारत में भारी वर्षा, तेज हवाएं और ओलावृष्टि होती है। यह आमतौर पर मानसून के मध्य चरणों में होता है लेकिन मई की शुरूआत में या मई के अंतिम सप्ताह में इस प्रकार की घटनाएं असामान्य हैं, जिनसे यह सिद्ध होता है कि मौसमी प्रवृत्तियों की दिशा अब बदल रही है। कृषि क्षेत्र पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। इस समय अधिकांश क्षेत्रों में मूंग, सब्जियां, तरबूज, खरबूजा और अन्य ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती होती हैं। तेज हवाएं, ओलावृष्टि और बारिश इन फसलों को नुकसान पहुंचाती हैं। बिहार, हरियाणा और राजस्थान के किसानों ने फलों और सब्जियों के खराब होने की शिकायत की है। इससे न केवल किसानों की आमदनी प्रभावित होती है बल्कि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और खुदरा बाजारों में कीमतों पर भी इसका व्यापक असर पड़ सकता है।

परीक्षा प्रणाली या सामाजिक भ्रमजाल

शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा गया है। यह व्यक्ति के ज्ञान, विवेक, सृजनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का माध्यम रही है। लेकिन आज की तारीख में यह उद्देश्य कहीं पीछे छूट गया है। शिक्षा अब एक ह्यअंक-उद्योगह्ण में तब्दील हो चुकी है, जहां ज्ञान की बजाय नंबर ही सफलता का पर्याय बन गए हैं। अब यह न तो चरित्र निर्माण का साधन रही, न ही सामाजिक चेतना का उपकरण। यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को अंक-दौड़ की एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में धकेलने वाला शोषण तंत्र बन गई है। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45,516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है। वहीं 1,99,944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं, तो व्यवस्था मौन हो जाती है। यह एक साजिशन खड़ा किया गया भ्रमजाल है, जो शिक्षा को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बजाय एक कृत्रिम दौड़ में तब्दील कर रहा है। शिक्षा के इस व्यवसायीकरण की गहराई को समझने के लिए जरूरी है कि हम उस ढांचे को देखें जिसमें यह सब संचालित हो रहा है। 2019 में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त कुल 22,030 स्कूलों में से लगभग 80 प्रतिशत स्कूल निजी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस आंकड़े में केवल 1,138 केंद्रीय विद्यालय, 2,727 सरकारी स्कूल, 598 नवोदय विद्यालय और 14 तिब्बती स्कूल शामिल हैं, जबकि शेष 17,553 निजी स्कूल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा निजीकरण के दबाव में है, जहां शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि परिणामों की संख्या मायने रखती है और जब यही ह्यअंकवीरह्ण छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, जेईई या नीट में पहुंचते हैं, तो उनकी वास्तविक योग्यता सामने आ जाती है। उदाहरण के लिए, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2019 में लगभग 11.35 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से मात्र 11,474 छात्र ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच सके। यही हाल साल 2024 का रहा। इस वर्ष लगभग 13.4 लाख छात्रों में से सिर्फ 14,627 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुंचे। यानि बोर्ड परीक्षा के हाई स्कोरर प्रीलिम्स की पहली कसौटी पर ही फेल हो जाते हैं। यह दशार्ता है कि बोर्ड परीक्षाओं में मिलने वाले ऊंचे अंक असल में बौद्धिक क्षमता या विषय की समझ का पैमाना नहीं हैं। यह मूल्यांकन प्रणाली रटंत विद्या, तयशुदा उत्तरों और सजावटी भाषा पर आधारित है, जिसमें मौलिक सोच और विश्लेषण की कोई जगह नहीं। यह समस्या केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिकता पूरे उत्तर भारत के शैक्षणिक वातावरण में व्याप्त है। स्कूलों में अब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना नहीं, बल्कि अच्छे परिणामों के जरिए स्कूल का नाम रौशन करना बन गया है। इसके उलट, दक्षिण भारत की तस्वीर अपेक्षाकृत बेहतर है। वहां के माता-पिता शिक्षा को केवल अंक पाने के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और कौशल निर्माण के रूप में देखते हैं। यही कारण है कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक जैसे राज्यों के छात्र राष्ट्रीय परीक्षाओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वहां की शिक्षा प्रणाली में केवल परीक्षाफल नहीं, बल्कि सोचने-समझने की क्षमता, व्यवहारिकता और नवाचार को भी महत्व दिया जाता है। उत्तर भारत के अधिकतर स्कूलों में शिक्षण अब गाइडबुक, मॉडल पेपर और स्मार्ट आंसर पर आधारित हो गया है। शिक्षक भी केवल परिणाम उन्मुख होकर पढ़ाते हैं, क्योंकि उनके मूल्यांकन का आधार भी अब बच्चों के अंक बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम बच्चों की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। नंबर की होड़ में बच्चों में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति, हीन भावना और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। शिक्षा अब ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि एक दौड़ बन गई है, जिसमें सबसे तेज दौड़ने वाला ही विजेता माना जाता है। यहां तक की कोचिंग टाउन बन चुके शहर कोटा, दिल्ली, पटना, प्रयागराज और इंदौर इस अंक-उद्योग की सबसे बड़ी मिसाल हैं। यहां छोटे-छोटे बच्चों से लेकर स्नातक विद्यार्थी तक ह्यरैंक मशीनह्ण बनने के लिए दिन-रात खप रहे हैं। यह एक सामाजिक दबाव का परिणाम है, जो विशेष रूप से उत्तर भारत में डॉक्टर-इंजीनियर बनने की लीक पर चलता है। वहीं दक्षिण भारत में शिक्षा के विविध विकल्पों, व्यावसायिक दक्षता और कौशल विकास को भी उतना ही महत्व मिलता है। यह सोच का फर्क है, जो वहां के छात्रों को तकनीकी और प्रशासनिक क्षेत्रों में मजबूत बनाता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस अंक-उद्योग की सबसे खतरनाक बात यह है कि यह छात्रों के भीतर सोचने, सवाल उठाने और नवाचार की प्रवृत्ति को कुचल देता है। शिक्षा का उद्देश्य विवेक, तर्क और संदेह की भावना का विकास था, पर अब यह केवल स्मृति और दोहराव पर आधारित हो गया है। मीडिया में टॉपर बच्चों के साक्षात्कार इस मानसिकता को और पुष्ट करते हैं, जहां दिन में 16 घंटे पढ़ना, दस साल के पेपर रटना और कई-कई किताबें घोंटना ही सफलता का मंत्र बताया जाता है। यह विचारणीय है कि क्या वास्तव में यही शिक्षा है?

झिलीया मुहल्ले के विकास के लिए 1.14 करोड़ से बनेगा मनोरम पार्क:गरिमा

पिछड़े मोहल्लों को विकास की मुख्य धारा में शामिल करने की योजना के तहत किया गया है चयन

● बोलीं महापौर कचरा प्रबंधन संयंत्र वाले भूखंड पर सामुदायिक उपयोग के लिए बनेगा बहुपयोगी भवन

● बोर्ड से पारित होकर प्रक्रियाधीन है 70 लाख से बनने वाले विशेष सामुदायिक भवन निर्माण का टेंडर

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र के सभी पिछड़े और नव विकसित मोहल्लों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करना हमारी प्राथमिकता है। इसी को लेकर नगर निगम बोर्ड के द्वारा झिलीया मुहल्ले को चुना गया है। जहां नगर निगम के निजी भूखंड को कुल 1,14,30,900 रुपए की लागत से सुंदर और मनोरम पार्क के रूप में विकसित करने की योजना को पारित और प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। जिसका डीपीआर बनाने का निर्देश नगर निगम कार्यालय के इंजीनियरिंग सेक्शन को दिया गया था। ताकि झिलीया जैसे अल्प विकसित और नए मुहल्ले को विकास की मुख्य धारा में शामिल किया जा सके। इसके साथ ही महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि इस क्षेत्र के लिए पूर्व में भी कचरा प्रबंधन संयंत्र वाले भूखंड पर सामुदायिक उपयोग का निर्णय नगर निगम बोर्ड द्वारा किया गया है। इसके लिए यहां करीब 70 लाख लागत वाली एक बहुपयोगी सामुदायिक एवं विवाह भवन निर्माण की योजना को स्वीकृति दी गई है। महापौर ने बताया कि विभागीय प्रावधान के तहत 70 लाख की लागत से बनने वाले उक्त विशेष सामुदायिक एवं विवाह भवन का निर्माण ई. टेंडरिंग विधि से प्रक्रियाधीन है।

कार्यशाला का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

परसा (सारण): प्रखंड के ई किसान भवन के सभागार में शारदीय खरीफ महाअभियान के तहत प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण सह कर्मशाला का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ बीडीओ राकेश कुमार बीएओ शिवजी पासवान ,पशुपालन पदाधिकारी मो कामरान,ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया । इस अवसर पर बीडीओ राकेश कुमार ने उपस्थित किसानों को खरीफ मौसम में ससमय बुआई कर अधिक पैदावार उपजाने के लिए जानकारियां दी। वहीं उपादान व विहित अनुदान से किसानों को मिलने वाले लाभ को भी बताया । वहीं बीएओ शिवजी पासवान ने किसानों को जीरो टिलेज व सीड ड्रिल से धान की खेती करने ,जैविक खेती, शंकर धान व सुगंधित धान की खेती करने , जैविक खरीफ मक्का की खेती,खरीफ दलहन की खेती करने के लिए जानकारियां दी । इस अवसर पर बीस सूत्री सदस्य जितेंद्र सिंह,संतोष शर्मा,शीला सिंह दीक्षित, कृषि समन्वयक,सहायक तकनीकी प्रबंधक,किसान सलाहकार अर्जुन राम,राजेश कुमार,संजय मांझी,मधुरेश सिंह,रामविचार सिंह,राकेश द्विवेदी, प्रफुल्ल कुमार,संजय सहनी,अखिलेश रजक,दीनदयाल सिंह,राजीव कुमार,सहित कई किसान मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

वीटीआर के भालू थापा में चल रहा है कटाव निरोधी कार्य

बगहा। वाल्मीकि टाइगर के जंगल मे ऐसी कई पहाड़ी नदियां है जो जंगल को सींचती हुई चलती है ये पहाड़ी छोटी छोटी नदियां जंगली पेड़ पौधों को जीवन देती ही है साथ मे जंगली जानवरों को भी जीवन प्रदान करती है लेकिन बरसात के दिनों में अपने रौद्र और विकराल रूप से जंगलों में तांडव कर तबाही मचा देती है जगह जगह छोटी बड़ी पहाड़ी नदियां किनारों का कटाव कर जंगलों को नुकसान भी पहुंचा देते है। गोनौली रेंज के रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि वीटीआर जंगल स्थित भालू थापा में पहली बरसात में पहाड़ी नदी ने बड़ी तबाही की है ।जंगल की जमीन को कटाव से रोकने के लिए जिओ बैग से कैरेटिंग कार्य किए जा रहे है ।ताकि नदी से हो रहे कटान को रोका जा सके ।बतादें की पहाड़ी नदियों में बरसात के दिनों में काफी करेंट होता है जिससे कटाव ज्यादा होते हैं।

पुलिस ने तीन आरोपित को गिरफ्तार कर भेजा जेल

परसा। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने थाना क्षेत्र के पट्टी मुजौना गाव में छापेमारी करते हुए मारपीट के मामले में वर्षों से फरार चल रहे एक कोर्ट वारंटी को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार कोर्ट वारंटी थाना क्षेत्र के पट्टी मुजौना गाव निवासी स्व जलेश्वर राउत का पुत्र तेतर राउत बताया जाता है.वही चाँदपुरा में शराब पीकर हंगाम कर रहे दो शराबियो को गिरफ्तार कर उत्पाद अधिनियम के तहत सनहा दर्ज कर लिया.गिरफ्तार शराबियो में चाँदपुरा गाव निवासी जैनुदिन का पुत्र आजाद आलम व भुटेली महतो का पुत्र श्याम बाबू महतो बताया जाता है. संबंध में पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि सभी गिरफ्तार आरोपित को कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद छपरा व्यवहार न्यायालय भेज दिया गया है.

भाजपाइयों ने किया कार्यकारणी समिति का गठन

लहलादपुरः प्रखंड क्षेत्र के ससना गांव में भाजपाइयों ने प्रखंड स्तरीय कार्यकारणी समिति के गठन को लेकर एक बैठक किया. बैठक की अध्यक्षता अजय राय ने किया. बैठक में कार्यकारणी समिति के गठन को मजबूती प्रदान करने तथा बूथ स्तरीय कार्यो को निपटाने पर बल दिया गया. बैठक में सुरेशचंद्र चतुर्वेदी, हरेंद्र ठाकुर, हरिशंकर सिंह, राजेश प्रसाद, वीरेन्द्र कुमार मिश्र, सुमित पांडेय, अभिषेक श्रीवास्तव सहित दर्जनों ने भाग लिया.

सारण एसपी ने इसुआपुर के चौकीदार अमरनाथ को किया निलम्बित

इसुआपुर । इसुआपुर थाने में पदस्थापित चौकीदार अमरनाथ कुमार को वायरल आडियो के आधार पर निलंबित कर दिया गया है। पिछले दिनों एक आडिओ वायरल हुआ था। जिसमें चौकीदार अमरनाथ कुमार एक शराब व्यवसाई से बातचीत कर रहा था। जिससे शराब व्यापारी से सांठ गांठ की पुष्टि हुई है। इसी आधार पर सारण एसपी ने उसे निलंबित कर दिया है।

डॉ निशा का सारा आरोप बेबुनियाद है- डॉ रजनी

लहलादपुरः डॉक्ट निशा द्वारा लगाये गये सारे आरोप निराधार एवं बेबुनियाद हैं. वह सिस्टम एवं सर्कुलर से अपना योगदान नहीं कर रही है और इल्जाम पर इल्जाम लगाये जा रही है. उक्त बातें सीएससी, लहलादपुर की प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्ट रजनी कुमारी ने कही. उन्होंने कहा कि सीएससी में डॉक्टरों की काफी कमी है, यदि डॉक्ट निशा योगदान कर लेती तो काफी सहूलियत होती मगर डॉक्ट निशा सिस्टम से योगदान ही नहीं कर रही है. वह अपने योगदान करने की सूचना सीएस को दें तथा बिना बताये गैरहाजिर थी तो उस संबंध में भी एक आवेदन दे दें. अब प्रश्न यह उठता है कि डॉक्ट निशा अपना प्रभार किसी को दी नहीं तो डॉक्ट रजनी प्रभारी कैसे बनी तथा योगदान नहीं की तो 8 मई से 22 मई तक अपनी ड्यूटी कैसे निभायी और दूसरी तरफ जब सीएस के आदेश से डॉक्ट निशा के विरुद्ध सारा कार्य हो रहा है तो डॉक्ट रजनी दोषी कैसे हैं. यह मामला विभागीय तथा उच्च स्तरीय जांच का विषय है.

टिया हिंदी फिल्म के बाद अवधी भाषित टेली फिल्म गंगिया की शूटिंग वीटीआर में शुरू

बगहा। वाल्मीकिनगर की नगर वादियां फिल्मकारों को खूब भाने लगी है। हिंदी फिल्म टिया की शूटिंग अभी खत्म भी नहीं हुई कि अवधी भाषा मे बनने वाली टेली फिल्म गंगिया की शूटिंग ट्रिपल आरसी इंटरटेनमेंट बैनर तले स्थानीय कहानीकार और निर्देशक राहुल कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में शुरू हो गई है।बतादें की यह बेव सीरीज टेली फिल्म है जो दो पार्ट में बन रही है इस मे मुख्य कलाकार रुद्र तिवारी,निर्जला सिंह,चिराग पांडे,ऋतिक जयसवाल, ज्योति शेखर,शेखर श्रीवास्तव व स्थानीय कलाकार शंकर थापा मुख्य भूमिका में हैं। निमार्ता आशीष तिवारी और निर्देशक राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि फिल्म एकदम साफ सुथरी और नारी प्रदान टेली फिल्म है इस फिल्म की ज्यादातर शूटिंग वाल्मीकिनगर में कई जाएगी।

शराब निर्माण के खिलाफ सैकड़ों महिलाओं ने कसी कमर पुलिस के साथ चला रही सर्च अभियान

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। इलाके में शराब निर्माण के खिलाफ ग्रामीण महिलाएं गोलबंद होकर पुलिस के साथ सर्च अभियान चला रही है। शराबबंदी वाले बिहार की यह तस्वीर बगहा पुलिस जिला के सुदूर इलाके थरुहट की है। सैकड़ों की संख्या में महिलाएं गांवों में शराब निर्माण के ठिकानों तक पहुंचकर भट्ठियों को तहस नहस कर रही है। वर्षों से जो काम पुलिस नहीं कर पा रही थी वो बीड़ा अब महिलाओं ने अपने कंधे पर लिया है। पुलिस भी महिलाओं के साथ शराब के खिलाफ अभियान में शामिल है। सुंदरपुर और भालूटोला में शराब की अवैध भट्ठियों से बनने वाला शराब पीकर परिवार के पुरुषों के बहकने की आदत ने महिलाओं को मोर्चा खोलने के लिए मजबूर कर दिया।अब महिलाओं ने तय किया है कि किसी भी हाल में गांव में शराब न बनेगी और न बिकेगी। इस अभियान के दौरान सैकड़ों लीटर देशी शराब को बरामद कर नष्ट किया गया।

बेसिक स्काउट मास्टर एवम गाइड कैप्टेन कोर्स का हुआ समापन

प्रत्येक विद्यालय में गठन होगा भारत स्काउट और गाइड का यूनिट :डीईओ

छपरा कार्यालय। भारत स्काउट और गाइड सारण द्वारा आयोजित सात दिवसीय आवसीय बेसिक स्काउट मास्टर एवम गाइड कैप्टन कोर्स का विधिवत समापन किया गया।कैंप फायर में बतौर मुख्य अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी सारण विद्यानंद ठाकुर शामिल हुए।सात दिवसीय आवसीय शिविर में जिले के 65 उच्च/उच्चतर विद्यालय के शिक्षक एवम शिक्षिका शामिल हुए।सभी प्रतिभागी शिक्षक शिक्षिका प्रशिक्षण लेने के पश्चात अपने अपने विद्यालयो में भारत स्काउट और गाइड का दल गठन करके बच्चो को प्रशिक्षण देने का कार्य करेंगे।जिला शिक्षा पदाधिकारी सारण ने अपने संबोधन में कहा की भारत स्काउट और गाइड का प्रशिक्षण बच्चो के अंदर शारीरिक,मानसिक एवम नैतिक विकास करता है।जिले के सभी विद्यालयों में स्काउटिंग गाइडिंग गतिविधि अनिवार्य रूप से संचालित किया जाएगा। वही जिला मुख्य आयुक्त हरेंद्र प्रसाद सिंह ने समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा की इस प्रशिक्षण के पश्चात जिले के प्रत्येक विद्यालय में स्काउटिंग गाइडिंग गतिविधि को गति देने में आसानी होगी और प्रत्येक विद्यालय को स्काउट मास्टर एवम गाइड कैप्टेन मिल जाने से विद्यालयो में बच्चो को प्रशिक्षण बेहतर ढंग से दिया जा सकता है ।समापन समारोह को संबोधित करते हुए भारत स्काउट और गाइड सारण के उपाध्यक्ष डॉ० हरेंद्र सिंह ने कहा कि सारण बिहार में स्काउटिंग गाइडिंग गतिविधि में अव्वल जिला है,

अचानक आग लगने से घर दलान और बथान जलकर राख बेजुबान भी जले

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। बगहा के रामनगर स्थित खलवा टोला गाँव में अचानक आग लगने से अफरा तफरी मच गईं। आग की भयावह लपटें देख लोग बाल्टी और लोटा में पानी भरकर आग बुझाने के लिए दौड़ने लगें। इस आग लगने से एक घर दालान और बथांन जलकर राख हो गए हैं जबकि घर में रखें गए लाखों के सारे सामान समेत बेजुबान भी आग में जलकर खाक हो गए हैं। गोबर्धना थाना क्षेत्र के गुदगुद्दी पंचायत स्थित चमरडीहा बड़गांव खलवा टोला इलाके में हुईं अगलगी की घटना की सूचना मुखिया प्रमोद ठाकुर नें पुलिस प्रशासन कों दीं और मुखिया की सूचना पर पहुंची दमकल की टीम नें ग्रामीणों की सहयोग से फिलहाल आग बुझा लिया है। लेकिन अभी भी हवाओं के कारण घटना स्थल से धुएँ का गुब्बार निकल रहा है। आग लगने के कारणों का अब तक खुलासा नहीं हुआ है लेकिन आशंका खाना बनाने के दौरान आग लगने की जताई जा रही है। बतादें की मुखिया नें पहल कर तत्काल रामनगर अंचल और प्रखंड प्रशासन से क्षतिपूर्ति का आंकलन करवा कर अग्नि पीड़ित परिवार कों सरकारी राहत और मुआवजा दिलाने की कवायद शुरू कर दिया है। अग्नि पीड़ित हीरा गद्दी का पूरा परिवार चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी में खुले आसमान के निचे आ गया है लिहाजा मुखिया अपने स्तर से तत्काल मदद में जुटे हैं जबकि क्षतिपूर्ति का आंकलन कर आपदा प्रबंधन विभाग नें सरकारी मुआवजा दिलाने के लिए हल्का कर्मचारी कों जिम्मेवारी सौपा है।

नवनियुक्त शिक्षकों का एक समारोह के दौरान स्वागत और सम्मान किया गया

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। उत्क्रमित मध्यविद्यालय चम्पापुर गोनौली में स्वागत सह सम्मान समारोह आयोजित कर बीपीएससी टीआरई 3.0 से चयनित नवनियुक्त शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संगीत शिक्षक जयप्रकाश सागर के द्वारा स्वागत गीत व भजनों से की गई। पत्पश्चात सभी नवनियुक्त विद्यालय अध्यापक एवं अध्यापिकाओं का मुह मीठा कराते हुए संगीताचार्य श्री सागर के द्वारा कलम एवं डायरी देकर सम्मानित किया गया। सागर ने बताया कि शिक्षक की नौकरी केवल जीविकोपार्जन का साधन नही है अपितु अज्ञानता की अंधेरे को दूर कर समाज व देश को एक नई दिशा देने की जिम्मेवारी है। अगर सरकार ने हमें यह मौका दी है तो हमें भी पूरी निष्ठा व लगन से इस जिम्मेवारियों का निर्वहन करना है। बतादें की टीआरई 3.0 में कुल छः शिक्षक शिक्षिका विद्यालय में योगदान कर चके है ।इस मौके पर प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार गोंड,पंकज कुमार,रवि कुमार, संजय कुमार,कु.सुन्दरम,अमरेंद्र कुमार,अभय चौरसिया, विक्की कुमार,वर्षा कुमारी,मेनका कुमारी,श्वेता रश्मि,अर्चना कुमारी, प्रियंका कुमारी, प्रेम सागर कु.साह,मोतीलाल उरांव, मिथुन कुमार व आरबाज खान के साथ साथ विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे।

भारत सरकार के कार्यालय में चलता है दोहरा कानून

भारतीय डाक विभाग का प्रधान डाकघर बेतिया है गवाह

बेतिया। सम्पूर्ण भारत वर्ष में भले हीं बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की अध्यक्षता में गठित संविधान निमातृ समिति द्वारा निर्मित संविधान का अनुपालन हो रहा है। किंतु भारत सरकार के कार्यालय में दोहरे मापदंड के तहत कार्य किया जा रहा है। जिसका गवाह भारतीय डाक विभाग का प्रधान डाकघर बेतिया है। जानकार बताते हैं कि बिहार प्रदेश के जिला मुख्यालय बेतिया में संचालित उक्त डाकघर में विभाग में कार्यरत कर्मचारियों व उनके सगे संबंधियों सहित उनके विरादरी के लोगों के लिए तथा आम जनता के लिए अलग-अलग कानून है। तभी तो राष्ट्रीय बचत कार्यपालक पदाधिकारी पश्चिम चम्पारण बेतिया के कार्यालय से अधीकृत राष्ट्रीय बचत एवं महिला प्रधान अभिकताओं के हाथों विनियोग कार्य लेने में काउंटर कर्मियों द्वारा भेदभाव किया जा रहा है। नाम नहीं छापने की शर्त पर दर्जनाधिक अभिकताओं ने बताया कि प्रधान डाकघर बेतिया से सेवानिवृत्त डाक कर्मचारी विजय सिंह की पुत्रवधू रूबी सिंह, डाकिया राज कुमार के संबंधि विष्णु कुमार डाक कर्मचारी सह डाक कर्मचारी यूनियन के नेता सुनील दुबे की सगी साली सुभद्रा देवी के नाम से राष्ट्रीय बचत कार्यपालक पदाधिकारी पश्चिम चम्पारण बेतिया के कार्यालय से प्राधिकृत राष्ट्रीय बचत अभिकर्ता का लाईसेंस निर्गत है। जबकि रूबी सिंह के लाईसेंस पर उनके पति रत्नेश कुमार उर्फ रौशन कुमार फिक्स डिपॉजिट से संबंधित तमाम कागजातों को भर कर देते हैं जिसका निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर काउंटर करते हैं। वहीं विष्णु कुमार के लाईसेंस पर डाकिया राज कुमार के पुत्र सुमन कुमार निर्भीक होकर करते हैं। डाक कर्मचारी सह डाक कर्मचारी यूनियन के प्रमंडलीय अध्यक्ष सुनील दुबे की सगी साली सुभद्रा देवी के लाईसेंस पर उनके पति सह पंडित राजकुमार शुक्ल महाविद्यालय सतवरिया के हिन्दी विभागाध्यक्ष व वरसर अखिलेश्वर कुमार पाण्डेय पूरे दिन प्रधान डाकघर बेतिया में बैठकर फिक्स डिपॉजिट से संबंधित आवेदन प्रपत्र भरने से लेकर निष्पादन करवाने तक का कार्य करते हैं।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे सारण के भोजपुरी कोकिल प्रो.सतीश

● भोजपुरी कोकिल प्रो .सतीश की साहित्यिक विकास यात्रा जयंती पर विशेष

प्रात: किरण संवाददाता

सतीश्वर सहाय वर्मा 'सतीश'

छपरा । सारण प्रमंडल के छपरा शहर अंतर्गत नवीगंज (दौलतगंज) मोहल्ला में 28 मई 1926 को जन्में सारण सपूत कविवर प्रो. सतीश्वर सहाय वर्मा उर्फ सतीश की जीवनी काफी दिलचस्प रही। कविवर सतीश हिन्दी-भोजपुरी के लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकार पिता स्व० जुगेश्वर सहाय (जेलर साहेब) माता स्वः रामतपी देवी के छोटे पुत्र के रूप में जन्म लिए। बचपन से स्वर्गवासी माई के मुख से सुनी पराती और भजन की अमिट छाप एवं भोजपुरी के एक स्वनामधन्य कवि के छपरा स्थित रतनपुरा में आयोजित कवि सम्मेलन में बेइज्जती देखकर आजीवन हिन्दी से मातृभाषा भोजपुरी में साहित्य रचना करने का संकल्प लिया। स्वभाव से संकोची एवं प्रचार से अलग रहने वाले व्यक्तित्व के धनी कवि सतीश पचास के दशक में हिन्दी कवि के रूप में स्थापित हो चुके थे। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एम.ए.की शिक्षा ग्रहण के उपरांत डॉ हरिवंश राय बच्चन, डॉ .राम कुमार वर्मा, महादेवी वर्मा , पंत, निराला के सान्निध्य एवं संपर्क में आ चुके थे। उस समय इनकी रचनाएं धर्मयुग, दैनिक आज, सहित हिन्दी के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओ में छपने लगी ।उनकी हिन्दी गीत उस पार बजाई तू ने याद की वंशी , इस पार हुआ राधा-सा व्याकुल मन। मोम-सी पिघली शरद की चाँदनी, जीवन का ले भार खड़ा मैं टूटे पुल का पाया हूँ इत्यादि रचनाएं आकाशवाणी ,इलाहाबाद ,वाराणसी, गोरखपुर एवं पटना से प्रसारित होने लगे थे। अब सतीश जी एक नई मुकाम हासिल कर कर चुके थे। 1952 में गौतम ऋषि उच्च विद्यालय, रिविलगंज ,छपरा में उप प्राचार्य के रूप में योगदान किए। 1974 में बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर में जब भोजपुरी भाषा के रूप में मान्यता मिली तब वे प्रथम वैतनिक व्याख्याता सह विभागाध्यक्ष के रूप में लंगट सिंह महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर में योगदान किए। सन 1949 में आकाशवाणी, पटना के चौपाल कार्यक्रम के अन्तर्गत लोकभाषा कविता पाठ करते हुए उनकी पहली एक भोजपुरी गीत दिनवा बीतल ओढ़ी कारी रे चदरिया , सुरुज लुकावेली सोनवा गगरीया ! प्रसारित हुई । उसके बाद भोजपुरी भाषा-साहित्य के अन्य विधाओं जैसे गजल, मौसमी गीत, नाटक, एकांकी, ललित निबंध इत्यादि का सफल लेखन किया। भोजपुरी नाटक माटी के दीया में घी के बाती काफी प्रसिद्ध एवं प्रकाशित हुई जो स्नातक के पाठ्यक्रम में चयनित था। 1972 में इस नाटक पर शिवबच्चन सिंह पुरस्कार भी प्राप्त हुए। प्राचार्य मनोरंजन बाबू के द्वारा दिये गये एवं सम्मानित भोजपुरी कोकिल के उपनाम से मृत्यु पर्यंत जाने गए।भोजपुरी - हिन्दी में गीतों का प्रथम संकलन कठपुतरी प्रकशित हुई। भोजपुरी गजल संग्रह जल के धारा में दीयना हीरा-मोती काव्य संग्रह,बिहार विश्वविद्यालय भोजपुरी गद्य-पद्म संग्रह में कई रचनायें संकलित हुई हैं। भोजपुरी जनपद, पहरूआ,अंजोर ,आर्यावर्त, आज इत्यादि पत्र पत्रिकाओं में लगातार छपते रहे। 1962 में माया नगरी बम्बई के निमार्ता-निर्देशक विनय सिन्हा के संपर्क में आए ।

नेत्र जांच शिविर का हुआ आयोजन

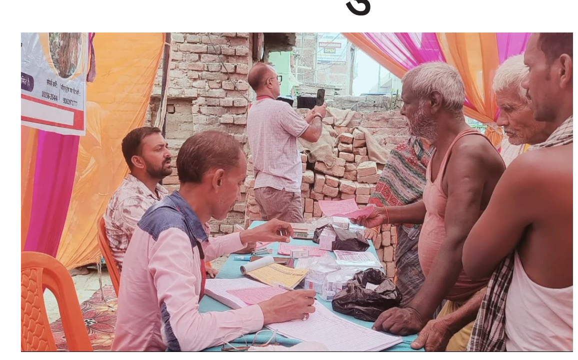

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय नेत्र जांच शिविर का किया गया उद्घाटन नगर निगम की उप मेयर रागनी कुमारी ,वार्ड पार्षद शुबी कुमारी और शहर के जानेमाने डॉ उदय पाठक एवम लायन्स आशुतोष कुमार के द्वारा इस मुफ्त नेत्र जांच कैम्प का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया गया अखण्ड ज्योति आई अस्पताल मस्तिचक के डॉक्टरों के द्वारा आंख में मरीजों को चेक कर उन्हें सही सलाह दिया गया शहर के वार्ड नंबर 40 की वार्ड पार्षद सुबी कुमारी के वार्ड में आज सुबह से नेत्र जांच कैम्प लगाकर सैकड़ो लोगो का आंख जांच कर उन्हें मुफ्त में दवाइयां भी दी गई। वही इस कैम्प से लोगो मे काफी खुशी देखी गई गई खासकर ऐसे लोगो ने अपना आंख जांच करवाया जो काफी आर्थिक रूप से कमजोर है ।वही नगर निगम की उप मेयर रागनी कुमारी ने बताया कि अखण्ड ज्योति आई हॉस्पीटल के द्वारा उन्हें इस तरह के सहयोग हमेशा मिलता रहता है अभी तक शहर के 9 वार्डो में इनके द्वारा नेत्र जांच कैम्प लगाकर हजारों मजबूर और गरीब लोगों के आंख की रौशनी मिली है और आगे भी शहर के सभी वार्डो में उप मेयर रागनी कुमारी एवम अखण्ड आई हॉस्पिटल के द्वारा कैम्प लगाया जाएगा जिससे आंख के मरीजों का समुचित इलाज हो सकेगा। वही इस मौके पर डॉ उदय पाठक,आशुतोष शर्मा,मनोज पाठक वार्ड पार्षद पति बिनय चौधरी अर्जुन सिंह शुशील कुमारसहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

लूट व गोलीकांड के पीड़ित स्वर्ण व्यवसायी के परिजनों से मिले सांसद सिग्रीवाल, अपराधियों की गिरफ्तारी व उनके संरक्षकों पर कार्रवाई की मांग

प्रात: किरण संवाददाता

एकमा। अज्ञात अपराधियों के द्वारा लूटपाट व गोली कांड के शिकार नगर पंचायत एकमा बाजार के मीठा बाजार महावीर स्थान के समीप संचालित राजलक्ष्मी ज्वैलर्स के संचालक स्वर्ण व्यवसायी पंकज वर्मा के परिजनों से मंगलवार की दोपहर में सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल मिले। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए घटना की कड़ी निंदा की। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। सांसद श्री सिग्रीवाल ने कहा कि एकमा बाजार में बढ़ते अपराध चिंताजनक हैं। उन्होंने डीआईजी सहित अन्य वरीय पुलिस अधिकारियों से बात कर जल्द से जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की। सांसद ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल अपराधियों को ही नहीं, बल्कि यदि उनके कोई संरक्षक हैं तो उन्हें भी चिन्हित कर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। इस दौरान सांसद सिग्रीवाल पीड़ित परिवार से मिल कर वरीय पुलिस अधिकारियों से फोन कर वार्ता की। जिसमें उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस तरह की घटनाओं को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा व दोषियों को सख्त सजा दिलवाई जाएगी। उन्होंने व्यवसाईयों की सुरक्षा के लिए आर्म्स लाइसेंस दिलवाने में मदद करने, बाजार में सीसीटीवी कैमरा लगवाने व सोने-चांदी की दुकानों वाले इलाके सहित एकमा के अन्य मुख्य कारोबार वाले बाजारों में सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल की तैनाती कराने की मांग भी पुलिस अधिकारियों से की है। इस अवसर पर लूट व गोली के शिकार पंकज वर्मा के पिता रवींद्र वर्मा, व्यवसायी अनिल वर्मा, श्रवण प्रसाद, मुकेश प्रसाद सोनी, भोला सोनी, कामेश्वर प्रसाद वर्मा, सुनील रस्तोगी, रवि महतो के अलावा भाजपा जिला उपाध्यक्ष चैतेंद्रनाथ सिंह, भाजपा नेता मुकेश कुमार सिंह, हेमनारायण सिंह, गौरव सिंह किशन, अमरजीत सिंह, चितरंजन सिंह, अविनाश चंद्र उपध्याय, संजय तिवारी आदि अन्य लोग मौजूद थे।

पंचायत समिति की बैठक का हुआ आयोजन,विधायक हुए शामिल

दरियापुर ।स्थानीय प्रखंड सभागार मे आयोजित पंचायत समिति की बैठक में स्थानीय राजद विधायक छोटेलाल राय ने उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों व पदाधिकारियों से विकास कार्य में तेजी लाने की अपील की ।उन्होंने नलजल, नली गली आदि योजनाओं पर विशेष ध्यान देने की अपील की ।विधायक ने कहा कि जनता जिन सपनों के साथ हमें यहां तक पहुंचाई है उन सपनों को साकार करना होगा ।उन्होंने सभागार भवन के ऊपर दूसरी मंजिल बनाने की घोषणा की ।करीब साढ़े ग्यारह बजे पंचायत समिति की बैठक शुरू हुई ।जो शाम तक चली ।उप प्रमुख अविनाश कुमार ने चर्चा में भाग लेते हुए हर पंचायतों में एक एक पुस्तकालय बनाने की मांग की ।अन्य सदस्यों ने भी स्वास्थ्य,शिक्षा,सरक,बिजली,नलजल,आंगनबाड़ी,जन वितरण आदि से संबंधित मुद्दों को उठाया ।जिस पर बीडीओ दीनबंधु दिवाकर ने सदस्यों को सुधार लाने का आश्वासन दिया ।कई अन्य योजनाओं पर भी चर्चा हुई। अध्यक्षता प्रमुख मालती देवी ने की व संचालन उप प्रमुख अविनाश कुमार ने किया ।बीडीओ दीनबंधु दिवाकर,प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह सहित सभी मुखिया, पंचायत समिति सदस्य व पदाधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

सदस्यता ग्रहण की

प्रात: किरण संवाददाता

छपराः कार्यालय। भारतीय लोकमंच पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव कुणाल सिकंद ने जनता दल यूनाइटेड के युवा नेता सह इसुआपुर प्रखंड अध्यक्ष राहुल प्रसाद को लोकमंच की सदस्यता पटना कार्यालय में दिलवाये। कुणाल सिकंद ने कहा कि राहुल प्रसाद के पार्टी में आने से लोकमंच सारण में मजबूत होगी और मुझे पूर्ण विश्वास है कि राहुल बाबा साहब डॉ० भीमराव अम्बेडकर, डॉ० लोहिया,भगत्त सिंह, जय प्रकाश नारायण और कपूरी ठाकुर के बताये रास्ते पर चल कर जनता की सेवा करते हुए लोकमंच के संस्थापक पूर्व सांसद अमर सिंह के विचारों को जन जन तक पहुँचाते हुए लोकमंच को मिल कर मजबूत करेंगे। राहुल प्रसाद के सदस्यता ग्रहण करने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष साधु शरण पाण्डेय, राष्ट्रीय महासचिव धर्मेन्द्र कुमार पासवान, राष्ट्रीय सचिव संजय कुमार बॉबी ,छात्र प्रदेश महासचिव राजू राज जी, छात्र प्रदेश संगठन सचिव सह सारण प्रभारी प्रिन्स कुमार सिंह जी, वैशाली जिला संयोजक अजय राय, छात्र वैशाली जिला संयोजक नवीन कुमार सिंह , छात्र नेत्री प्रकाम्या श्रीवास्तव, छात्र नेत्री पूर्णिमा यादव, गौतम कुमार शाह,वैशाली जिला के गरौल छात्र प्रखंड संयोजक मूनटून कुमार, मो० अफसर अंसारी, कृष्णा भारती आदि लोगो ने बधाई एवं ढ़ेर सारी शुभकामनाएं दी है।

संक्षिप्त खबरें

अवैध राशि वसूली मामले में सीएससी संचालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

मुजफ्फरपुर। आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु तीन दिवसीय विशेष अभियान का जिला पदाधिकारी ने सोमवार को कांटी प्रखंड के लश्करीपुर पंचायत भवन तथा हरिसिंह उच्च विद्यालय छपरा केंद्र पर संचालित कार्य का निरीक्षण किया। केंद्र पर प्रतिनियुक्त सीएससी कर्मी द्वारा अवैध वसूली की शिकायत पाया गया जिसकी जांच प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा कराये जाने पर मामला सही पाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी के आदेश पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने ग्राहक सेवा केंद्र, राहुल इंटरप्राइजेज गोदाईपुर फुलकाहां के संचालक के विरुद्ध पानापुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

अंचल अमीन और पंचायत सचिव करेंगे राजस्व सम्बन्धी कार्य

मुजफ्फरपुर। राजस्व कर्मचारियों के हड़ताल से उत्पन्न स्थिति के कारण आ रही समस्याओं के निराकरण हेतु वैकल्पिक व्यवस्था के तहत जिलांतर्गत पदस्थापित सभी अंचल अमीन एवं पंचायत सचिव का ऑनलाइन मोड में राजस्व संबंधी कार्यों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान उन्हें राजस्व संबंधी कार्यों के तहत म्यूटेशन,परिमार्जन, भू स्वामित्व प्रमाण पत्र निर्गत करने, भूमि की मापी आदि के बारे में ऑनलाइन माध्यम से विभागीय आईटी मैनेजर के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इसके लिए समाहरणालय सभागार के ऊपरी एवं नीचले तल पर प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई थी। इस कार्य की सतत एवं प्रभावी मॉनिटरिंग अपर समाहर्ता राजस्व संजीव कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि हड़ताल पर गये सभी राजस्व कर्मचारी को विभाग द्वारा सरकारी कार्य हेतु आवंटित लैपटॉप अंचलाधिकारी के माध्यम से वापस करने का निर्देश दिया गया है ताकि उनके जगह पर कार्य करने वाले नये कर्मियों को लैपटॉप उपलब्ध कराया जा सके।

आत्मरक्षा एवं पलटवार के लिए कराटे के माध्यम से दिया गया प्रशिक्षण

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय कल्याणपुर के प्रांगण में वर्ग नवम एवं दशम के छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा एवं पलटवार के लिए कराटे के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है यह प्रशिक्षण नेशनल कराटे खिलाड़ी नीतीश कुमार के द्वारा दिया जा रहा है प्रशिक्षक नीतीश कुमार ने बताया कि खासकर लड़कियों व लड़कों को विकट परिस्थिति में कैसे अपने आप को बचाना है एवं अपने बचाव के लिए किस प्रकार पलटवार करना है यह जानकारी बच्चों को जागरूक करते हुए कराटे के माध्यम से दिया जा रहा है। कराटे प्रशिक्षण में लगभग दो सौ छात्र छात्राओं ने भाग लिया। मौके पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक उमेश कुमार राउत, शिक्षक अंकेश कुमार, मनोज कुमार चौरसिया, प्रकाश कुमार, श्री नारायण यादव, कुमारी प्रेमलता, अदिति प्रज्ञा, दीपिका आदि मौजूद थे।

सेवानिवृत लिपिक के निधन पर शोक

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड अंतर्गत जनता कॉलेज के प्रांगण में मंगलवार को प्राचार्य कुमारी नीलम की अध्यक्षता में सेवानिवृत्त प्रधान लिपिक गंगा प्रसाद के असामयिक निधन पर शोकसभा आयोजित किया गया। मौके पर उपस्थित महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी प्रोफेसर अंजनी प्रसाद सिंह, राजा राम रमन, रामाश्रय प्रसाद सिंह, राम बहादुर सिंह, महेंद्र प्रसाद, सुरेश प्रसाद सिंह, जमीनदारा राजेंद्र प्रसाद आदि ने 2 मिनट का मौन धारण कर मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया। वहीं प्राचार्य ने सेवानिवृत्त प्रधान लिपिक के निधन पर महाविद्यालय में एक दिन के अवकाश की घोषणा की।

अधिवक्ता के बन्द घर में हजारों की हुई चोरी

कल्याणपुर समस्तीपुर चकमेहेसी थाना क्षेत्र के नामापुर दरिया पार वार्ड 6 निवासी व्यवहार न्यायालय समस्तीपुर के अधिवक्ता स्वर्गीय बिंदेश्वर चौधरी के पुत्र अरुण कुमार चौधरी के घर अज्ञात चोरों ने बारदीवारी के टपकर बन्द घर में घुसकर ताला तोड़कर घर में रखें सामानों को चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है। घटना 24 मई की रात की बताई गई है। ग्रामीणों द्वारा सूचना मिलने पर 25 मई को अधिवक्ता घर पहुंच बिखरे सामान इधर-उधर देखा। घर में रखें नगदी5000 हजार एवं बेडशीट 2 चांदी के बर्तन तांबे के बर्तन चुराकर चोर फरार हो गए। थाना अध्यक्ष को आवेदन देते हुए अधिवक्ता ने न्याय की गुहार लगाई है। इस संबंध में थाना अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने बताया कि दिए गए आवेदन के आलोक में अग्रतर कार्रवाई जारी है। इस घटना को लेकर गांव में भय माहौल व्याप्त है।

डीएम ने अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर किसानों की समस्याओं उर्वरक की काला बाजारी पर नजर रखने का दिया निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में कल देर शाम जिला स्तरीय कृषि टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। फॉर्मर रजिस्ट्री की समीक्षा एक क्रम में जिला पदाधिकारी के द्वारा जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिन पदाधिकारी एवं कर्मियों को फार्मर रजिस्ट्री एवं ई- केवाईसी हेतु आईडी एवं पासवर्ड उपलब्ध कराया गया है वे सभी तत्परता से काम करते हुए फॉर्मर रजिस्ट्री एवं ई केवाईसी में प्रगति लाना सुनिश्चित करेंगे। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 100% भौतिक सत्यापन तथा सेल्फ रजिस्ट्रेशन के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों को शीघ्र निष्पादन हेतु निर्देश दिया गया तथा यह भी निर्देश दिया गया कि अगली बैठक से पूर्व जिस प्रखंड का प्रगति संतोषजनक नहीं हो उन पर कार्रवाई की जाए ।उर्वरक की समीक्षा क्रम में जिला पदाधिकारी के द्वारा जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिले को उर्वरक की कमी नहीं हो इसके लिए विभाग से निरंतर संपर्क में रहा जाए तथा प्रखंडों में उप आवंटित उर्वरक की जांच निरंतर जारी रखे। किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि अभियान चलाकर एक सप्ताह में सभी लंबित 'आवेदनों का भौतिक सत्यापन करना सुनिश्चित करे। उन्होंने निर्देश दिया कि सेल्फ रजिस्ट्रेशन के तहत प्राप्त हो रहे आवेदनों को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के वेबसाइट पर जमीन संबंधित कागजातों की सत्यापन कर लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन करना सुनिश्चित करें। जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि पीएम किसान योजना में इ के वाईसी 100%भौतिक सत्यापन एनपीसीआई सेल्फ रजिस्ट्रेशन में निम्न प्रदर्शन करने वाले कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार, प्रखण्ड कृषि समन्वयक से स्पष्टीकरण पूछे।

कृषि यंत्रीकरण की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि कृषि यंत्रीकरण से संबंधित लंबित आवेदनों को एक सप्ताह के अंदर कृषि समन्वयक के स्तर से यंत्रों का भौतिक सत्यापन कराते हुए अनुदान भुगतान में प्रगति लाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया की उर्वरक की उपलब्धता एवं बिक्री पर सतत निगरानी रखे किसी भी स्थिति में उर्वरकों की कालाबाजारी की शिकायत नही मिलनी चाहिए। उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि उर्वरक की बिक्री पर सतत निगरानी रखते हुए कृषि समन्वयक किसान सलाहकार की उपस्थिति में उर्वरक का वितरण उचित मूल्य पर करना सुनिश्चित करें साथ ही भ्रमणशील रहकर उर्वरक का निर्धारित मूल्य पर बिक्री एवं खुदरा उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण भी प्रतिदिन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिया कि बंद पड़े नलकुपो को शीघ्र मरम्मति कर चालू करवाना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि विद्युत अभियंता एवं नलकूप के अभियंता आपस में समन्वय कर विद्युत दोष से बंद पड़े नलकूपों को अविलंब चालू करवाना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि सिंचाई के लिए सुदूर खेतों तक तेजी के साथ विद्युत संबद्धता प्रदान करना हमारा लक्ष्य है। जिले में जिन इच्छुक किसानों के खेतों में बिजली का खंबा उपलब्ध है, वहां शत प्रतिशत इच्छुक किसानों को जल्द से जल्द विद्युत संबद्धता* प्रदान करे,साथ ही साथ ही *उन्होंने जले हुए ट्रांसफार्मर को जल्द से जल्द बदलने के निर्देश भी दिए ।उन्होंने कृषि फीडर से निर्बाध रूप से निर्धारित समय तक प्रतिदिन बिजली उपलब्ध करवाने को लेकर विधुत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कृषि फीडर हेतु नया कनेक्शन हेतु प्राप्त आवेदन को मिशन मोड में निष्पादित करने का निर्देश दिया। मृदा स्वास्थ्य कार्ड के प्रगति के समीक्षा के क्रम में जिला अधिकारी ने निर्देश दिया कि लक्ष्य के विरुद्ध हर हाल में सत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करें उन्होंने निर्देश दिया कि जिन प्रखंडों द्वारा अभी तक मिट्टी जांच नमूना जिला स्थित लैब में जमा नहीं किया गया है वह एक सप्ताह के अंदर मिट्टी जांच नमूना जमा करवाना सुनिश्चित करें। आत्मा के समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य के विरुद्ध सत प्रतिशत उपलब्धि करना सुनिश्चित करें। आत्मा के समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि उप परियोजना निदेशक आत्मा भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य के विरुद्ध शत प्रतिशत उपलब्धि करना सुनिश्चित करें ।उक्त बैठक मे जिला कृषि पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला सहकारितापदाधिकारी जिला पशुपालन पदाधिकारी सहित सभी संबधित अधिकारी उपस्थित थे।

जिले में खेल गतिविधियों एवं खिलाड़ियों की प्रतिभा का होगा विकास : डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सरैया प्रखंड के एसकेएसडी हाई स्कूल, जैतपुर में 205.92 लाख की लागत से फुटबॉल स्टेडियम सह एथलेटिक ट्रैक का निर्माण किया जाएगा। जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा खिलाड़ियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु जिला पदाधिकारी सुब्रत कुमार सेन द्वारा मुख्यमंत्री खेल विकास योजना अंतर्गत फुटबॉल स्टेडियम के निर्माण का प्रस्ताव विभाग को भेजा गया था। तदनुसार सरकार द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है ।अब कार्यकारी निर्माण एजेंसी, भवन निर्माण विभाग द्वारा कार्य शुरू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जिले में विकास योजनाओं को गति प्रदान करने तथा जनता की सुविधाओं को उत्तरोत्तर सुगम बनाने के निमित्त जिलाधिकारी द्वारा जिले में आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में तेजी लायी गई है। इसके तहत जिले में सड़क एवं पुल पुलिया के निर्माण से लेकर खेल मैदान, प्रेक्षागृह, सहित कई अन्य सरकारी भवनों का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। इस दिशा में जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्टेडियम का निर्माण एक महत्वपूर्ण कार्य है ।आउटडोर स्टेडियम का कुल आकार 115मीटर.95मीटर होगा जिसके बीच में फुटबॉल ग्राउंड होगा तथा साइड से रनिंग ट्रेक की सुविधा रहेगी ।जिला पदाधिकारी ने कहा है कि फुटबॉल स्टेडियम सह एथलेटिक ट्रैक के बन जाने से विशेषकर मुसहरी प्रखंड के खिलाड़ियों के लिए स्थानीय स्तर पर ही स्टेडियम की सुविधा प्राप्त हो जाएगी तथा उन्हें अपनी खेल प्रतिभा को विकसित करने का मौका मिलेगा। यद्यपि जिलाधिकारी के स्तर से अन्य प्रखंड के लिए भी स्टेडियम निर्माण की पहल की गई है। इसके अतिरिक्त पंचायत स्तर पर भी मनरेगा द्वारा खेल मैदान का निर्माण किया जा रहा है तथा प्रगति की लगातार समीक्षा तथा फील्ड विजिट कर प्रभावी मॉनिटरिंग की जा रही है । जिलाधिकारी ने उपविकास आयुक्त को सतत एवं प्रभावी मॉनिटरिंग कर जल्द कार्य पूरा कराने तथा निरीक्षण के दौरान कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया है।

कोरोना को लेकर सदर अस्पताल में व्यवस्था हो रही दुरुस्त, जिले में 500 जांच किट उपलब्ध

समस्तीपुर, प्रात: किरण संवाददाता

राज्य में कोरोना के दो नए मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। पटना में मिले मरीजों के बाद अब सभी जिलों को सतर्क रहने के निर्देश दिया गया है। सदर अस्पताल ने भी कोविड संक्रमण को लेकर मानक संचालन प्रणाली के तहत सभी तैयारियां की जा रही हैं। अस्पताल प्रशासन का दावा है कि जांच से लेकर इलाज तक की व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त है। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. गिरीश कुमार ने बताया कि कोविड के दोनों नए सब-वेरिएंट को लेकर घबराने की नहीं, बल्कि सतर्क और जागरूक रहने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि एसओपी के अनुसार जांच, ट्रैकिंग, रोकथाम, इलाज और प्रोटोकॉल के पालन की पूरी तैयारी कर ली गई है। सभी चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को संदिग्ध मामलों की पहचान कर सक्रिय निगरानी और समय पर जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। मिली जानकारी के स्वास्थ्य विभाग की ओर से समस्तीपुर सहित सभी जिलों को पर्याप्त मात्रा में जांच किट, मास्क, दवाएं, ऑक्सीजन और आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वहीं, जिले में अभी 500 जांच किट उपलब्ध हैं। पुराने नशा मुक्ति वार्ड को आवश्यकता पड़ने पर कोरोना वार्ड के रूप में उपयोग लाया जा सकता है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में राज्य के सभी जिलों के सिविल सर्जन, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य शामिल हुए थे। बैठक में संक्रमण की वर्तमान स्थिति, स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता और उपचार की तैयारी की गहन समीक्षा की गई थी। इसमें स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठक में सभी सिविल सर्जनों और मेडिकल कॉलेज अधीक्षकों को सतर्क रहने और संसाधनों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। वहीं, डीएस डॉ. गिरीश कुमार ने आमजनों से अपील की कि कोविड के किसी भी लक्षण को नजरअंदाज न करें। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल सदर अस्पताल से संपर्क करें।

भाईचारा बनाओ, अधिकार बचाओ महारैली कल

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। वक्फ संशोधन एक्ट एवं बोधगया टेंपल एक्ट के विरोध में आजाद समाज पार्टी के तत्वावधान में भाईचारा बनाओ अधिकार बचाओ महारैली 29 मई को निकाली जाएगी । रैली के आयोजन के सिलसिले में माड़ीपुर सर्किट हाउस में उलेमाओं , मदरसों के जिम्मेदार , सर्व समाज के बुद्धिजीवियों , एक्टिविस्ट एवं छात्र नौजवानों के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई । इसकी अध्यक्षता आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह इस महरौली के संजोयक जौहर आजाद ने किया । विषय प्रवेश भाईचारा बनाओ अधिकार बचाओ महारैली के कॉर्डिनेटर मोहम्मद इश्तेयाक ने कराया । उन्होंने ने कहा कि इस महरौली को सफल बनाने ईवा जागरूकता माहौल बनाने के लिए 27 मई को शाम 6 बजे शहर के विभिन्न मार्गों से मशाल जुलूस निकाला जाएगा एवं 28 मई को जिला के सभी महत्वपूर्ण चौक चौराहे पर नुक्कड़ सभा किया जाएगा । इस मौके पर पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता जावेद अख्तर गुड्डु एवं स्थानीय जिला इमारत- ए- शरिया समिति के सदस्यगण एवं प्रतिनिधि भी मौजूद रहे । आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं इस महारैली के संयोजक जौहर आजाद ने बैठक में वक्फ संशोधन एक्ट के विरोध में प्रस्तावित 29 मई , महेश भगत बनवारी लाल इंटर कॉलेज मैदान में होने वाली रैली की सूचना एवं उसको सफल बनाने के कार्ययोजना पर लोगो से संवाद किया गया। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद भाई चंद्रशेखर आजाद ने वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए बैठक में मौजूद लोगों से संवाद किया ।इस महारैली को आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद भाई चंद्रशेखर आजाद एवं *इमारत शरिया के अमीर हजरत मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी* संयुक्त रूप से संबोधित करेंगे । महारैली के कॉर्डिनेटर मोहम्मद इश्तेयाक ने कहा कि यह महारैली दलित मुस्लिम एवं बहुजन एकता का प्रतीक है , जब-जब देश के पिछड़े ,शोषित , दलित एवं अल्पसंख्य विरोधी कानून एवं नीति को सरकार ने लाने की कोशिश की है, तब -तब दलित और मुसलमान एक जुट होकर पूरी एकजुटता से उसका विरोध किया हैं। उन्होंने कहा कि यह संविधान एवं इसकी मूल प्रस्तावना को धीरे- धीरे खत्म करने की साज़िश है, जिसके तहत अनुच्छेदों को निरस्त एवं संशोधित किया जा रहा है ,जो देश के लिए सभी धार्मिक अल्पसंख्यकों दलितों एवं शोषितों के लिए खतरा है । पार्टी के जिला अध्यक्ष राम नरेश राम ने कहा कि हम पूरी ताकत से इस महारैली को सफल बनाएंगे ताकि दलित- मुस्लिम एकता का संदेश समाज में स्थापित किया जा सके ।बैठक में इंसाफ मंच के राज्य सह सचिव जफर आजम रब्बानी, मदरसा मजहरुल उलूम के मोहतमिम मौलाना ताहिर,रोशन कादरी एवं यतीमखाना पठानटोली चांदनी चौक के मौलाना बेलाल अशरफ ने भी अपने मदरसे से और इलाके के लोगों को जोड़ने की बात कही । बैठक में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे।

मुख्य सचिव ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा की : जिलाधिकारी

प्रात: किरण संवाददाता

मंगलवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 27 मई 2025 को मुख्य सचिव, बिहार श्री अमृतलाल मीणा की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न विभागों की समीक्षात्मक बैठक की गई। जिसमें विभिन्न विभागों के कामकाज की प्रगति पर चर्चा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए ' बैठक में जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा के साथ ठक्ळ के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में समीक्षा होने वाले विभागों के कार्यालय प्रधान ने भाग लिए। विदित हो कि मुख्य सचिव बिहार के द्वारा महीने के प्रत्येक मंगलवार को पूर्व से निर्धारित विभागों की समीक्षात्मक बैठक की शुरूआत की गई है। आज की समीक्षा बैठक के क्रम में ग्रामीण विकास विभाग (महिला संवाद), शहरी विकास एवं आवास विभाग (नगर संवाद), अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग (डॉ आंबेडकर समग्र सेवा अभियान), खान एवं भूतत्व विभाग,मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, गृह विभाग, खेल विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, बीपीएसएमएस (एचआरएमएस), विज्ञान प्रौद्योगिकी और तकनीकी शिक्षा विभाग, वित्त विभाग, विधि विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, मधनिषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग, परिवहन विभाग, वाणिज्य कर विभाग, कला संस्कृति एवं युवा विभाग तथा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के कार्यों की समीक्षा मुख्य सचिव के द्वारा की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी ने जिले में उक्त विभागों के द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। इसमें बिहार के सभी जिले जुड़े हुए थे। वहीं उन्होंने कड़े तेवर में अधिकारियों को अपने कार्यों के प्रति जिम्मेदार और पारदर्शी रहने का निदेश दिया ' तथा विभागीय पदाधिकारी को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने को कहा ' उन्होंने सरकार के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर गति दिए जाने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी जिलाधिकारी महोदया ने मुख्य सचिव द्वारा दिए गए निर्देश का अनुपालन करने के लिए सभी पदाधिकारी को निर्देशित किया गया।

संगठन की मजबूती ही हमारी प्राथमिकता है : पप्पू सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

अलीनगर(दरभंगा) ।मंगलवार को संगठनात्मक जिला दरभंगा पूर्वी अंतर्गत अलीनगर विधानसभा के अलीनगर पूर्वी मंडल में भाजपा मंडल अध्यक्ष लाल मुखिया के अध्यक्षता में मंडल कार्यसमिति बैठक का आयोजन किया गया ।इस मौके पर जिलाध्यक्ष विनय कुमार पासवान महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह एवं उपाध्यक्ष रामनाथ सहनी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए ।कार्यक्रम प्रभारी के रूप में संतोष झा मौजूद रहे ।बैठक की शुरूआत में श्यामा प्रसाद मुखर्जी,पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं अटल बिहारी वाजपेयी की तैलचित्र पर पुष्पांजलि कर नमन किया गया ।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष विनय पासवान ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी कार्यकताओं को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हमें निरंतर प्रयासरत रहना होगा। जिला महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने कहा कि संगठन की मजबूती ही हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने मंडल और जिले में पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्र में जनता के साथ जुड़ें और उनकी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करें। साथ ही उन्होंने कहा कि हमें अपने संगठन को और मजबूत बनाने के लिए आपसी समन्वय और सामूहिक प्रयासों पर विशेष ध्यान देना होगा। महामंत्री श्री सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह भारतीय सेना की अदम्य साहस और वीरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने पाकिस्तान की घर में घुसकर आतंकवादियों को मार गिराया, जो हमारे देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की कहानी बयां कर रही है महिला संवादं

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित महिला संवाद कार्यक्रम सोमवार को साहेबगंज प्रखंड के धर्मपुर गांव में आयोजित किया गया।. कार्यक्रम में उपस्थित दीदियों को संबोधित करते हुए जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रभात कुमार ने कहा कि महिला संवाद के माध्यम से जानकर अच्छा लग रहा है कि सरकार की योजनाएं महिलाओं तक पहुंच रही हैं। महिलाएं आर्थिक रूप से काफी सशक्त हुई है. ।यह जानकर काफी खुशी हो रही है कि इतनी भारी संख्या में महिलाएं संवाद का हिस्सा बन रही हैं। जिलै मे18 अप्रैल से महिला संवाद का आयोजन किया गया है, जिसमें करीब चार लाख 58 हजार महिलाएं अब तक भाग ले चुकी हैं ।करीब 1950 जगह कार्यक्रम आयोजित किया जा चुका है। कार्यक्रम के दौरान चमकी की धमकी पर भी चर्चा की गई और आयुष्मान कार्ड निर्माण हेतु भी प्रेरित किया गया.। जिला परियोजना प्रबंधक अनिशा ने कहा कि महिला संवाद का संचालन पूरे जिले में सफलतापूर्वक चल रहा है। महिलाओं की जो भी आकांक्षा है उन्हें विभिन्न विभागों द्वारा पूरा कराया किया जा रहा है ।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने नल जल, अस्पताल, सामुदायिक भवन,जल निकासी सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम के दौरान डीपीओ स्वास्थ मोहम्मद रेहान अशरफ के साथ ही सभी उपस्थित अतिथियों ने वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान जीविका की स्वास्थ्य एवं पोषण प्रबंधक शोभा साह, प्रशिक्षण प्रबंधक रितेश कुमार, बीपीएम दिलीप कुमार, सोनम कुमारी, आकेश, अशोक कुमार, शोभा कुमारी, संगीता कुमारीसहित कई समन्वयक और जीविका दीदियाँ उपस्थिति थी।

देश में एनडीए, बीजेपी, आरएसएस एवं भाजपाई नेता के कुकृत्यों का किया भंडाफोड़, पोल खोल हल्ला बोल, नारों को करेंगे बुलंद

प्रात: किरण संवाददाता

अलौली। देश बचाओ अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने कहा कि एनडीए की मोदी, शाह, नड्डा की तिकड़ी सरकार एवं बिहार के नीतीश, सम्राट, विजय की तिकड़ी सरकार ने देश एवं राज्य पर तिकड़म कर संकट खड़ा कर दिया है। देश को गर्त में धकेला जा रहा है। वैश्विक पटल पर विश्वगुरु पर थूं थूं हो रहा है। देश की मयार्दा सम्मान गरिमा तार तार हो गया है। देश में सरेआम खुलेआम लोक आचरण का उल्लंघन किया जा रहा है। पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित, भाजपा अध्यक्ष नड्डा, सीएम नीतीश - चौब्बे चले छब्बे बनने, दुब्बे बनकर रह गया है। देश एवं राज्य की प्रतिष्ठा चौपट कर दिया गया है। देश की महानतम गरिमा पर ठेस पहुंचाई जा रही है। बुद्धिजीवी नागरिक मंच के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी घटना एवं कथित युद्ध सरकार द्वारा रचित साजिश के तहत किया गया, जिसका भांडा फूट चुका है। सारे तिकड़म का पोल खुल चुकी है। सिंदूर ऑपरेशन एवं सच्चे देशभक्त कर्नल सोफिया कुरेशी पर भी भाजपा नेता विजय साह का बयान दुर्भाग्यपूर्ण रहा। शहीद जवानों के लाश पर तिरंगा झंडा निकालकर छद्म राष्ट्रवाद एवं वोट बैंक बनाने की राजनीति की गई। अपने मुंह मियां मिट्ठू हुआ। अपने हाथों से अपनी पीठ थपथपाई। श्री यादव ने कहा कि पहलगाम, पुलवामा, कारगिल, संसद भवन, ताज होटल कंधार, उरी, अक्षरधाम, आतंकवादी हमला एवं कई दंगे आदि घटनाएं भाजपा सरकार में ही हुआ। समाजसेवी किरण देव यादव ने कहा कि पहलगाम, पुलवामा आतंकी हमले एवं बीजापुर, दंतेवाड़ा नक्सली हमले के समय डीजीपी व डीआईजी पद पर नलिन प्रभात पदस्थापित थे जो खरबों रुपए का संपत्ति बनाए। गुप्तचर एवं आतंकी हमले में संलिप्त भाजपा आरएसएस का ही कार्यकर्ता निकले, प्रयागराज में गिरफ्तारी हुई। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका समाप्त सी हो गई है। युद्धोन्माद, धार्मिक उन्माद, नफरत फैलाकर , हिंदू मुस्लिम कर मंदिर मस्जिद का नारा देखकर देश को बांटने का काम किया जा रहा है। पत्रकारों ने झूठा युद्ध, पड़ोसी देश की क्षति, अत्यधिक आतंकवादी का सरकलम करने, धर्म जाति नाम पूछकर पर्यटकों की हत्या, इस्लामाबाद लाहौर आदि पर भारतीय कब्जा कर लेने, आदि पत्रकारों ने अपनी जमीर बेच कर पत्रकारिता, लोकतंत्र, संविधान, सत्य, अहिंसा, शांति महात्मा बुद्ध , महात्मा गांधी के विचारों को कुचल दिया गया है। मध्य प्रदेश के भाजपा नेता मनोहर धाकड़ द्वारा राष्ट्रीय मार्ग बीच सड़क पर खुलेआम संभोगरत होना एवं गोंडा के भाजपा जिला अध्यक्ष अमर किशोर बमबम द्वारा सरेआम महिलाओं को आलिंगन करना - फोरप्ले करना, सीएनएन के विदेशी महिला पत्रकार जुलिका केंड्रिक के साथ भाजपा नेता द्वारा बलात्कार करने की प्रयास करना ।

अमरनाथ राय के निधन से दरभंगा की राजनीति में अपूर्णीय क्षति : सांसद

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा ।भाजपा के लिए सदैव समर्पित रहनेवाले दरभंगा जिला भाजपा के पूर्व मंत्री पूर्व जिलापरिषद सदस्य बिठौली बहेरी निवासी अमरनाथ राय के निधन पर दरभंगा सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने गहरा दुख प्रकट किया है तथा पीड़ित परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। सांसद डा ठाकुर ने अमरनाथ राय के निधन को अपनी व्यक्तिगत क्षति बताते हुए कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन में वे पार्टी नेता के रूप में नहीं बल्कि एक मित्र के रूप में सदैव सहभागी बने रहे तथा एक परिवारिक सदस्य के रूप में उनके योगदानों को भुलाना संभव नहीं है। उनके कर्मठता जुझारूपन तथा सामाजिक लगाव की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक परिवेश में हर व्यक्ति की मदद के लिए वे सदैव तत्पर रहते थे। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता अश्वनी यादव ने कहा कि भाजपा परिवार ने एक कर्मठ और सक्रिय सदस्य खो दिया है। उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने वाले भाजपा नेताओं में पूर्व विधायक अमरनाथ गामी, उदयशंकर चौधरी अभयानंद झा संजीव साह कन्हैया पासवान सोनी पूर्वे कुमार ज्ञानेश तनवीर हसन अशोक अमर डा भरत राय प्रेम कुमार रिंकू पारस नाथ चौधरी नवीन चौधरी सुनील कुंवर सुबोध चौधरी उमेश चौधरी विकास विवेक चौधरी आशुतोष झा पुरुषोत्तम सिंह मनीष झा आदि शामिल हैं। वही जिला अध्यक्ष प्रो आदित्य नारायण चौधरी मन्ना की अध्यक्षता में शोक सभा आयोजित किया गया जिसमें पूर्व जिलाध्यक्ष जीवछ सहनी,जिला महामंत्री विजय चौधरी ,संतोष पोद्दार ,सुजीत मल्लिक, जिला उपाध्यक्ष राजू तिवारी, विकास चौधरी, संगीता साह,राजेश रंजन, अभयानंद झा,श्रवण मिश्र,सुनील चौधरी, जिला मंत्री मनीष मिश्र,राहुल पासवान,सचिन जैन,बालेन्दु झा, वीरेन्द्र महासेठ,जिला मीडिया प्रभारी मुकुंद चौधरी,सुनील कुमार मिश्रा,ओम प्रकाश सिंह, सुंदरलाल चौधरी, साक्षी तिवारी, बबलू पंजियार, संतोष कुमार सिंह , नरेश राम ,शिलानाथ प्रसाद ,राजेश चौधरी, गणेश मिश्रा ,करूणानंद मिश्रा, विनोद सिंह यादव , रिंकी देवी ,रानी कुमारी, मीरा मेहता,रजनीश झा, लक्ष्मण कास्यंकार,अशोक अमर यादव सहित अनेकों कार्यकताओं ने शोक व्यक्त किया।

इंडो-नेपाल बॉर्डर पर दिखे डेढ़ दर्जन ड्रोन एसएसबी ने किया कन्फर्म बिहार से दिल्ली तक हड़कंप

प्रात: किरण संवाददाता

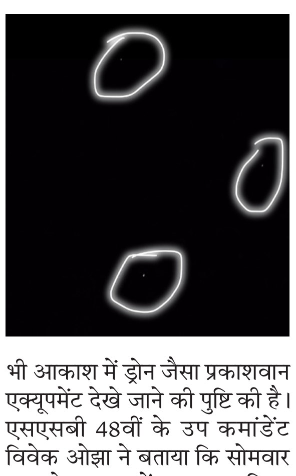

मधुबनी भारत नेपाल सीमा के कमला बीओपी इलाके में सोमवार रात करीब 15 से 20 की संख्या में ड्रोन देखे गए। जिसकी पुष्टि एसएसबी ने की है। जिसकी सूचना दरभंगा और दिल्ली एयरपोर्ट को दी गई है। साथ ही बॉर्डर पर हाई अलर्ट भारत-नेपाल सीमा के कमला बीओपी इलाके में सोमवार रात करीब 15 से 20 की संख्या में ड्रोन देखे गए। ड्रोन उत्तर से पूरब की तरफ भारतीय क्षेत्र से आकर दोबारा पश्चिम से उत्तर नेपाल की ओर वापस चले गए। ड्रोन देखे जाने से लोगो में चर्चा है। इधर, बॉर्डर सुरक्षा बलों ने भी आकाश में ड्रोन जैसा प्रकाशवान एक्यूपमेंट देखे जाने की पुष्टि की है। एसएसबी 48वीं के उप कमांडेंट विवेक ओझा ने बताया कि सोमवार रात को आकाश में उत्तर-पूरब स्थित कमला बीओपी की ओर से 15-20 ड्रोन जैसा एक्युपमेंट उड़ते देखा गया है। जो भारतीय क्षेत्र से पूरब से पश्चिम होते हुये नेपाल के उत्तर की ओर वापस चला गया। जानकी नगर बीओपी के निकट जवानों ने वापस जाते देखा गया ।उन्होंने बताया कि नेपाल सुरक्षा बल से भी इस उड़ते एक्यूपमेंट के बारे में पूछताछ की गई। लेकिन नेपाल के अधिकारी भी किसी तरह के प्रयोग से इंकार किया है। अधिकारी ने बताया कि घटनाक्रम की सूचना दिल्ली एयरफोर्स और दरभंगा एयरफोर्स को दे दी गई है। बॉर्डर पर हाई अलर्ट कर दिया गया है। जवान इस घटना पर पूरी निगाहें बनाए हुए है।

मलेशिया भेजने के नाम पर युवक से ठगी, पुलिस ने 1.82 लाख कराया वापस

समस्तीपुर, प्रात: किरण संवाददाता

साइबर थाना पुलिस ने मलेशिया भेजने के नाम पर युवक से साइबर ठगी किए जाने के मामले बड़ी कार्रवाई करते हुए पीड़ित युवक के बैंक खाते में ठगी की राशि एक लाख 82 हजार 96 रुपए वापस दिलायी है। इसकी जानकारी मंगलवार को एसपी कार्यालय से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई। उसमें बताया गया है कि मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र के महम्मदीपुर गांव निवासी मो. नुरूउद्दीन से मलेशिया भेजने के नाम पर तीन लाख 62 हजार रुपए की साइबर ठगी कर ली गई थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत नेशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद समस्तीपुर साइबर थाना में कांड दर्ज किया गया था। मामले की जांच के क्रम में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मंगलवार को पीड़ित मो. नुरूउद्दीन के बैंक खाते में राशि वापस करा दी। वहीं, समस्तीपुर पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है

ना दबाव रहा न ही मौके छीने गए, एक्टर बनने की पसंद पर बोले ईशान खट्टर

ईशान खट्टर अपनी बेहतरीन अदाकारी से बॉलीवुड में लगातार अपनी पहचान बना रहे हैं। साल 2017 में माजिद मजीदी की फिल्म बियॉन्ड द क्लाउड्स से उन्होंने एक्टिंग में डेब्यू किया है। इसके बाद उन्होंने लोगों पर अपनी अदाकारी का जादू दिखाया है। अब ईशान अपनी आगामी फिल्म होमबाउंड के साथ एक बार फिर स्क्रीन पर छाने के लिए तैयार हैं। कान 2025 में फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद ईशान ने एक इंटरव्यू में अपने करियर, पारिवारिक जीवन और अपने भाई शाहिद कपूर के साथ लगातार तुलना के बारे में बात की।

एक्टर बनने का नहीं था दबाव

जूम के साथ बातजीत में ईशान ने खुलासा किया कि अभिनय में उनका कदम पूरी तरह से उनकी अपनी पसंद थी। उन्होंने बताया कि उन्हें कभी भी अभिनेता बनने के लिए मजबूर नहीं किया गया था उन्होंने कहा ऐसा कभी नहीं हुआ कि मुझ पर थोपा गया कि तुम्हें अभिनेता बनना है, न ही मुझसे यह मौका छीना गया कि मैं यह नहीं कर सकता। इसी बातचीत में ईशान ने अपने जीवन के निजी पहलुओं के बारे में भी बात की।

द रॉयल्स में नजर आ चुके ईशान

ईशान खट्टर हाल ही में प्रियंका घोष और नूपुर अस्थाना द्वारा निर्देशित द रॉयल्स में नजर आए थे। सीरीज में ईशान की अदाकारी और उनके लुक की खूब चर्चा हुई। वह इसमें शर्टलेट हुए। नेटफिलक्स पर 9 मई से शुरू हुई आठ-एपिसोड की इस सीरीज में भूमि पेडनेकर, जीनत अमान, साक्षी तंवर, नोरा फतेही, डिनो मोरियो और दूसरे लोगों ने अदाकारी की है।

कान में दिखाई गई होमबाउंड

अब ईशान खट्टर की फिल्म होमबाउंड रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा हैं। इस फिल्म का विश्व प्रीमियर कान फिल्म फेस्टिवल 2025 में हुआ था। नीरज घेवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म को कान में अच्छी प्रतिक्रिया मिली। प्रोग्राम में उपस्थित लोगों ने 9 मिनट तक खड़े होकर तालियां बजाईं। फिल्म ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूम मचा दी है। निर्माताओं ने अभी तक भारत में इसकी रिलीज की तारीख का एलान नहीं किया है।

कास्टिंग काउच पर बोलीं सोफी चौधरी

बॉलीवुड इंडस्ट्री की कई ऐसी सच्चाईयां हैं जिन पर बात नहीं होती है। ऐसी ही बॉलीवुड की एक सच्चाई है कास्टिंग काउच की। कई कलाकारों ने गाहे बगाहे इस पर बात की है। अब एक्ट्रेस और गायिका सोफी चौधरी ने इस पर बात की है। उन्होंने इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि लोग कैसे उनसे समझौता करने के लिए कह रहे थे।

उस वक्त समझ नहीं आती थी बात

हॉटरफलाई के साथ बातचीत में सोफी ने बताया कि उन्होंने एक संगीत करियर के लिए बॉलीवुड में प्रवेश किया। वह अभिनय भी करना चाहती थीं। वह अपनी मां के साथ लोगों के साथ मिलने जातीं थीं, लेकिन उन्हें ऐसी चीजें सुनने को मिलीं कि जिन्होंने उन्हें असहज कर दिया। सोफी के मुताबिक कुछ लोग बहुत अच्छे थे लेकिन कुछ लोगों ने ऐसी बातें कहीं जो उन्हें उस वक्त समझ में नहीं आईं। सोफी ने बताया उनकी मां इस बात को लेकर अब मजाक उड़ाती हैं। वह कहती हैं कि कैसे लोग उनसे कहते थे कि समझौता करना होगा। उस समय, हमें नहीं पता था कि इसका क्या मतलब है। समय के साथ उन शब्दों के पीछे छिपे असली इरादों का पता चला। इन्हीं मांगों की वजह से हमें कई अहम मौकों से दूर रहना पड़ा।

सोफी ने साफ लफ्जों में इंडस्ट्री के कुछ लोगों को बारे में बताया अचानक वे आपसे अक्सर मिलना चाहते हैं। वह कहते हैं कि मैं अपनी नायिका को जानना चाहता हूं। वे गहरे रिश्ते के बारे में बात करेंगे और बताएंगे कि उन्हें आपकी कंपनी पसंद है। लेकिन जल्द ही, आपको एहसास होगा कि कोई फिल्म नहीं है। वे बस आपका समय बर्बाद कर रहे हैं।

दोस्ती से दरवाजे नहीं खुलते

स्क्रीन से बात करते हुए सोफी ने कहा करण जौहर, वरुण धवन और मनीष मल्होत्रा जैसे जाने-माने दोस्त होने के बावजूद वे रिश्ते कभी भी पेशेवर में तब्दील नहीं हुए। लोग मानते हैं कि मैं उन्हें जानती हूं, इसलिए उन्होंने मेरी मदद की है। लेकिन ऐसा कभी किसी ने नहीं किया। दोस्ती से इस इंडस्ट्री में अपने आप दरवाजे नहीं खुलते। यह एक मिथक है।

फिर स्क्रीन पर वापसी करने को तैयार सपना चौधरी

डांसर और अभिनेत्री के तौर पर पहचानी जाने वाली सपना चौधरी ने अपने फैंस को बहुत बड़ी खुशखबरी दी है। डांसर का एक नया गाना शीशा जल्द रिलीज होने वाला है, जिसकी जानकारी सपना ने अपने सोशल मीडिया पर दी है। इसे सुन यूजर्स प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। सपना चौधरी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में अभिनेत्री ने अपने नए एल्बम 'शीशा' का एलान किया है, जो जल्द रिलीज होने वाला है। इसमें सपना व्हाइट ड्रेस संग सिर पर क्राउन पहने दिख रही हैं, जिसमें वो परी जैसी लग रही हैं। इस गाने को राहुल भारद्वाज द्वारा गाया गया है और एल्बम का निर्देशन साहिल संधू ने किया है। इस एल्बम को देसी गीत बैनर के तले तैयार किया गया है।

यूजर्स ने दिए रिएक्शन

डांसर और अभिनेत्री सपना चौधरी के इस पोस्ट को देख इंस्टाग्राम यूजर्स शानदार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, नए गाने की बधाई सपना। दूसरे यूजर ने सपना के लुक पर कहा कि वो बहुत खूबसूरत लग रही हैं। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा कि सपना की झलक सबसे अलग।

सपना चौधरी के बारे में

सपना चौधरी टीवी रियलटी शो बिग बॉस 11 में प्रतिभागी रह चुकी हैं। इसके साथ ही वो अपने कई हरियाणवी गानों से दर्शकों के बीच काफी मशहूर हैं। उनके कुछ प्रसिद्ध गानों में तेरी आंखों का काजल, चटक मटक शामिल है। इसके अलावा वह भोजपुरी और पंजाबी इंडस्ट्री में भी काम कर चुकी हैं।

साउथ वुमन का रोल निभाने की बाधा को तोड़ना है

रे जिना कैसेंड्रा ने बॉलीवुड में उन्हें लैंग्वेज बैरियर के कारण रोल न दिए जाने पर खुलकर अपनी राय रखी है। उन्होंने सवाल किया कि जब नॉर्थ इंडियन एक्टर्स साउथ इंडियन किरदार निभा सकते हैं, तो साउथ एक्टर्स के साथ ऐसा क्यों नहीं होता? रेजिना ने दावा किया कि वह कई हिंदी भाषी लोगों से बेहतर हिंदी पढ़ और लिख सकती हैं। रेजिना ने कहा कि वह चाहती हैं कि साउथ की एक्ट्रेसेज को भी नॉर्थ इंडियन की भूमिकाएं मिलें और भाषा को कब तक एक रुकावट के तौर पर देखा जाएगा। वह कहती हैं.... अपनी हिंदी बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही हूं, ताकि भविष्य में लैंग्वेज के आधार पर मुझे किसी रोल से वंचित न किया जा सके। मैं सिर्फ एक साउथ इंडियन वुमन का किरदार निभाने की बाधा को तोड़ना चाहती हूं।

गलवान घाटी पर बेस्ड फिल्म में कर्नल बिकुमल्ला का रोल निभाएंगे सलमान

बालीवुड के सुपरस्टार सलमान खान में एक नेशनल हीरो की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, वह कर्नल बिकुमल्ला संतोष बाबू का किरदार निभाएंगे, जिन्होंने 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प में अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। इस फिल्म का निर्देशन शूटआउट एट लोखंडवाला और मिशन इस्तांबुल के निर्देशक अपूर्व लाखिया करेंगे और इसकी शूटिंग जुलाई 2025 में शुरू होने की उम्मीद है। यह प्रोजेक्ट कर्नल बिकुमल्ला संतोष बाबू के वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित बताया जा रहा है, जो 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर थे। 1975 के बाद पीएलए के खिलाफ कार्रवाई में शहीद होने वाले पहले भारतीय सेना अधिकारी थे। सलमान इस रोल को लेकर पूरी तरह श्योर हैं। अपूर्व ने भी फन रिपब्लिक लेन, अंधेरी, मुंबई में एक नया ऑफिस लिया है और इस प्रोजेक्ट पर दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। वह पूरी तरह से तैयार हैं।

पहले चैप्टर के लिए राइट्स हासिल कर लिए गए हैं...

कर्नल बिकुमल्ला का किरदार एक वीर है। उन्होंने कई आतंकवाद विरोधी और घुसपैठ विरोधी अभियानों में अपनी क्षमता साबित की थी। निर्देशक ने इंडियाज मोस्ट फीयरलेस 3 के पहले चैप्टर के राइट्स हासिल कर लिए हैं, जिसका टाइटल है आई हैड नेवर सीन सच फियरस फाइटिंग-द गलवान क्लैश ऑफ जून 2020। स्क्रिप्ट सुरेश नायर द्वारा चिंतन गांधी और चिंतन शाह के सहयोग से रूपांतरित की गई है और डायलॉग्स चिंतन ने ही लिखे हैं। सलमान ने पनवेल स्थित अपने फार्महाउस पर इस रोल के लिए फिजिकल ट्रेनिंग शुरू कर दी है।

लद्दाख में 20 दिन और मुंबई में 50 दिन का शेड्यूल होगा

यह सलमान का अपूर्व के साथ पहला प्रोजेक्ट है। सलमान इस फिल्म के लिए लद्दाख के सबसे ऊंचे क्षेत्र में शूटिंग करेंगे। वह इस फिल्म में काफी फिट नजर आएंगे। लद्दाख में 20 दिनों का शेड्यूल होगा, जिसके बाद मुंबई में 50 दिनों का शेड्यूल होगा और शूटिंग पूरी हो जाएगी। फिल्म 2026 जून महीने में रिलीज होगी।

जियो स्टूडियोज ने इससे जुड़ने का इंटरेस्ट दिखाया

इस फिल्म के लिए स्टूडियो पार्टनर के तौर पर जियो स्टूडियोज ने इंटरेस्ट दिखाया है। बैनर ने अपूर्व के साथ बातचीत शुरू कर दी है। उनका मानना है कि यह एक ऐसी कहानी है जिसे सेल्युलाइड पर बताना जरूरी है। सलमान जैसे स्टार के इससे जुड़ने के साथ, जियो के उच्च अधिकारी श्योर हैं कि फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने की संभावनाएं अधिक हैं।

पचासों बार रिजेक्ट हुई, वो रोल न मिलता तो मैं डिप्रेशन में चली जाती

उड़ीसा में जन्मी और शिकागो में पली-बढ़ी लिसा मिश्रा आज भले मनोरंजन जगत में अपनी जमीन तलाश रही हैं, मगर उन्हें मुंबई आए 7 साल हो गए हैं। बॉलिवुड के कई मशहूर गीतों के कवर गए चुकी लिसा रे कॉल मी बे के बाद अब हालिया वेब सीरीज द रॉयल्स में भी नजर आईं। भारतीय मूल की ये अमेरिकन सिंगर-एक्टर बॉलिवुड में आगे बढ़ने को आतुर हैं और दिलजीत दोसांझ की तरह अपने सिंगिंग-एक्टिंग करियर को आगे बढ़ाना चाहती हैं।

13 साल की उम्र में अपना यूट्यूब चैनल खोला

लिसा का मानना है कि संगीत हमेशा उनका पहला प्यार रहा। वह कहती हैं, जब मैं शिकागो में थी, तो इंडियन क्लासिकल संगीत की विधिवत शिक्षा नहीं ले पाई, क्योंकि मेरे पास उस तरह के रिसोर्सेज नहीं थे, मगर मैं 3-4 साल की उम्र से बॉलिवुड गाने गाने लगी। बॉलिवुडका वो संगीत मेरे भीतर रह गया। मैं मात्र 13 साल की रही होऊंगी, जब मैंने पहली बार अपना यूट्यूब चैनल खोला था। तब मैं इंग्लिश गाने गाती थी, मगर ये अहसास होने में मुझे काफी समय लग गया कि मुझे हिंदी गाने गाने चाहिए। मेरा पहला गाना था कबीरा और उस कवर को गाने के बाद मुझे लगा कि बॉलिवुड गीतों की काफी फैन फॉलोइंग है। 3-4 साल तक मैं लगातार बॉलिवुड गानों के कवर गाती रही और मैंने जब वीरे दी वहडिंग का कवर तारीफ़ां और लेट मी लव यू का कवर गाया तो सोनम कपूर और उनकी निर्मात्री बहन रिया कपूर ने मुझे आधिकारिक रूप से इंडिया में आमंत्रित किया कि मैं वीरे दी वहडिंग का रीप्राइज वर्जन गाऊं। तब मुझे अहसास हुआ कि अगर मुझे अपना करियर बनाना है, तो मुझे यहीं मुंबई में रहना होगा। मैंने यहां सिंगिंग ही नहीं कंपोज़िशन और लिरिक्स राइटिंग का काम भी शुरू किया। पिछले साल मैंने अपना एक अल्बम भी जारी किया था।

सिंगर-एक्टर बनना चाहती हूं

सिंगिंग से शुरुआत करने वाली लिसा कॉल मी बे से अपने अभिनय की यात्रा का आगाज भी कर चुकी हैं। वह कहती हैं, जैसा मैंने कहा कि संगीत हमेशा मेरा पहला प्यार रहेगा। आज हमारी इंडस्ट्री में कई सिंगर-एक्टर हैं, मगर मैं इस मामले में दिलजीत दोसांझ को अपना आदर्श मानती हूं। मैं उन्हीं की तरह गायन और अभिनय करना चाहूंगी। एक जमाना था, जब सुरैया, नूरजहां, अशोक कुमार और किशोर कुमार सरीखे सिंगर-एक्टर हुआ करते थे। आज हम जैसे कलाकार सिंगिंग और एक्टिंग करते हैं, तो लोगों को नया लगता है, मगर ये तो हम पहले से करते आए हैं। मैं सिंगर-एक्टर के रूप में अपना सफर जारी रखना चाहूंगी। आज इंडिया ही नहीं पूरी दुनिया भर में लेडी गागा, सेलेना गोम्स, विल स्मिथ सरीखे एक्टर-सिंगर छाए हुए हैं। आज मौके भी बहुत हैं और नई चीजों को स्वीकार करने की लोगों की क्षमता भी बढ़ी है।

जीनत अमान पापा की फेवरेट हैं

लिसा को अपनी सीरीज कॉल मी बे में अनन्या पांडे और द रॉयल्स में भूमि पेडनेकर जैसी बॉलिवुड अभिनेत्रियों के साथ काम करने का मौका मिला। वह कहती हैं, मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे इतने कलाम के को-एक्टर्स मिले। मैंने कॉल में बे में अनन्या पांडे के साथ और द रॉयल्स में भूमि पेडनेकर के साथ काम किया और मैं कह सकती हूं कि दोनों ही मेरी प्यारी दोस्त हैं। वह दोनों ही बहुत देने वालों में से हैं। दोनों जानती थीं कि अभिनय में मेरे करियर का शुरुआती दौर था। यही वजह थी कि उन दोनों ने ही मेरे साथ सब्र से काम लिया। वह दोनों ही मुझे इतनी सारी सलाह देती थीं कि इस सीन में ऐसे पॉज करो, ये डायलॉग ऐसे बोलो। उन्होंने सेट पर मेरा बहुत साथ दिया। मुझे लगता है कि चूंकि हम लड़कियां हैं, तो काफी बॉन्ड हो गईं। नई सीरीज में जीनत अमान के साथ काम करने के अनुभव को लेकर वह कहती हैं, सीरीज में एक डायलॉग है, हम कुछ करते नहीं हैं, हम हैं, इस डायलॉग से पहले मेरा डायलॉग था। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा था कि मैं उनके सामने खड़ी हूं। आपको एक मजेदार बात बताऊं, आज से दो साल पहले मैंने एक मैगज़ीन का कवर शूट किया था और उसे देखकर मेरे पापा ने कहा था कि मैं एकदम जीनत अमान जैसी दिखती हूं। उस वक्त मुझे अंदाजा हुआ कि पापा उनके कितने बड़े फैन हैं। उन्होंने जीनत अमान मैम की सभी फिल्में देखी हैं, तो जिस वक्त मैं उनके साथ शूट कर रही थी, मुझे पापा की बातें याद आ रही थी कि कुछ गलती मत करना, कई लोगों ने इस रोल के लिए ऑडिशन दिया है, मगर मिला तुम्हें है।

रोल के लिए 6 बार ऑडिशन दिया

इंडस्ट्री में नए कलाकारों को ऑडिशन की राह से तो गुजरना ही पड़ता है। लिसा बताती हैं, मैं अब तक अनगिनत ऑडिशन दे चुकी हूं और मुझे पचासों बार रिजेक्ट किया गया है, मगर मैं इसे बुरा नहीं मानती। यह मेरी ट्रेनिंग है और इसी के जरिए मैं अपनी कमियां जान पाती हूं। मैं हमेशा ये जानने को उत्सुक रहती हूं कि अगली बार क्या सुधार करूं। अब उदाहरण के रूप में इसी रोल के लिए मैंने 6 बार ऑडिशन दिया और आखिरकार मुझे लगने लगा कि ये रोल मुझे नहीं मिलने वाला। जबकि मैं इस भूमिका को पाने के लिए बहुत ज्यादा उम्मीद कर रही थी, क्योंकि मैं जानती थी कि द रॉयल्स में बहुत बड़े सितारे हैं, जिनके साथ काम करके मैं बहुत कुछ सीखूंगी। अगर ये भूमिका मुझे नहीं मिली होती, तो मैं तो डिप्रेशन में चली जाती। खुश हूं कि मेहनत के बल पर ये चरित्र मेरे हिस्से में आया।

राकेश गंगवाल और उनके परिवार ने इंडिगो में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरग्लोब एविएशन के प्रवर्तक राकेश गंगवाल और उनके पारिवारिक ट्रस्ट ने मंगलवार को एयरलाइन में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी ब्लॉक डील के जरिये करीब 11,385 करोड़ रुपये (1.33 अरब अमेरिकी डॉलर) में बेच दी। सूत्रों ने बताया कि गंगवाल के अलावा, चिन्करपू फैमिली ट्रस्ट, जिसके ट्रस्टी शोभा गंगवाल और डेलावेयर की जेपी मॉर्गन ट्रस्ट कंपनी हैं, ने भी देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लेन-देन में भाग लिया है। उन्होंने बताया कि निवेश बैंकिंग फर्म गोल्डमैन सैक्स (इंडिया) सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी और जेपी मॉर्गन इंडिया हिस्सेदारी बिक्री के लिए प्लेसमेंट एजेंट हैं। नवीनतम लेनदेन से पहले, गंगवाल और पारिवारिक ट्रस्ट के पास इंडिगो में कुल मिलाकर लगभग 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। पीटीआई की ओर से देखी गई टर्म शीट के अनुसार, नवीनतम ब्लॉक डील के तहत, 5,175 रुपये प्रति शेयर के फ्लोर प्राइस पर 2.2 करोड़ इक्विटी शेयर बेचे गए। शेयरों की कुल संख्या प्रारंभिक 13.2 मिलियन शेयरों (1.32 करोड़

शेयर) से बढ़ाई गई है। जिनका मूल्य लगभग 803 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 6,831 करोड़ रुपये) था। यह उल्लेख पहले टर्म शीट में किया गया था। सोमवार को बंद भाव 5,420 रुपये प्रति शेयर की तुलना में फ्लोर प्राइस 4.5 प्रतिशत कम है। सूत्रों ने बताया कि 2.2 करोड़ शेयरों के बराबर कंपनी में करीब 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी है और न्यूनतम मूल्य के आधार पर पेशकश का आकार करीब 1.33 अरब डॉलर या करीब 11,385 करोड़ रुपये है। बीएसई और एनएसई पर कई चरणों में की जाने वाली शेयर बिक्री पूरी तरह से गौण प्रकृति की है। सौदे की संरचना के भाग के रूप में, विक्रेताओं और उनके निकटतम संबंधियों पर 150 दिन की लॉक-अप अवधि लागू होगी, एक अपवाद को छोड़कर - वे किसी निश्चित मूल्य निर्धारण और लॉक-अप शर्तों के अधीन, किसी एकल निवेशक या निवेशक समूह को बातचीत के माध्यम से कम से कम 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के शेयर हस्तांतरित कर सकते हैं। अगस्त 2024 में राकेश गंगवाल के पारिवारिक ट्रस्ट ने एयरलाइन में 5.24 प्रतिशत हिस्सेदारी 9,549 करोड़ रुपये में बेची थी। इससे पहले गंगवाल ने मार्च में इंडिगो के शेयर बेचे थे। शेयर बिक्री गंगवाल द्वारा फरवरी 2022 में सह-संस्थापक राहुल भाटिया के साथ कथित कॉर्पोरेट प्रशासन के मुद्दों पर तीखे विवाद के बाद अपनी शेयरधारिता को कम करने के निर्णय का हिस्सा है। फरवरी 2022 से गंगवाल और उनकी पत्नी शोभा गंगवाल इंडिगो में अपने शेयर बेच रहे हैं। सितंबर 2022 में राकेश गंगवाल और शोभा गंगवाल ने 2.74 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,005 करोड़ रुपये में बेची।

एमएसएमई में मझोले उद्योग पिछड़े, सिर्फ 0.3 प्रतिशत का योगदान

नीति आयोग ने गिनाईं 7 बड़ी चुनौतियां

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की जीडीपी में करीब 29 फीसदी, निर्यात में 40 फीसदी और रोजगार में 60 फीसदी से अधिक योगदान देने वाला सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र संरचनात्मक विषमताओं से जूझ रहा है। पंजीकृत एमएसएमई में सूक्ष्म उद्यमों की सबसे ज्यादा 97 फीसदी और लघु उद्यमों की 2.7 फीसदी हिस्सेदारी है।एमएसएमई के कुल निर्यात में 40 फीसदी का योगदान देने वाले मझोले उद्यमों का हिस्सा महज 0.3 फीसदी है, जो स्पष्ट रूप से संरचनात्मक विषमता का संकेत है।

नीति आयोग ने सोमवार को 'मझोले उद्यमों के लिए नीति तैयार करना' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा, देश का विकास इंजन बनने के लिएमझोले उद्यमों को सात चुनौतियां पार करनी होंगी। ये चुनौतियां हैं...सरकारी योजनाओं के बारे में कम जानकारी, प्रोद्योगिकी अपग्रेडेशन की कमी, कुशल श्रमबल का अभाव, अनुपालन, नवाचार में बाधा, फंडिंग और जमीन-बुनियादी ढांचा। रिपोर्ट में इन उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र करते हुए उनकी पूरी क्षमता उगाजर करने के लिए लक्षित हस्तक्षेप पर जोर दिया गया है।

उपलब्ध मदद के बाद भी उपयोग में पिछड़ने की सात वजहें- सरकारी योजनाओं की कम जानकारी- मझोले उद्योगों को एमएसएमई मंत्रालय की 18 योजनाओं में से 4-5 की ही जानकारी है।इसमें भी सिर्फ 10 फीसदी ने ही कुछ योजनाओं का लाभ उठाया है।10 फीसदी उद्यमों ने ही निवेश मित्र, एनसीडी इंडिया और जेम जैसे पोर्टल का इस्तेमाल किया है।

कुशल श्रमबल- कौशल विकास योजनाओं का लाभ नहीं उठाना कुशल श्रमबल की कमी का बड़ा कारणहै।88 फीसदी उद्यम कौशल विकास या प्रशिक्षण योजना का लाभ नहीं उठा रहे हैं।31 फीसदी प्रशिक्षणकार्यक्रमों का अपने लिए प्रासंगिक नहीं मानते हैं।

फंडिंग- सस्ता कर्ज नहीं मिलना, पूंजी बाजारों पर सीमित पहुंच और गारंटी की कमी मझोले उद्योगों के लिएफंडिंग की राह में बाधक हैं।बैंक मध्यम उद्योगों को कर्ज देने के लिए बड़ी कंपनियों की तुलना में चार फीसदी अधिक ब्याज वसूलते हैं।

प्रोद्योगिकी अपग्रेडेशन का अभाव- 60 फीसदी मझोले उद्यम अब भी पुरानी मशीनरी का इस्तेमाल करते हैं, जिससे उत्पादकता और गुणवत्ता प्रभावित होती है।अधिक लागत नईतकनीक अपनाने की उनकी राह में बड़ी बाधा है।

नवाचार में बाधा- मझोले उद्यमों की वृद्धि और प्रतिस्पर्धा के लिए नवाचार महत्वपूर्ण है।फिर भी, इसके लिएउन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा है।78 फीसदी उद्यमों को लगता है कि नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त उपायों की जरूरत है। शोध एवं विकास के लिएसमर्पित फंड गेम चेंजर साबित हो सकता है।

अनुपालन का बोझ- मझोले उद्योग का मानना है कि उनके लिए अनुपालन जरूरतें एमएसई से अधिक हैं। उन्हें श्रम, स्वास्थ्य, सुरक्षा निरीक्षकों के निरीक्षणों और ऑडिट से गुजरना पड़ता है।

जमीन-बुनियादी ढांचा - सस्ती भूमि और बुनियादी ढांचे तक पहुंच उद्योगों के लिए बड़ा मुद्दा है। पिछले दशक में सिर्फ महाराष्ट्र में ही औद्योगिक भूमि की लागत 150 फीसदी बढ़ी है।

आयोग ने की मंत्रालय से सिफारिश

आयोग ने एमएसएमई मंत्रालय में एक समर्पित शोध एवं विकास प्रकोष्ठ स्थापित करने सिफारिश की है। यह प्रकोष्ठ राष्ट्रीय महत्व की क्लस्टर आधारित परियोजनाओं के लिए आत्मनिर्भर भारत कोष का लाभ उठाएगा।अनुपालन को सुगम बनाने और उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधाओं पर भी ध्यान देने को कहा गया है।

वोल्वो कार्स लागत घटाने के लिए 3000 नौकरियों में करेगी कटौती; सीईओ बोले- फैसला कठिन, पर महत्वपूर्ण

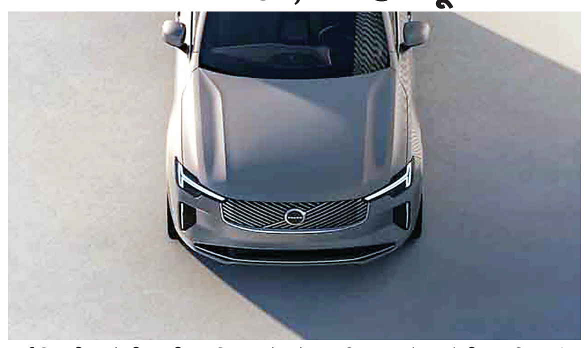

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वीडन स्थित वोल्वो कार्स लागत में कटौती कार्यक्रम के तहत 3,000 पदों को समाप्त करने का फैसला किया है। कंपनी ने मोटर वाहन उद्योग में व्यापारिक तनाव और इसके परिणामस्वरूप पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता से चुनौतियों को देखते हुए यह फैसला किया है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि लगभग 1,200 नौकरियों में कटौती स्वीडन के कर्मचारियों की होगी। वहीं, वर्तमान में परामर्शदाताओं की आरे से भरे गए 1,000 अन्य पदों को भी समाप्त किया जाएगा। इनमें से अधिकतर छंटनी स्वीडन में होगी।

सीईओ बोले- हम एक मजबूत और अधिक लचीली वोल्वो कार्स बना रहे- बाकी नौकरियां अन्य वैश्विक बाजारों में खत्म होंगी। जिन नौकरियों में कटौती की जा रही है, उनमें से अधिकांश दफ्तरों वाले पद हैं। वोल्वो कार्स के अध्यक्ष और सीईओ हाकन सैमुएलसन ने कहा, आज घोषित किए गए निर्णय कठिन हैं, लेकिन वे महत्वपूर्ण कदम हैं क्योंकि हम एक मजबूत और अधिक लचीली वोल्वो कार्स का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ऑटोमोटिव उद्योग एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। इससे निपटने के लिए, हमें अपने नकदी प्रवाह को बेहतर बनाना होगा और संरचनात्मक रूप से अपनी लागत कम करनी होगी। चीन के फर्म गीली के स्वामित्व वाली इस कंपनी में 42,600 पूर्णकालिक कर्मचारी हैं।

हाल के वर्षों में बढ़ी है कार निर्माता कंपनियों की चुनौतियां- हाल के वर्षों में दुनियाभर के कार निर्माता कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसके प्रमुख कारणों में कच्चे माल की बढ़ती लागत, यूरोपीय कार बाजार में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से आयातित कारों और स्टील पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाना शामिल है।

कंपनी के 'मालिक' बेच रहे हैं 15.02 प्रतिशत हिस्सा, छोटे निवेशक नाखुश

नई दिल्ली, एजेंसी। सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड के प्रमोटर्स कंपनी में अपनी हिस्सेदारी घटा रहे है। इस कंपनी के प्रमोटर्स 15.02 प्रतिशत हिस्सेदारी घटा रहे हैं। प्रमोटर्स की तरफ से ऑफर फार सेल के जरिए शेयर बेचा जा रहा है। नॉन रिटेल निवेशक आज इस ऑफर फार सेल्स पर दांव लगा पाएंगे।

वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए यह ओएफएस कल यानी 28 मई को खुलेगा। बता दें, इस ऑफर फार सेल के लिए फ्लोर प्राइस 38 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। प्रमोटर्स के इस फैसले से निवेशक खुश नजर नहीं आ रहे हैं। आज यानी मंगलवार को कंपनी के शेयरों में लोअर सर्किट लगा है। 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड के शेयर 40.72 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है।

कौन बेच रहा है कितना शेयर

सैजिलिटी ने 346,132,843 शेयर बेचने का प्रस्ताव दिया है। जोकि कंपनी के 7.39 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। यदि ओवरसब्सक्रिप्शन विकल्प प्रयोग किया जाता है। यह कंपनी 15.02 प्रतिशत हिस्सा के बराबर है।

क्या है टारगेट प्राइस- ब्रोकरेज हाउस आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने 16 मई को जारी किए गए नोट्स में इस स्टॉक को बाय रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने 60 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। पहले ब्रोकरेज हाउस ने 56 रुपये सेट किया है।

पिछले साल आया था आईपीओ

यह आईपीओ 5 नवंबर 2024 को ओपन हुआ था। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 30 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। आईपीओ का साइज 2106.60 करोड़ रुपये का है। 3 दिन के सब्सक्रिप्शन के दौरान यह आईपीओ 3.2 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। रिटेल कैटगरी में यह आईपीओ 4.16 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था।

5150 इलेक्ट्रिक बसों की सप्लाई नहीं कर पाई कंपनी!

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज काफी गिर गए हैं। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के शेयर में आज शुरुआती कारोबार के दौरान ही 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई और यह 1180 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गया। शेयरों में इस गिरावट के पीछे एक डील कैंसिल होने की खबर है। दरअसल, महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने अधिकारियों को समय पर डिलीवरी न करने के कारण कंपनी को दिए गए टेंडर ऑर्डर को रद्द करने का निर्देश दिया है।

क्या है डिटेल- सरनाईक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ओलेक्ट्रा का नाम लिए बिना लिखा कि कंपनी 5,150 लीज्ड बसों की सप्लाई में विफल रही है और उन्होंने अधिकारियों को उक्त समझौते को रद्द करने के लिए कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। यह निर्णय सोमवार शाम को महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) मुख्यालय में आयोजित बैठक के दौरान लिया गया। मंत्री ने आगे लिखा कि ओलेक्ट्रा को 22 मई तक 1,000 बसों की आपूर्ति के लिए एक संशोधित कार्यक्रम दिया गया था, लेकिन एक भी बस की सप्लाई नहीं की गई, जिससे कंपनी द्वारा बसों की भविष्य में आपूर्ति पर संदेह पैदा हो गया है। मंत्री ने एक्स पर लिखा, इसलिए, यह निर्णय लिया गया कि कंपनी के साथ निविदा समझौता रद्द कर दिया जाना चाहिए। हालांकि, ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक ने ऑर्डर रद्द करने के संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

कंपनी के शेयरों के हाल- बता दें कि कंपनी को एमएसआरटीसी से 5,150 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति के लिए आशय पत्र दिया गया था। ऑर्डर का मूल्य लगभग 10,000 करोड़ था और अनुबंध अवधि 12 वर्ष थी। एवे को ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक से बसें खरीदनी थीं और फिर उन्हें अगले 24 महीनों (जुलाई 2025 तक) में एमएसआरटीसी को सौंपना था, जबकि ओलेक्ट्रा पूरे कॉन्ट्रैक्ट अवधि के दौरान रखरखाव सेवाएं प्रदान करेगी। घोषणा के बाद उस दिन शेयर में 20 प्रतिशत की उछाल आई थी। जुलाई 2023 और फरवरी 2024 के बीच, ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयर दोगुना से अधिक हो गया, जिससे प्रति शेयर 2,200 से अधिक का सर्वकालिक उच्च स्तर बन गया।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के नौवें संस्करण के लिए 'Innovate to Transform' थीम का अनावरण किया

नई दिल्ली, केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नई दिल्ली के यशोभूमि कनवेंशन सेंटर में 8 से 11 अक्टूबर, 2025 तक होने जा रहे इंडिया मोबाइल कांग्रेस, 2025 के नौवें संस्करण के लिए थीम के तौर पर ÒInnovate to TransformÓ का अनावरण किया। इस वर्ष का संस्करण गठबंधन को बढ़ावा देकर, अत्याधुनिक उन्नयन प्रदर्शित कर और तेजी से उभर रहे डिजिटल परिदृश्य की चुनौतियों से निपट कर और अवसरों का दोहन कर पूर्व की विरासत को और समृद्ध करने का वादा करता है।

इस वर्ष की थीम भविष्य को आकार देने में नवप्रवर्तन की अहम भूमिका को रेखांकित करता है और उद्योग और आधारभूत ढांचे से लेकर समाज तक में आ रह परिवर्तन और टिकाऊपन को समर्थ बनाता है। यह निरंतर रचनात्मकता और आगे की सोच की जरूरत को रेखांकित करता है जिससे दूरसंचार, डिजिटल ढांचे और इससे परे उभरती चुनौतियों से निपटा जा सके और नए अवसरों का दोहन किया जा सके। आईएमसी 2025 उद्योगपतियों, स्टार्टअप्स और टेक्नोलॉजी को लेकर उत्साहित लोगों को साथ आकर ऐसे समाधान निकालने का आह्वान करता है जो समावेशी वृद्धि के अगले युग और डिजिटल उन्नयन में भारत के बढ़ते नेतृत्व को ताकत प्रदान करे।

दूरसंचार विभाग (डॉट) और सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) द्वारा आयोजित आईएमसी 2025 में 150 से अधिक देशों से 1.5 लाख से अधिक लोगों के शिरकत करने की संभावना है जहां 400 से अधिक प्रदर्शक और साझीदार और 7,000 से अधिक वैश्विक प्रतिनिधि शामिल होंगे। वर्ष 2023 में प्रारंभ अग्रणी स्टार्टअप प्रोग्राम एस्पायर के अंतर्गत 500 से अधिक स्टार्टअप्स आएंगे और यह आयोजन उन्हें मार्गदर्शन, लाइव पिचिंग सत्रों और नेटवर्किंग के लिए 300 से अधिक निवेशकों, इनक्यूबेटर्स एक्सिलरेटर्स और वीसी से जोड़ेगा। एशिया के सबसे बड़े डिजिटल टेक्नोलॉजी फोरम में 800 से अधिक वक्ता 100 से अधिक सम्मेलन सत्रों में हिस्सा लेंगे।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, भारत आज दूरसंचार क्षेत्र में क्रांति का नेतृत्व कर रहा है और हमने भविष्य का कभी इंतजार नहीं किया, बल्कि हमेशा इसे आकार दिया है। 'ढ्ढठ्ठठ्ठश1ड्डह्लद्ग ह्लश ञ्जह्म्ड्डठ्ठह्यद्घशह्म्द्व' थीम इस अवधारणा को रेखांकित करती है कि परिवर्तन की इस यात्रा में भारत का दिशा सूचक यंत्र दिशा प्रदान करता रहा है। आज हम उन शीर्ष छह देशों में शामिल हैं जो 6जी पेटेंट के लिए आवेदन कर रहे हैं। हमने पूरे विश्व में सबसे जबरदस्त दूरसंचार नेटवर्क और प्रणालियों का निर्माण किया है जोकि अत्याधुनिक, ग्राहक उन्मुखी और सेवा उन्मुखी हैं। जब हम इस तरह के अवसरों के बारे में बात करते हैं तो नवप्रवर्तन को हमारे अस्तित्व के केंद्र में रखना है। 22 माह की अवधि में हमने विश्व के लिए पहला घरेलू 4जी स्टैक तैयार किया और भारत अपना खुद का दूरसंचार स्टैक तैयार करने वाले विश्व का पांचवा देश बन गया है।

जून 2025 में आईआईएम रायपुर के प्रबंधन विकास कार्यक्रमों के साथ अपने पेशेवर विकास को दें एक नई दिशा

रायपुर, एजेंसी। भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर, जिसे #BuildingBusinessOwners के लिए जाना जाता है, ने जून 2025 के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रमों की एक रोमांचक श्रृंखला की घोषणा की है। ये कार्यक्रम विशेष रूप से कार्यरत पेशेवरों और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए तैयार किए गए हैं, जिनका उद्देश्य प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण व्यापार क्षेत्रों में नवीनतम ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है।

पाठ्यक्रम में वित्त, मशीन लर्निंग और अन्य क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा। ये तीनों स्क्क्ष्ठह्य आईआईएम रायपुर के प्रतिष्ठित फैकल्टी सदस्यों द्वारा संचालित किए जाएंगे, जो अकादमिक गहराई और व्यावहारिक अनुप्रयोग का संयोजन प्रस्तुत करते हैं। इन्हें उद्योगों और पेशेवरों की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विशेष रूप से तैयार किया गया है। वास्तविक दुनिया पर आधारित शिक्षण पद्धति के माध्यम से प्रतिभागियों को हाथों-हाथ सीखने का अवसर मिलेगा। आईआईएम रायपुर के निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, यह एक ऐसा युग है जो अस्थिरता, डेटा की अधिकता और तेज़ नवाचार से परिभाषित होता है। ऐसे में संगठनों को ऐसे अग्रणी लोगों की आवश्यकता है जो गंभीरता से सोच सकें, तेजी से अनुकूल हो सकें और निर्णायक कदम उठा सकें। आईआईएम रायपुर में हमारे प्रबंधन विकास कार्यक्रम केवल अकादमिक कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि ये परिवर्तनकारी यात्राएं हैं। इन कार्यक्रमों को खासतौर पर इस तरह तैयार किया गया है।

केएफसी के नए वैल्यू ऑफर के साथ ईपीआईसी टेस्ट और ईपीआईसी बचत पाएं

केएफसी सभी चिकन प्रेमियों के लिए एक ईपीआईसी ऑफर लेकर आया है! भारत में केएफसी के फैन्स अब ऑल-न्यू ईपीआईसी सेवर्स के साथ अपने पसंदीदा केएफसी का आनंद ले सकते हैं। यह ऑफर इतना बढ़िया है कि आप पूरे दिन 9 फॉर 299 रिपीट करते रहेंगे।क्यों? क्योंकि केएफसी ईपीआईसी सेवर्स चिकन प्रेमियों को केवल 299/- में 9 पीस फिंगर लिकिंग गुड चिकन का स्वाद दे रहा है। इसी अविश्वसनीय मूल्य में मिल रहे हैं 7 स्वादिष्ट बोनलेस चिकन स्ट्रिप्स और हॉट एंड क्रिस्पी चिकन के 2 क्रंची, ज्यूसी पीस। यह ऑफर भारत में केएफसी के सभी 1300+ रेस्टोरेंट्स में केवल डाइन-इन के लिए मान्य है। नई कैम्पेन फिल्म में सुपरस्टार एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर और इंटरनेट के फनीमैन दानिश सैत दिखाई दे रहे हैं, जो अविश्वसनीय 9 फॉर 299 ऑफर देखकर खुशी से चीख उठते हैं। क्योंकि जब आपको ईपीआईसी टेस्ट और ईपीआईसी बचत दोनों एक साथ मिल सकते हैं, तो इनमें से किसी एक को क्यों चुनें? तो, आपको किसका इंतज़ार है? अपने दोस्तों और परिवार को बुलाइये और अपने नज़दीकी केएफसी में मिलकर ईपीआईसी टाइम बिताइये। भारत में 1300+ केएफसी रेस्टोरेंट्स में से किसी में भी आकर इस ईपीआईसी ऑफर का लाभ उठाइये।

बीसीसीआई मनाएगा ऑपरेशन सिंदूर का जश्न

आईपीएल फाइनल के लिए तीनों सेनाओं के प्रमुखों को किया आमंत्रित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को कहा कि उसने अहमदाबाद में तीन जून को होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग फाइनल के लिए तीनों सेना के प्रमुखों को आमंत्रित किया है। टूर्नामेंट के समापन समारोह के दौरान हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर में उनके 'वीरतापूर्ण प्रयासों को सलामी दी जाएगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक मीडिया बयान में यह घोषणा की। सैकिया ने कहा, 'हमने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए सभी भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुखों, शीर्ष अधिकारियों और सैनिकों को अहमदाबाद में आईपीएल फाइनल के लिए आमंत्रित किया है। सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई देश के सशस्त्र बलों की 'वीरता, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलाम करता है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर के तहत वीरतापूर्ण प्रयासों की सराहना की जिसने राष्ट्र की रक्षा की और उसे प्रेरित किया। सैकिया ने कहा, 'उनकी सराहना के तौर पर हमने समापन समारोह को सशस्त्र बलों को समर्पित करने और अपने नायकों को सम्मानित करने का फैसला किया है। जबकि क्रिकेट एक राष्ट्रीय जुनून बना हुआ है लेकिन हमारे देश और इसकी संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा से बड़ा कुछ भी नहीं है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी थल सेना प्रमुख हैं जबकि एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी नौसेना प्रमुख हैं। एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह वायुसेना प्रमुख हैं। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले में 26 लोगों की पाकिस्तान समर्थित आतंकियों द्वारा हत्या के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। आतंकी हमले में मारे गए अधिकतर लोग पर्यटक थे। जवाबी कार्रवाई के कारण दोनों चिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच संक्षिप्त सैन्य टकराव हुआ था जिसके बाद भारत ने पाकिस्तान के संघर्ष विराम के अनुरोध पर अपने अभियान को रोकने पर सहमति जताई थी।

पंजाब किंग्स से हार हमारे लिए चेतावनी की तरह है: रेयान रिकेल्टन

जयपुर, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन ने स्वीकार किया कि पंजाब किंग्स से सात विकेट की हार एक चेतावनी की तरह है लेकिन उन्हें विश्वास है कि पांच बार की चैंपियन टीम में आईपीएल एलिमिनेटर जीतने के लिए जरूरी क्षमता है। मुंबई ने सोमवार को पंजाब

के खिलाफ अपने अंतिम लीग मैच में हारकर शीर्ष दो में जगह बनाने का मौका गंवा दिया। इस हार के बाद अब उसे गुरुवार को एलिमिनेटर में उतरना होगा, जहां उसका सामना गुजरात टाइटन्स या रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा। रिकेल्टन ने मैच के बाद कहा, 'हमें इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। इसलिए यह हमारे लिए एक चेतावनी की तरह है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने स्वीकार किया कि नॉकआउट से पहले मुंबई को कुछ क्षेत्रों में सुधार करना होगा। रिकेल्टन ने कहा, 'यह अंत नहीं है। ईमानदारी से कहूं तो टीम बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है, हमें सिर्फ बल्ले, गेंद और क्षेत्ररक्षण में कुछ चीजों में और बेहतर करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास एलिमिनेटर जीतने के लिए कौशल और अच्छे खिलाड़ी हैं। हमारे खिलाड़ी निश्चित रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगे जिनमें हमें सुधार करने की जरूरत है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम अगले मैच में दमदार प्रदर्शन करेंगे।

वैभव सूर्यवंशी की टाइमिंग से महान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टीव वॉ हैरान, करियर को लेकर दी खास सलाह

मुंबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के इस सत्र में सनसनी फैलाने वाले 14 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी की शानदार टाइमिंग से हैरान आस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ ने उन्हें 'सुपरनोवा बनने से बचते हुए नियंत्रण पर फोकस करने की सलाह दी है। वॉ नियमित रूप से आईपीएल नहीं देखते हैं लेकिन उन्होंने सूर्यवंशी को शानदार खिलाड़ी बताते हुए कहा कि उसे अपने पैर जमीन पर रखने होंगे। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में शतक जमाया जो टूर्नामेंट में किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे तेज शतक है। वॉ ने जियो स्टार पर कहा, '14 साल की उम्र में उस पर कोई दबाव नहीं है। वह पूरी आजादी के साथ खेल रहा है जिसे देखकर अच्छा लगा। मुझे लगता है कि उसके सामने चुनौती नियंत्रण बनाए रखने की होगी।

वॉ का मानना है कि एक करोड़ से अधिक का आईपीएल करार पा चुके सूर्यवंशी 16 वर्ष के होने से पहले करोड़पति होंगे और उन पर अपेक्षाओं का काफी दबाव होगा। उन्होंने कहा, 'क्या वह इसी उत्साह से खेल सकेगा, इसी आजादी से बल्लेबाजी करेगा ? यह एक चुनौती होगी। उन्होंने कहा, 'उसके पास कौशल है और वह मानसिक रूप से मजबूत है। आप चाहते हैं कि उसके जैसा बल्लेबाज कामयाब हो। क्रिकेट के लिए यह शानदार कहानी है। मैं आईपीएल ज्यादा नहीं देखता लेकिन इस तरह का कोई खिलाड़ी आता है तो देखने का मन करता है। भारत में हर नए

बल्लेबाजी स्टार की तुलना सचिन तेंदुलकर से की जाती है लेकिन वॉ ने कहा कि सूर्यवंशी या किसी की भी तुलना उनसे नहीं होनी चाहिये क्योंकि तेंदुलकर जैसी प्रतिभा बार बार नहीं आती। पर्थ में 1991-92 में 18 वर्ष के तेंदुलकर की 114 रन की पारी आज भी याद की जाती है। वॉ ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि सचिन तेंदुलकर से किसी की भी तुलना हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया में आकर पर्थ में शतक जड़ना जो दुनिया की सबसे कठिन पिचों में से है और जहां अधिकांश खिलाड़ी जूझते नजर आते हैं। उन्होंने कहा, 'पर्थ में इतनी कम उम्र में शतक लगाना हैरानी भरा था। सचिन तेंदुलकर जैसा दूसरा आसानी से नहीं मिल सकता।

शीर्ष दो में जगह बनाना अद्भुत, लेकिन हमारा लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है : शशांक

जयपुर, एजेंसी। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने कहा कि टीम सामूहिक प्रयास से इंडियन प्रीमियर लीग की अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने में सफल रही लेकिन काम अभी पूरा नहीं हुआ है और उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है। पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर प्लेऑफ में शीर्ष दो में अपना स्थान पक्का कर लिया है जिससे उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिलेंगे। यह पिछले 11 वर्षों में पहला अवसर है जबकि पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ में जगह बनाई। शशांक ने कहा, 'यह वास्तव में अद्भुत अहसास है। सबसे अच्छी बात यह है कि हमने सामूहिक प्रयास से इसे हासिल किया। नीलामी के ठीक बाद हमने एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया और इस साल खिताब जीतने के बारे में बात की। हमारा पहला लक्ष्य शीर्ष दो में जगह बनाना था और हमने इसे हासिल कर लिया है। इस 33 वर्षीय इस खिलाड़ी ने कहा कि विश्वास और कड़ी मेहनत ही उनके सपने को वास्तविकता में बदलने की कुंजी थी। उन्होंने कहा, 'अपनी बात को जाहिर करना अलग चीज है और उस पर विश्वास करना अलग।

हमने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसका श्रेय पंजाब किंग्स से जुड़े हर एक व्यक्ति को जाता है। आईपीएल जैसी लीग में शीर्ष दो में रहना आसान नहीं है। शशांक ने कहा, 'शीर्ष दो में जगह बनाने से अभी काम पूरा नहीं हुआ है। हम ट्रॉफी जीतना चाहते हैं। चार जून को तड़के 12 बजे जब हम खिताब जीतने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बैठे होंगे, तो मैं कह सकता हूं कि हां, हम दुनिया में शीर्ष पर हैं। शशांक उन कुछ खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्हें मेगा नीलामी से पहले टीम में बरकरार रखा गया था, लेकिन टीम में आमूलचूल परिवर्तन किया गया और ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग को मुख्य कोच और श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया गया।

उन्होंने कहा, 'पहले दिन से ही रिकी सर और श्रेयस का मुख्य आदर्श वाक्य रहा है कि हमें एक नई संस्कृति को विकसित करना है और उसे बनाए रखना है। हमें एक दूसरे पर पूरा भरोसा रखना है और फिर परिणाम खुद ही अनुकूल आएंगे। रिकी सर्वश्रेष्ठ कोच हैं। उन्होंने हमारी मानसिकता और विश्वास को बदल दिया है। खेल के प्रति हमारे नजरिए को बदलने का श्रेय उन्हें दिया जाना चाहिए।

आईपीएल 2025:

54 करोड़ के इन 5 खिलाड़ियों ने बिगाड़ा KKR का खेल, अगले सीजन में छुट्टी तय !

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए आईपीएल 2025 सीजन बेहद निराशाजनक रहा. बड़ी-बड़ी उम्मीदों और मशहूर खिलाड़ियों से सजी टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई. 2024 की चैंपियन टीम ने इस बार अपने फैंस को निराश किया. लीग के आखिरी मुकाबले में भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ गेंदबाज़ों ने बेहद खराब प्रदर्शन किया और 278 रन लुटा दिए. अब टीम ऐसे मोड़ पर आ चुकी है, जहां कड़े फैसले लेने की ज़रूरत है. कई महंगे खिलाड़ी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे और टीम को कोई खास फायदा नहीं दिला पाए. अगले सीजन के लिए तैयारी करते हुए चयक्रको कुछ खिलाड़ियों को बिना किसी हिचकिचाहट के रिलीज़ कर देना चाहिए. यहां ऐसे 5 खिलाड़ी हैं जिन्हें चयक्र को अगले सीजन से पहले छोड़ देना चाहिए. कोलकाता ने इन 5 खिलाड़ियों पर कुल करीब 54 करोड़ की मोटी रकम खर्च की लेकिन उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा.

1. वेंकटेश अय्यर – 23.75 करोड़ कीमत, लेकिन...

वेंकटेश अय्यर को कोलकाता ने करीब 24 करोड़ की मोटी रकम में अपने साथ जोड़ा. लेकिन उनका प्रदर्शन न तो बल्ले से अच्छा रहा और न ही गेंदबाजी में उन्होंने अच्छा योगदान दिया. अय्यर एक भी मैच में छाप छोड़ने में नाकाम रहे. टीम को उनकी भूमिका के बारे में सोचना होगा. अय्यर ने 11 मैच में केवल 160 रन ही बनाए.

2. आंद्रे रसेल– एक वक्त में आंद्रे रसेल का नाम ही विरोधी टीमों में डर पैदा कर देता था, लेकिन अब वह दौर खत्म हो चुका है. इस सीजन में उन्होंने सिर्फ 167 रन बनाए और 8 विकेट लिए. 11 करोड़ में वो ना तो फिट रहे और ना ही फॉर्म में.

3. रिंकू सिंह – 2023 का हीरो, 2025 में फ्लॉप –रिंकू सिंह को 13 करोड़ में रिटेन किया गया था, लेकिन इस सीजन में उनका प्रदर्शन बहुत ही औसत रहा. सिर्फ 197 रन बनाए और अहम मौकों पर फेल हो गए. एक अच्छे सीजन के दम पर बार-बार मौका देना अब समझदारी नहीं है.

4. क्विंटन डी कॉक – डी कॉक ने पूरे सीजन में एक ही शानदार पारी खेली. राजस्थान के खिलाफ उनके बल्ले से 97 रन आए. लेकिन इसके बाद वो बुरी तरह फ्लॉप रहे. सिर्फ 143 रन बनाए. वहीं रहमानुल्लाह गुरबाज़ ज्यादा लचीलापन दिखा रहे हैं. ऐसे में डी कॉक को रिलीज़ करना सही रहेगा. क्विंटन पर कोलकाता ने 3 करोड़ से ज्यादा की रकम खर्च की.

5. मोईन अली – इंग्लैंड के अनुभवी ऑलराउंडर को चयक्र ने टीम में शामिल किया, लेकिन उन्होंने निराश किया. गेंदबाज़ी थोड़ी ठीक रही, लेकिन बल्लेबाज़ी में उनका कोई खास योगदान नहीं रहा. उम्र भी बढ़ चुकी है और केकेआर को अब नए विकल्प तलाशने होंगे. मोईन अली को कोलकाता ने 2 करोड़ की मोटी रकम में अपने साथ जोड़ा.

आईपीएल एलिमिनेटर खेलने से पहले मुंबई इंडियंस इन बातों को चाहेगी भूलना

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 (सीजन 18) में हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस की शुरुआत भले ही कमजोर रही, लेकिन जसप्रीत बुमराह की वापसी ने टीम में नई जान फूंक दी। एक समय अंक तालिका में शीर्ष दो स्थानों के लिए प्रबल दावेदार मानी जा रही मुंबई इंडियंस को सोमवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार ने तय कर दिया कि अब मुंबई को प्लेऑफ में एलिमिनेटर मैच खेलना होगा। इतिहास गवाह है कि मुंबई इंडियंस ने पहले चार बार एलिमिनेटर मैच खेले हैं, लेकिन हर बार फाइनल तक का सफर पूरा नहीं कर पाई। क्या इस बार हार्दिक की कप्तानी में यह टीम इतिहास बदल पाएगी?

आईपीएल का प्लेऑफ फॉर्मेट – आईपीएल में 10 टीमें हिस्सा लेती हैं, और अंक तालिका में शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करती हैं। इनमें से शीर्ष दो टीमें (टॉप-2) को फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिलते हैं। अगर वे क्वालीफायर-1 हार भी जाएं, तो क्वालीफायर-2 में उनके पास एक और मौका होता है। इस सीजन में पंजाब किंग्स ने टॉप-2 में अपनी जगह पक्की कर ली है। वहीं, तीसरे और चौथे स्थान की टीमों को खिताब जीतने के लिए लगातार तीन मैच जीतने होते हैं। इन दोनों के बीच एलिमिनेटर मैच होता है, जिसमें हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाती है, और जीतने वाली टीम क्वालीफायर-2 में प्रवेश करती है। मुंबई इंडियंस के अलावा अभी यह तय नहीं है कि एलिमिनेटर में उनकी विपक्षी टीम कौन होगी।

मुंबई इंडियंस का प्लेऑफ इतिहास – हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस पहली बार प्लेऑफ में पहुंची है। इससे पहले रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम ने पांच बार (2013, 2015, 2017, 2019 और 2020) आईपीएल खिताब अपने नाम किया है। मुंबई ने कुल 10 बार प्लेऑफ में जगह बनाई है, जिसमें से पांच बार टॉप-2 में रहकर खिताब जीता। सबसे पहले 2010 में सचिन तेंदुलकर की कप्तानी में मुंबई फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स ने उसे हरा दिया। इसके अलावा 2011, 2012, 2014 और 2023 में भी मुंबई प्लेऑफ में पहुंची, लेकिन इन सीजनों में तीसरे या चौथे स्थान पर रहने के कारण एलिमिनेटर खेलना पड़ा। इन चार मौकों पर मुंबई कभी भी फाइनल तक नहीं पहुंच सकी।

अल नासर छोड़ रहे हैं दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो !

अब किस टीम की पहन सकते हैं जर्सी?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर कर अल-नासर छोड़ने का संकेत दिया है, जिससे पूरे फुटबॉल जगत में हलचल मच गई है। क्लब के सऊदी प्रो लीग के आखिरी मैच में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गोल किया। लेकिन अल नासर, अल-फतेह से उस मैच में 3-2 से हार गई। गोल करने के एक घंटे से भी कम समय के बाद 40 वर्षीय खिलाड़ी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की। रोनाल्डो का सऊदी क्लब के साथ अनुबंध 30 जून, 2025 को समाप्त होने वाला है। अब, इस स्टार फुटबॉलर के पोस्ट के बाद फैंस उनके अगले मूव के बारे में कयास लगा रहे हैं।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने शेयर की गई अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, यह चैप्टर खत्म हो गया। कहानी? अभी लिखी जा रही है। सभी का आभारी हूं। उनके इस कैप्शन से एक ही मतलब निकल रहा है कि अल नासर के साथ उनकी जर्नी समाप्त हो गई है। कोई नई डील न होने के कारण, इस फुटबॉल आइकन का भविष्य अनिश्चित है। हालांकि, क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने करियर में 1,000 गोल पूरे होने तक खेलने का वादा किया है (वह वर्तमान में 940 के करीब हैं) और वह अभी संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। वह अब किस क्लब के लिए खेलेंगे अभी तय नहीं हुआ है।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट की रोमांचक शुरुआत, कार्लसन की सटीकता के आगे गुकेश को मिली हार

स्टावेंजर (नॉर्वे), एजेंसी। नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट की शुरुआत बेहद शानदार रही। पहले ही दिन खेले गए मुकाबले बहुत रोमांचक थे। यह टूर्नामेंट इस साल का सबसे प्रतीक्षित शतरंज मुकाबला माना जा रहा है। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश डोम्मराजू के बीच मुकाबला बेहद कड़ा रहा। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने आखिरी चरण में अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाया। समय की कमी के कारण गुकेश से एक चूक हो गई, और कार्लसन ने खेल को अपने पक्ष में सटीक रूप से समाप्त किया। एक और दिलचस्प मुकाबला अमेरिका के दो दिग्गजों, हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारुआना के बीच हुआ। नाकामुरा ने खेल के दौरान ड्रॉ (बराबरी) का प्रस्ताव दिया था, लेकिन कारुआना ने उसे ठुकरा दिया। अंत में नाकामुरा ने काले मोहरों से खेलते हुए यह मैच जीत लिया। वेई यी और अर्जुन एरिगैसी का मुकाबला सबसे पहले समाप्त हुआ, जो ड्रॉ रहा। इसके बाद 'आर्मागेडन' नामक दमदार गेम हुआ, जिसमें अर्जुन ने वेई यी के दबाव को अच्छे से झेला और जीत दर्ज की। महिला वर्ग में भी जबरदस्त मुकाबले हुए। भारत की हम्पी कोनेरू ने वैशाली रमेशबाबू को हराकर दिन की इकलौती निर्णायक जीत दर्ज की।

शुभमन गिल को आधे घंटे तक गौतम गंभीर को मनाना पड़ा, इंग्लैंड के लिए मुश्किल से हुआ इस खिलाड़ी का...

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का सेलेक्शन कर दिया गया है. भारत की 18 सदस्यीय टेस्ट टीम की कमान इस बार उसके नए कप्तान शुभमन गिल के हाथों में है. बतौर कप्तान शुभमन गिल भी उस मीटिंग का हिस्सा थे, जहां टीम चुनी गई. बहरहाल, अब ये खबर आ रही है कि जिन 18 खिलाड़ियों को चुना गया है, उनमें से एक के सेलेक्शन को लेकर गौतम गंभीर खिलाफ थे. उस खिलाड़ी का सेलेक्शन बड़ी मुश्किल से इंग्लैंड दौरे की टीम इंडिया में हुआ है. उसके लिए गिल को गंभीर को राजी करने में पापड़ बेलने पड़े हैं. उन्होंने तकरीबन आधे घंटे तक समझाया है, तब जाकर हेड कोच गौंतम गंभीर उस खिलाड़ी को लेने को तैयार हुए.

इस खिलाड़ी के सेलेक्शन पर गिल-गंभीर में थी ठनी! – अब आप सोच रहे होंगे कि वो खिलाड़ी है कौन? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिस खिलाड़ी को लेकर गौतम गंभीर और शुभमन गिल में ठन गई थी, उनका साई सुदर्शन है. हालांकि, ये थोड़ा समझ से परे भी है कि गंभीर, उनके चुने जाने के खिलाफ क्यों थे? वो भी तब जब उनका प्रदर्शन ही नहीं अच्छा है बल्कि उनके पास इंग्लैंड की

काउंटी क्रिकेट में खेलने का अनुभव भी हैं.

शुभमन गिल के मनाने पर माने गंभीर! – क्रिकब्लॉगर ने लिखा कि गौतम गंभीर खुद भी एक बाएं हाथ के बल्लेबाज रहे हैं, बावजूद इसके उनका साई सुदर्शन के लिए मना करना समझ से परे रहा. साई सुदर्शन के नाम की दुनिया भर के क्रिकेटर वकालत कर रहे थे, मगर लगता है गंभीर का प्लान कुछ और ही था. बहरहाल, शुभमन गिल ने आखिरकार उन्हें अपना इरादा बदलने पर मजबूर किया और फिर साई सुदर्शन को चुना गया.

तीसरे ओपनर हो सकते हैं साई सुदर्शन – टीम इंडिया में साई सुदर्शन का सेलेक्शन ओपनिंग स्लॉट के लिए हुआ है. ऐसा माना जा रहा है कि वो टीम के तीसरे ओपनर होंगे. साई सुदर्शन के सेलेक्शन में उनके आईपीएल और रणजी के प्रदर्शन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. वो आईपीएल 2025 में फिलहाल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में एक हैं. जबकि उन्होंने 2024-25 के रणजी सीजन में 76 की औसत से रन बनाए हैं, जि,समें एक डबल सेंचुरी भी हैं.

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

बारिश के बाद मुंबई को राहत मिली, बारिश की उम्मीद के चलते रेड अलर्ट जारी किया गया

मुंबई, एजेंसी। मुंबई को आज सुबह लगातार हो रही बारिश से कुछ राहत मिली, जबकि भारतीय मौसम विभाग ने आज शहर के लिए फिर से बारिश का अलर्ट जारी किया है। मुंबई में रात भर बारिश होती रही, लेकिन सुबह होते-होते इसकी तीव्रता काफी कम हो गई, जिससे निवासियों को कुछ देर के लिए रुकना पड़ा।

शहर में कहीं भी जलभराव की कोई खबर नहीं है, जो यात्रियों के लिए राहत की बात है। मुंबई की जीवनरेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेन सेवाएं तीनों महत्वपूर्ण लाइनों - सेंट्रल, वेस्टर्न और हार्बर पर तय समय पर चल रही हैं।

रविवार मध्यरात्रि से सोमवार दोपहर के बीच शहर के कुछ हिस्सों में 200 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई, जिसके बाद भारतीय मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान को रेड अलर्ट में अपग्रेड किया, जिसमें मुंबई के साथ-साथ पड़ोसी जिलों ठाणे, रायगढ़ और रत्नागिरी में गरज और तेज़ हवाओं के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी गई।

सप्ताहांत में शहर में हल्की से मध्यम बारिश रविवार रात को भारी बारिश में बदल गई। दिन भर बारिश जारी रहने के कारण उपनगरीय ट्रेन सेवाओं के साथ-साथ सड़क यातायात भी प्रभावित हुआ और शहर के कई इलाकों में जलभराव की खबरें आईं। एक भूमिगत स्टेशन के पानी से भर जाने के बाद मेट्रो लाइन पर परिचालन निलंबित कर दिया गया।

गर्मी की छुट्टियों के बाद सुप्रीम कोर्ट में नजर आ सकते हैं तीन नए जज, कॉलेजियम ने की सिफारिश

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने तीन उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत करने की संस्तुति की। अनुशंसित नामों में न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया, जो वर्तमान में कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश हैं, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई, जो गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश हैं, और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर, जो बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं, शामिल हैं। न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया, जिन्होंने अगस्त 1988 में गुजरात उच्च न्यायालय से अपना कानूनी करियर शुरू किया था, संवैधानिक, सिविल और श्रम कानून में उनकी व्यापक पृष्ठभूमि है। उन्हें 2011 में गुजरात उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था और दो साल बाद वे स्थायी न्यायाधीश बन गए। 2024 में, उन्हें कर्नाटक उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई, जो 1989 में स्नातक हैं, ने अपना अधिकांश करियर राजस्थान उच्च न्यायालय में बिताया है, जहाँ उन्होंने सिविल, आपराधिक और संवैधानिक कानून के कई मामलों को संभाला है। इसके अलावा, उन्होंने 2000 से 2004 के बीच विभिन्न राज्य विभागों का प्रतिनिधित्व करते हुए अतिरिक्त केंद्र सरकार के स्थायी वकील के रूप में कार्य किया। न्यायमूर्ति बिश्नोई फरवरी 2024 में गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बने।

न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर, 1988 से अधिवक्ता हैं, उन्होंने 1992 में नागपुर जाने से पहले मुंबई में वकालत की थी। विविध कानूनी पृष्ठभूमि के साथ, उन्हें 2013 में बॉम्बे उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने न्यायिक करियर के अलावा, न्यायमूर्ति चंदुरकर एक कुशल लेखक भी हैं, जिन्होंने महाराष्ट्र के नगरपालिका और किराया नियंत्रण कानूनों पर कानूनी किताबें लिखी हैं।

राजस्थान बोर्ड मूल्यांकन में लापरवाही, गोपनीयता भंग पर 4 शिक्षक सस्पेंड! दो पर तीन साल की रोक

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में लापरवाही बरतने और गोपनीयता भंग करने के मामले में शिक्षा निदेशालय ने कड़ी कार्रवाई करते हुए चार शिक्षकों को निलंबित कर दिया है। साथ ही दो शिक्षकों को आगामी तीन वर्षों तक किसी भी प्रकार के मूल्यांकन कार्य से भी वंचित कर दिया गया है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने सोमवार देर रात आदेश जारी किए।

पहला मामला अलवर से सामने आया

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, अलवर के वरिष्ठ शिक्षक ओमप्रकाश सैनी को बोर्ड की माध्यमिक परीक्षा 2025 के गणित विषय की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य सौंपा गया था। लेकिन उन्होंने मूल्यांकन के दौरान गोपनीयता नियमों का उल्लंघन करते हुए उत्तर पुस्तिकाएं इंटर्न छात्रों के समक्ष खुली छोड़ दीं। यही नहीं, विद्यालय की हिन्दी साहित्य की व्याख्याता मीनाक्षी अरोड़ा ने उन उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो लेकर सोशल मीडिया पर साझा कर दी, जिससे पूरे मूल्यांकन की गोपनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। दोनों शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

डीडवाना-कुचामन क्षेत्र से दूसरा मामला

इसी तरह संस्कृत विषय की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में भी गंभीर लापरवाही का मामला उजागर हुआ है। रा.उ.मा.वि., बागोट (डीडवाना-कुचामन) के वरिष्ठ शिक्षक भवरूद्दीन को मूल्यांकन कार्य सौंपा गया था, लेकिन उन्होंने यह कार्य स्वयं करने की बजाय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, निम्बड़ी (मकराना) के शिक्षक प्रदीप कुमार शर्मा और उनके पिता की मदद से उत्तर पुस्तिकाओं की केजिंग करवाई। यह स्पष्ट रूप से परीक्षा मूल्यांकन के नियमों का उल्लंघन था। इस गंभीर लापरवाही के चलते भवरूद्दीन और प्रदीप कुमार शर्मा को निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा, दोनों को तीन वर्ष के लिए परीक्षक कार्य से भी वंचित कर दिया गया है।

शिक्षा निदेशालय ने दिया सख्त संदेश

शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने साफ किया है कि परीक्षा मूल्यांकन कार्य अत्यंत संवेदनशील और गोपनीय प्रक्रिया है, जिसमें किसी भी प्रकार की चूक बर्दाशत नहीं की जाएगी। यह कार्रवाई उन सभी शिक्षकों के लिए चेतावनी है, जो अपने दायित्वों को हल्के में लेते हैं। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि परीक्षा की शुचिता से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम ने मूल्यांकन कार्य की निगरानी और पारदर्शिता पर एक बार फिर ध्यान खींचा है। बोर्ड ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में ऐसे मामलों पर और अधिक सख्त निगरानी रखी जाएगी।

जगन्नाथ मंदिर से जुड़े विशिष्ट शब्दों और 'लोगो' का पेटेंट करा रहा है ओडिशा

पुरी, एजेंसी। दीघा मंदिर को धाम नाम देने को लेकर पश्चिम बंगाल के साथ चल रहे विवाद के मद्देनजर, श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति ने सोमवार को ओडिशा में 12वीं शताब्दी के मंदिर से जुड़े कुछ शब्दों और 'लोगो' का पेटेंट कराने का फैसला किया। पुरी के गजपति महाराजा दिव्यसिंह देब की अध्यक्षता में समिति की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक में, मुख्य सचिव मनोज आहूजा, श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाढी, पुरी जिलाधिकारी सिद्धार्थ शंकर स्वैन, पुरी के पुलिस अधीक्षक विनीत अग्रवाल और पदेन सदस्य शामिल हुए। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक पाढी ने संवाददाताओं से कहा, एसजेटीए जल्द ही महाप्रसाद (भोग), श्रीमंदिर (मंदिर), श्री जगन्नाथ धाम (स्थान), श्रीक्षेत्र (स्थान) और पुरुषोत्तम धाम (स्थान) जैसे शब्दों के पेटेंट के लिए आवेदन करेगा। इस संबंध में एक प्रस्ताव को एसजेटीएमसी द्वारा मंजूरी दे दी गई है। पाढी ने कहा कि जगन्नाथ मंदिर से संबंधित विशिष्ट शब्दों और 'लोगो' का पेटेंट कराना पुरी मंदिर की सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक पहचान की रक्षा के लिए एक कानूनी उपाय के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा, इससे 12वीं शताब्दी की मूल आध्यात्मिक पहचान के दुरुपयोग और इसकी शब्दावली के अनधिकृत उपयोग को रोकने में मदद मिलेगी। जगन्नाथ धाम शब्द के कथित दुरुपयोग को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार के साथ चल रहे विवाद के बारे में पाढी ने कहा कि इस मामले का हल राज्य सरकारों द्वारा किया जाएगा। देब ने कहा, पश्चिम बंगाल सरकार दीघा स्थित अपने मंदिर के लिए जगन्नाथ धाम शब्द का इस्तेमाल नहीं कर सकती। यह हिंदू धर्मग्रंथों और भगवान जगन्नाथ की सदियों पुरानी परंपरा के खिलाफ है।

एआई वीडियो में ट्रंप को देख झांसे में आया कर्नाटक का वकील, स्कीम के नाम पर लाखों की चपत

बेंगलुरु, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर कर्नाटक के एक वकील से लाखों की धोखाधड़ी हो गई। ठगों ने एक फर्जी निवेश योजना का लालच देकर पीड़ित को लगभग 6 लाख रुपए का चूना लगा दिया। हैरानी की बात यह है कि इस स्कीम का प्रचार एआई से तैयार किए गए एक फर्जी वीडियो के जरिए किया गया था, जिसमें ट्रंप खुद निवेश के बदले भारी मुनाफा देने का दावा कर रहे थे।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित वकील ने 6 मई को हावेरी सेंट्रल क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि जनवरी में उन्होंने यूट्यूब पर डोनाल्ड ट्रम्प होटल किराया नामक एक वीडियो देखा, जिसमें बताया गया कि अगर वह एक खास मोबाइल ऐप डाउनलोड कर उसमें निवेश करेंगे, तो उन्हें 3 प्रतिशत दैनिक रिटर्न मिलेगा।

ठगों से कैसे दिया झांसा: शुरुआत में 1500 रुपए निवेश करने पर वकील को कुछ रिटर्न मिला, जिससे उसका भरोसा बढ़ा। इसके बाद उन्होंने 25 जनवरी से 4 अप्रैल के बीच 5,93,240 रुपए विभिन्न बैंक खातों, यूपीआई और डिजिटल वॉलेट्स के ज़रिए भेज दिए। लेकिन कुछ समय बाद न रिटर्न मिला, न पैसा वापस आया।

पुलिस की जांच में क्या निकला: पुलिस जांच में सामने आया है कि यह पूरा मामला फर्जी लिंक और एआई वीडियो के जरिए ठगी का है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, जहां पैसा ट्रांसफर किया गया था उस बैंक खाते से 1.5 लाख रुपए की राशि फ्रीज़ कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने जनता से अपील करते हुए कहा, ट्रंप होटल रेंटल जैसी स्कीम के नाम पर पूरे देश में करोड़ों रुपये की ठगी हो चुकी है। आम जनता से अनुरोध है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और लालच में न आएं।

पुरी में बड़ा हादसा, समुद्र में पलटी नाव, बाल-बाल बचे सौरव गांगुली के भाई-भाभी

पुरी, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के भाई और भाभी स्नेहाशीष और अर्पिता गांगुली की नाव रविवार को ओडिशा में समुद्र में पलट गई। यह घटना ओडिशा के पुरी में जल क्रीड़ा गतिविधि के दौरान हुई। अर्पिता गांगुली ने नाव के वाहक और संचालकों को दोषी ठहराया और कहा कि नाव में कम लोग होने के कारण नाव समुद्र में पलट गई, जिसके बाद लाइफगार्ड ने उसे बचा लिया। इंटरनेट पर वायरल हो रहे वीडियो में पर्यटकों को बचाने के लिए रबर फ्लोट का इस्तेमाल किया जा रहा था।

समुद्र पहले से ही बहुत उग्र था। नाव पर 10 लोगों की क्षमता थी, लेकिन पैसे के लालच में उन्होंने केवल तीन से चार लोगों को ही सवार होने दिया। यह उस दिन समुद्र में जाने वाली आखिरी नाव थी। हमने समुद्र में जाने को लेकर चिंता जताई थी, लेकिन संचालकों ने हमें बताया कि यह ठीक है, अप्रिता गांगुली ने घटना के बारे में बताया। घटना के बाद थोड़ी स्तब्ध और स्तब्ध दिख रहीं गांगुली ने आगे बताया कि जैसे ही वे समुद्र में गईं, नाव पर एक बड़ी लहर ने हमला किया, जिससे नाव पर और भी ज़्यादा असर पड़ा, क्योंकि नाव पर पहले से ही कम लोग सवार थे। अगर लाइफगार्ड नहीं आते, तो हम बच नहीं पाते। मैं अभी भी सदमे में हूं...मैंने कभी इस तरह की घटना का सामना नहीं किया। अगर नाव पर और लोग होते, तो शायद नाव पलटती नहीं। उन्होंने तटीय क्षेत्र के आसपास के संचालकों और अधिकारियों की थोड़ी और जांच करने की मांग की, खासकर देश के कई हिस्सों में प्री-सीजन मानसून के चलते। अधिकारियों को यहां इन खेलों पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए। पुरी बीच पर समुद्र बहुत ही उथल-पुथल भरा है। मैं कोलकाता वापस जाने के बाद पुलिस अधीक्षक और मुख्यमंत्री को पत्र लिखूंगी, जिसमें उनसे यहां जल-खेलों को रोकने के लिए कहा जाएगा

यह परमाणु युद्ध की तैयारी; गोल्डन डोम प्रोजेक्ट को लेकर अमेरिका के विरोध में उतरा उत्तर कोरिया

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम पर अपना कड़ा विरोध जताते हुए इस प्रोजेक्ट को बहुत ही खतरनाक और धमकी भरा पहल बताया है। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के तहत काम करने वाले इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिकन स्टडीज ने इस प्रोजेक्ट को अमेरिका फर्स्ट की सोच, अहंकार और मनमानी का उदाहरण बताया। साथ ही ये भी कहा कि यह अंतरिक्ष से परमाणु युद्ध शुरू करने की तैयारी जैसी है।

बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते 20 मई को गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम प्रोजेक्ट के डिजाइन को मंजूरी दी। साथ ही इसके लिए एक प्रमुख नेतृत्वकर्ता की नियुक्ति भी की। यह प्रोजेक्ट लगभग 175 अरब डॉलर का है और इसका मकसद अमेरिका को मिसाइल हमलों से बचाना है।

क्या है गोल्डन डोम?: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसी साल मार्च में अमेरिकी संसद में दिए अपने भाषण में इस्राइल के आयरन डोम सुरक्षा कवच की तर्ज पर ही अपने देश में एक गोल्डन डोम बनाने का प्रस्ताव रखा था। इसके बाद बीते मंगलवार को उन्होंने इस सिस्टम के निर्माण को लेकर मंजूरी भी दे दी। अमेरिका के पास फिलहाल ऐसी कोई सुरक्षा प्रणाली नहीं है, जिसके जरिए वह आधुनिक समय की हाइपरसोनिक मिसाइलों, ड्रोन हमलों की बाढ़ का सामना कर सके।

गोल्डन डोम कितना कारगर?: देखा जाए तो इस प्रोजेक्ट के तहत अमेरिका दुनिया भर की कक्षा में सैकड़ों उपग्रहों का नेटवर्क तैयार करेगा, जिनमें आधुनिक सेंसर और इंटरसेप्टर होंगे। इनका काम होगा किसी भी दुश्मन देश, जैसे चीन, ईरान, उत्तर कोरिया या रूस से छोड़े गए मिसाइलों को उड़ान भरते ही नष्ट कर देना।

चीन भी जता चुका है विरोध: अब ऐसे में अमेरिका के गोल्डन डोम का विरोध दुनियाभर में होना शुरू हो चुका है। उत्तर कोरिया से पहले चीन भी इस प्रोजेक्ट को लेकर अपनी चिंता जाहिर कर चुका है। चीन ने अमेरिका से इसे तुरंत बंद करने की अपील भी की है। वहीं उत्तर कोरिया और चीन दोनों का मानना है कि यह परियोजना वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है।

फुटबॉल फैन्स को कार ने कुचला, 47 घायल

लिवरपूल की जीत पर 10 लाख लोगों ने परेड निकाली थी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के लिवरपूल शहर में सोमवार को एक शख्स ने कार से कई फुटबाल फैन्स को कुचल दिया। हादसे में 47 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 27 को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है, जबकि 20 का घटनास्थल पर ही इलाज किया गया। ये फैन्स लिवरपूल फुटबॉल क्लब की प्रीमियर लीग में जीत पर विक्ट्री परेड निकाल रहे थे। लोकल पुलिस के मुताबिक, सोमवार शाम स्थानीय समयानुसार करीब 6 बजे वाटर स्ट्रीट पर एक कार ने कई पैदल यात्रियों को टक्कर मारी। 53 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने घटना में आतंकी हमले की आशंका से इनकार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस परेड में करीब 10 लाख लोग शामिल हुए थे।

पुलिस बोली- आरोपी गोरा आदमी: लोकल पुलिस ने एक बयान जारी कर बताया कि आरोपी लिवरपूल इलाके में रहने वाला एक गोरा आदमी है। हम लोगों से अपील करते हैं कि आज रात हुई घटना के बारे में अटकलें न लगाएं। पुलिस ने लोगों से परेशान करने वाले वीडियो या तस्वीरें ऑनलाइन शेयर न करने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने हादसे को चौंकाने वाला बताया लिवरपूल रिवरसाइड की सांसद किम जॉनसन ने कहा- मुझे पूरी उम्मीद है कि हादसे का शिकार हुए सभी लोग सुरक्षित होंगे और जल्द ही अपने परिवार के पास घर पहुंचेंगे।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस घटना को चौंकाने वाला बताया। उन्होंने कहा- लिवरपूल की तस्वीरें भयानक हैं। मेरी संवेदनाएं घायलों के साथ हैं। मुझे घटना की पूरी जानकारी दी जा रही है। मैं लोगों से अपील करता हूं कि पुलिस को जांच के लिए जरूरी समय और जगह दें। लिवरपूल फुटबॉल क्लब क्लब के एक प्रवक्ता ने कहा- हम पुलिस के संपर्क में हैं। आज शाम ट्रॉफी परेड दौरान वाटर स्ट्रीट पर हुई घटना के बारे में जानकारी दे रहे हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन सभी के साथ हैं जो इस घटना से प्रभावित हुए हैं।

लिवरपूल दूसरी बार बना चैम्पियन बना: इंग्लैंड की टॉप फुटबॉल लीग (प्रीमियर लीग) का मौजूदा सीजन रविवार को खत्म हुआ। आखिरी दिन यानी 38वें राउंड में 10 मैच खेले गए, जिसमें से 8 के नतीजे निकले और दो बराबर रहे।

नेपाली पर्वतारोही कामी रीता ने 31 बार किया माउंट एवरेस्ट फतह

मशहूर नेपाली पर्वतारोही कामी रीता ने 31 बार किया माउंट एवरेस्ट फतह, अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के मशहूर पर्वतारोही कामी रीता ने मंगलवार को 31वीं बार माउंट एवरेस्ट को फतह किया। इस तरह उन्होंने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे ज्यादा बार चढ़ाई करने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया।

इस अभियान के आयोजक और सेवन समिट ट्रेक्स के अध्यक्ष मिंगमा शेरपा ने बताया कि कामी रीता (55 वर्षीय) ने सुबह करीब चार बजे मौसम सामान्य रहने पर 8,849 मीटर ऊंची चोटी के शिखर पर पहुंचे। वह इस बार भारतीय सेना की एडवेंचर विंग के एवरेस्ट अभियान की टीम का मार्गदर्शन कर रहे थे, जिसका नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज जोशी कर रहे थे।

काठमांडू पोस्ट ने मिंगमा शेरपा के हवाले से कहा, यह नई उपलब्धि दुनिया की सबसे

ऊंची चोटी पर सबसे ज्यादा बार चढ़ने वाले वाले व्यक्ति के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत करती है। यह एक ऐसा रिकॉर्ड है, जिसके आसपास भी अभी तक कोई नहीं पहुं पाया है।

मिंगमा शेरपा ने आगे बताया कि चोटी पर पहुंचने के बाद कामी रीता सुरक्षित और स्थिर हैं। उन्होंने नीते उतरना शुरू कर दिया है और अब बेस कैंप की ओर लौट रहे हैं। हमेशा की तरह कामी ने अपने बेजोड़ कौशल और पेशेवर अनुभव को फिर से साबित किया है। हम उनकी इस महान उपलब्धि पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं और जो विरासत वह बना रहे हैं, वह हमारे लिए गौरव का विषय है।

पिछले दो वर्षों में कामी रीता ने हर मौसम में दो बार माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई की। इसके साथ ही उनकी सफल चढ़ाइयों की संख्या 30 हुई। सेवन समिट ट्रेक्स के अभियान निदेशक छांग दावा शेरपा ने बताया कि कामी रीता को कम उम्र से ही पर्वतारोहण का गहरा शौक था और वह बीते दो दशकों से अधिक समय से लगातार पहाड़ों पर चढ़ाई कर रहे हैं।

कामी रीता कौन हैं?: शेरपा समुदाय का गढ़ सोलुकुंभी क्षेत्र में जन्मे कामी रीता ने 1992 में अपनी पर्वतारोहण यात्रा शुरू की थी। वे एक सहायक कर्मचारी के रूप में एवरेस्ट पर जाने वाले अभियान समूह में शामिल हुए। उन्होंने पहली बार 1994 में एवरेस्ट पर चढ़ाई की। तब से लगभग हर साल दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर लौटते रहे। कामी रीता के पिता पहले शेरपा पर्वत गाइडों में से एक थे। सेवन समिट ट्रेक्स के अभियान निदेशक छांग दावा शेरपा ने कहा कि कामी ने छोटी उम्र में ही चढ़ाई के लिए गहरा जुनून विकसित कर लिया था। अब दो दशकों से अधिक समय से चोटियों पर चढ़ रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में वे सबसे प्रसिद्ध शेरपा गाइडों में से एक बन गए हैं। छांग दावा के अनुसार, कामी रीता ने 1994 से 2025 के बीच के-2 और माउंट लोत्से पर एक-एक बार, मनास्लू पर तीन बार और चो ओयू पर आठ बार चढ़ाई की है।

बेल्जियम की पर्यटकों को चेतावनी: हमारी ऐतिहासिक सड़कों के पत्थर चुराकर मत ले जाइए!

ब्रुग्स एजेंसी। बेल्जियम का सुंदर और ऐतिहासिक शहर ब्रुग्स इन दिनों एक अजीब सी परेशानी से जूझ रहा है। यूरोप के सबसे खूबसूरत और आकर्षक पर्यटन स्थलों में गिना जाने वाला यह शहर अपनी मध्ययुगीन इमारतों और खास पत्थर वाली सड़कों के लिए प्रसिद्ध है। इसी ऐतिहासिक सुंदरता के चलते ब्रुग्स का केंद्र यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट भी घोषित किया गया है। लेकिन अब वही खूबसूरती शहर के लिए मुसीबत बनती जा रही है। दरअसल, पर्यटक यहां की ऐतिहासिक सड़कों से चौकोर पत्थर उखाड़कर 'स्मृति-चिह्न' के रूप में अपने साथ ले जा रहे हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, *हर महीने करीब 50 से 70 पत्थर इस तरह गायब हो रहे हैं। ब्रुग्स प्रशासन के मुताबिक, प्रत्येक वर्ग मीटर सड़क को फिर से बनाने में लगभग 225 डॉलर का खर्च आता है। हालांकि कुछ सैलानी सोचते हैं कि एक-दो ढीले पत्थर उठाने से क्या फर्क पड़ेगा, लेकिन यह काम न सिर्फ विरासत को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बनता जा रहा है। इसी चिंता को लेकर स्थानीय नागरिकों और अधिकारियों ने एक जागरूकता अभियान शुरू किया है जिसमें लोगों से अपील की जा रही है कि कृपया हमारी सड़कों के पत्थर चुराकर मत ले जाइए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129